@Qpatrika   @qaumipatrika hindi   instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

बुधवार, 14 अक्टूबर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 341 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

यूपीआई पर 0.4 फीसदी चार्ज दिवाली तक टला

● 2 हजार से ज्यादा के पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होना था ● त्योहारी सीजन को देखते हुए फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। यूपीआई पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होने वाला चार्ज दिवाली तक टाल दिया गया है। इसमें दुकानदार को 2,000 रुपये से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करने पर 0.4फीसदी चार्ज लगना था। एनपीसीआई ने त्योहारी सीजन को देखते हुए इसे टालने का फैसला लिया है। एनपीसीआई ने कहा है कि इसे दिवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, लेकिन अभी तारीख नहीं बताई है। दिवाली के दौरान देश भर के बाजारों में कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, गहने और सामानों की

भारी बिक्री होती है। ऐसे में डिजिटल पेमेंट बढ़ जाता है। कारोबारी संगठनों और पेमेंट कंपनियों का मानना था कि त्योहारों के बीच नया नियम लागू करने से दुकानों पर पेमेंट में रुकावट आ सकती है। इसी बात को ध्यान में रखकर एनपीसीआई ने दिवाली तक इस फैसले को आगे बढ़ा दिया है।

देशभर में हुआ था विरोध

सरकार के इस फैसले का देशभर के कारोबारियों और विपक्षी नेताओं ने विरोध किया था। विरोध दो स्तरों पर हुआ। विपक्षी नेताओं ने राजनीतिक और आम लोगों पर असर को लेकर सवाल उठाए, जबकि कारोबारी संगठनों ने लागत बढ़ने और ग्राहकों पर बोझ पड़ने की आशंका जताई। उनका कहना था कि इससे छोटे कारोबारियों को ज्यादा नुकसान होगा।

> **दिवाली खत्म होने के तुरंत बाद एनपीसीआई इसके शुरू होने के दिन के बारे में बताएगा। दिवाली 8 नवंबर 2026 को है, इसलिए यह नया नियम नवंबर के दूसरे हफ्ते में शुरू हो सकता है। फिलहाल आम ग्राहकों और दुकानदारों को इस त्योहारी सीजन में बिना किसी नए बदलाव के पेमेंट करने की सुविधा मिलती रहेगी।**

2,000 रुपये से ऊपर के मर्चेंट ट्रांजैक्शंस 5 फीसदी से कम

दुकानदारों को होने वाले कुल यूपीआई पेमेंट में 2,000 रुपये से बड़े पेमेंट गिनती के लिहाज से 5फीसदी से भी कम हैं। लेकिन वैल्यू के लिहाज से यह आंकड़ा बहुत बड़ा हो जाता है। कुल पैसों का लगभग 67फीसदी हिस्सा इन्हीं बड़े पेमेंट्स से आता है। यह हर महीने करीब 6 लाख करोड़ रुपये बैठता है। यह रकम पूरे देश में होने वाले कुल यूपीआई लेनदेन की वैल्यू का लगभग 20फीसदी है। यानी बड़े लेनदेन भले ही संख्या में कम हों, लेकिन बाजार में घूमने वाले पैसों का एक बड़ा हिस्सा इन्हीं से बनता है।

सरकार ने यूपीआई को प्रमोट करने और फ्री रखने के लिए 2021-22 से प्रोत्साहन योजना शुरू की थी। इसके तहत ग्राहक से छोटे दुकानदार को होने वाले 2,000 रुपये तक के यूपीआई पेमेंट पर 0.15फीसदी इंसेंटिव दिया जाता था। 2024-25 तक इस पर 8,276 करोड़ रुपये का इंसेंटिव दिया गया। देश में जून 2026 तक करीब 55.5 करोड़ यूपीआई यूजर्स थे।

एलटीसीजी टैक्स पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी

बजट की तैयारी शुरू हो चुकी है: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स व्यवस्था में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया, और कहा कि अगले केंद्रीय बजट की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और यह कहने का अभी सही समय नहीं है कि सरकार किन मुद्दों पर विचार करेगी। ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम में बोलते हुए वित्त मंत्री ने स्वीकार किया कि भारत और विदेशों के निवेशक इस मुद्दे पर अपनी राय रख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) का सवाल भी इससे जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि बाजार के प्रतिभागियों ने यह मुद्दा उठाया है कि क्या सभी एसेट क्लास के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार इन सभी मुद्दों पर आने वाले विचारों और सुझावों को गंभीरता से सुनेगी। वित्त मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब सरकार वित्त वर्ष 2027-28 के केंद्रीय बजट की तैयारी कर रही है, जिसे 1 फरवरी, 2027 को पेश किया जाना है। मौजूदा नियमों के तहत, एक साल से अधिक समय तक रखे गए सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों और इक्विटी म्यूचुअल फंड पर होने वाले लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर 12.5 प्रतिशत

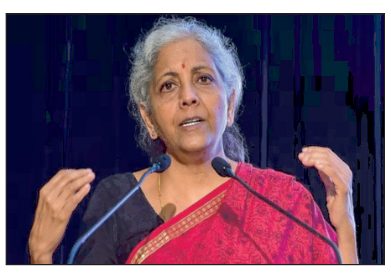

कर लगाया जाता है, जबकि सालाना 1.25 लाख रुपए तक के लाभ को कर से छूट प्राप्त है। इन बदलावों को जुलाई 2024 के बजट में लागू किया गया था, जब सरकार ने एलटीसीजी कर की दर 10 प्रतिशत से बढ़ाई थी और कर छूट की सीमा को 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए किया था।

बजट 2026 में बाजार के कुछ वर्गों की ओर से कर दर कम करने या छूट सीमा बढ़ाने की उम्मीदों के बावजूद पूंजीगत लाभ कर की मौजूदा संरचना को बरकरार रखा गया था। हालांकि, फ्यूचर्स और ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स में बढ़ोतरी की गई थी। उधर, उद्योग संगठनों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कई बार यह तर्क दिया है कि भारत की पूंजीगत लाभ कर व्यवस्था घरेलू इक्विटी बाजारों की प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित करती है और निवेश प्रवाह पर असर डालती है।

> **वित्त मंत्री की टिप्पणियों के बाद शेयर बाजार में तेजी देखी गई और कारोबार के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए।**

मुख्यमंत्री ने बरेली में 'प्रदेश के 68,000 ग्राम प्रहरियों का सम्मान' कार्यक्रम में ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किया

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 13 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि ग्राम प्रहरी ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। गांव में सजग रहकर सही सूचनाएं समय से पुलिस तक पहुंचाना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी है। ग्राम प्रहरी जितने सजग और सचेत होंगे, गांव उतना ही सुरक्षित होगा। सुरक्षित गांव आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा और आत्मनिर्भर गांव से आत्मनिर्भर एवं विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री जी आज जनपद बरेली में पुलिस सहयोग एवं अपराध नियंत्रण में सराहनीय योगदान देने वाले 'प्रदेश के 68,000 ग्राम प्रहरियों का सम्मान' कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किया। उन्होंने ग्राम प्रहरियों के मानदेय में वृद्धि करने तथा ग्राम प्रहरियों व उनके परिवारों को प्रतिवर्ष 05 लाख रुपये की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री जी ने ग्राम प्रहरियों के मानदेय में हुई वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 में ग्राम प्रहरियों को 1,500 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता था। वर्ष 2019 में इसे ब ?ाकर 2,500 रुपये प्रतिमाह किया गया। ग्राम प्रहरियों की भूमिका और जिम्मेदारियों को देखते हुए उनके मानदेय तथा सुविधाओं में निरन्तर सुधार किया जा रहा है। वर्ष 2019 में उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए टॉर्च और डंडा उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर भी जोर दिया गया था। अब उनके मानदेय में अतिरिक्त वृद्धि तथा स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। ग्राम प्रहरियों को अपने कार्य के माध्यम से अपनी भूमिका और पद की उपयोगिता को स्थापित करना होगा, निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 05 लाख रुपये तक के उपचार की कैशलेस सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। ग्राम प्रहरियों की सेवा और जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए उनके मानदेय में वृद्धि के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा की सुविधा देना सरकार की प्रतिबद्धता है। स्वतंत्रता के बाद

ताकि वे ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था की मजबूत नींव के रूप में पहचाने जाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के लगभग 68,000 ग्राम प्रहरियों और उनके परिवारों को प्रतिवर्ष 05 लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। इस सुविधा के अन्तर्गत ग्राम प्रहरी अथवा उनके परिवार के किसी सदस्य के बीमार होने पर लगभग 75 वर्षों तक ग्राम प्रहरियों की सुविधाओं और मानदेय पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। प्रदेश सरकार ने विगत साढ़े 09 वर्षों में ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाने और उनकी कार्यगत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में काम किया है। वर्ष 2017 से पूर्व ग्राम प्रहरियों की भूमिका और उनकी आवश्यकताओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता था। **शेष पृष्ठ 3 पर**

'लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा'

● चीन की आपत्ति पर भारत का सख्त संदेश

कहा- किसी के इनकार से तथ्य नहीं बदल सकते

एजेंसी

नई दिल्ली। लद्दाख में 28 प्रमुख भौगोलिक स्थानों के नाम तय करने के भारत सरकार के फैसले पर चीन ने आपत्ति जताई है। अब भारत सरकार ने पलटवार किया। दरअसल, चीन ने केंद्र सरकार की ओर से लद्दाख के 28 रणनीतिक स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के नाम तय कर उन्हें आधिकारिक नक्शे में शामिल करने पर विरोध जताया था।

इसके बाद भारत ने स्पष्ट किया कि चीन के इनकार से यह स्थापित तथ्य नहीं बदल सकता। सरकार के मुताबिक, इन स्थानों के मानक नाम तय करने का उद्देश्य उनकी सही पहचान सुनिश्चित करना और आम लोगों को उनके बारे में बेहतर जानकारी देना है। चीन के विदेश मंत्रालय ने इस कदम को अवैध और अमान्य बताया था। वहीं, भारत ने लद्दाख को अपना अभिन्न हिस्सा माना। केंद्र सरकार ने इन स्थानों के नाम आधिकारिक रूप से तय कर भारतीय सर्वेक्षण विभाग के नक्शे में शामिल करने की प्रक्रिया अपनाई है। इसमें पहाड़ों की चोटियां, दर्रे, ग्लेशियर, जमीन के हिस्से, घाटियां और जल निकाय शामिल हैं। गृह मंत्रालय के मुताबिक, केंद्र सरकार ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के प्रशासन से सलाह लेकर 28 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के नाम तय किए हैं। इन नामों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक नक्शे में शामिल किया जाएगा। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य इन स्थानों की सही पहचान सुनिश्चित करना और आम लोगों को इनके बारे में बेहतर जानकारी देना है। चीन ने इस फैसले पर विरोध जताते हुए पश्चिमी क्षेत्र के कुछ इलाकों पर अपना दावा दोहराया है।

किन 28 भौगोलिक स्थानों के नाम तय किए गए हैं?

- **चोटियां और पहाड़...** अतीशा गिरि, कनिष्क पीक, करुण पीर, मार्तंड गिरि, द्रक करपो, जोलमोरी, रिनचेन जांगपो, शाक्यश्री गिरि, मारपा लोत्सावा री, मिलारेपा कांगरी, शिव री, जोरावर पीक और महेश्वर री।
- **दर्रे और ग्लेशियर...** चापचिंगल दर्रा, शचमिर्क दर्रा, परपिक ग्लेशियर और स्कामरी ग्लेशियर।
- **जमीन के हिस्से...** ब्रांगसा लैंड, कुकसेल, देहरा कंपास, गोगरा, कुमारायन पॉइंट, पांगलुंग और शामल लुंगपा।
- घाटी और जल निकाय... शकोर्गा घाटी, गुरु रिनपोछे झील, यांगपा नदी और हॉट स्प्रिंग।

ग्राम प्रहरियों को बड़ी सौगात

एक हजार रुपये मानदेय बढ़ा

● इस सुविधा का भी मिलेगा लाभ सीएम योगी ने किया एलान

एजेंसी

बरेली। बरेली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दिवाली से पहले प्रदेश के 68 हजार ग्राम प्रहरियों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने बरेली पुलिस लाइन मैदान में आयोजित कार्यक्रम के मंच से ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाने की घोषणा की। अब उनका मानदेय 2500 रुपये से बढ़कर 3500 रुपये होगा। इसके साथ ही, ग्राम प्रहरियों और उनके परिवार को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा भी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश बदल चुका है और बरेली इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने बताया कि 2017 से पहले त्योहारों पर उपद्रव होते थे। अब लोग सुरक्षित माहौल में पर्व मना रहे हैं। आज मंदिरों में भीड़ उमड़ रही है और उत्सव का माहौल है। यह माहौल लोगों के विश्वास के कारण है कि वे सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने इस बदलाव को सामूहिक प्रयास से संभव बताया।

> **मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पुलिस को अच्छी ट्रेनिंग मिल रही है। इन सुविधाओं का लाभ होमगार्ड, पीआरडी और ग्राम प्रहरियों को भी मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि 2017 से पहले ग्राम प्रहरियों का मानदेय 1500 रुपये था। उनकी सरकार ने 2019 में मानदेय बढ़ाकर 2500 रुपये किया था। उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए अब यह मानदेय 3500 रुपये कर दिया गया है।**

राहुल बोले- ज्ञानेश का इस्तीफा हमारा मिशन

विपक्ष ने कहा- वोट के साथ धरनास्थल भी चोरी हो रहे

प्रदर्शन जारी रहेगा, सीईसी को सजा मिलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में राहुल गांधी के आवास पर INDIA ब्लॉक की बैठक के बाद विपक्षी नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल गांधी ने कहा- देश में लोकतंत्र को बर्बाद किया जा रहा है और यह लड़ाई अलग-अलग नहीं, बल्कि एक ही आंदोलन है। उन्होंने कहा- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश का इस्तीफा हमारा मिशन है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- वोट चोरी के प्लान को उजागर करने के लिए विपक्ष एक साथ है। तेजस्वी यादव, सुप्रिया सुले सहित अन्य विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने आरोप लगाया कि वोट के साथ अब धरनास्थल भी छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम लोगों के अधिकारों की रक्षा और लोकतंत्र को बचाने के लिए आंदोलन जारी रहेगा। राहुल ने अपने आवास पर विपक्षी नेताओं और छात्र संगठनों को चाय पर चर्चा के लिए बुलाया था। बैठक में ज्ञानेश कुमार और SIR के विरोध में आंदोलन को

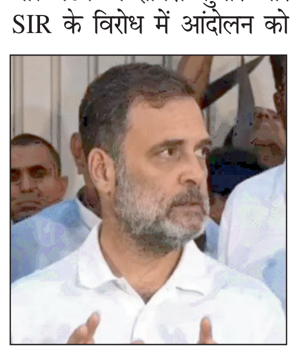

आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा हुई। विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार पर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि वह अपनी लड़ाई जारी रखेगा।

राहुल गांधी बोले- देश में लोकतंत्र बर्बाद किया जा रहा

राहुल गांधी ने कहा- जैसा कि मैंने कल कहा था, ये अलग-अलग प्रदर्शन नहीं चल रहे हैं। एक ही प्रदर्शन चल रहा है। देश में लोकतंत्र बर्बाद किया जा रहा है। आंदोलन एक मिशन के साथ जारी है। आम लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं और लोकतंत्र को बचाना उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा उनका मिशन है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार देश के लोकतंत्र को तबाह कर रहे हैं।

प्रशांत भूषण बोले- वोट चोरी और एसआईआर के खिलाफ आंदोलन जारी रहेगा

प्रशांत भूषण ने कहा कि दिल्ली में वोट चोरी और एसआईआर के खिलाफ 2 अक्टूबर से आंदोलन शुरू किया गया था, लेकिन सरकार ने इसे कुचल दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया और आंसू गैस चलाई गई।

पीयूष गोयल ने साधा कांग्रेस पर निशाना: कहा- राहुल अपनी पार्टी के लिए सबसे बड़ा खतरा, नेतृत्व से कई नेता नाराज

पीयूष गोयल ने बताया चुनाव आयुक्तों को लेकर क्या रहा कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड?

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और ललन सिंह (राजीव रंजन सिंह) ने नई दिल्ली में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। पीयूष गोयल ने राहुल गांधी को कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा 'रेड फ्लैग' बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई नेता खुद राहुल गांधी के खिलाफ अपनी बात रख रहे हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि कांग्रेस चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है लेकिन अपने खुद के कामों और अपने ट्रैक रिकॉर्ड को पूरी तरह नजरअंदाज करती है। उन्होंने राहुल गांधी के रवैये और संविधान के हर पहलू को कमजोर करने की कोशिश पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के कई नेता राहुल गांधी के खिलाफ अपनी बात रख रहे हैं। शशि थरूर ने खुद कहा कि एसआईआर के कारण केरल में कांग्रेस चुनाव जीती है। रमेश चेन्नीथला ने खुद कहा कि एसआईआर के कारण केरल में कांग्रेस चुनाव जीती है। केरल के मुख्यमंत्री ने भी एसआईआर की तारीफ की है। अधीर रंजन चौधरी ने भी चुनाव आयोग की तारीफ की है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने अच्छे से चुनाव करवाया है। अब उनकी खुद की पार्टी बेबुनियाद और झूठे वोट चोरी के दावे कर रही है।' उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने चुनाव आयोग को स्वतंत्र तरीके से देशहित और जनहित में काम करने के लिए पूरी तरह से स्वायत्तता दी है।

चुनाव आयोग के अधिकारियों को राजनीतिक लाभ देने का प्रयास नहीं किया गया। उन्हें ईमानदारी से काम करने दिया गया। कांग्रेस के ट्रैक रिकॉर्ड पर पीयूष गोयल ने कहा, 'राहुल गांधी के ट्रैक रिकॉर्ड को देखें तो एक चीफ इलेक्शन कमिश्नर को पार्टी टिकट पर उम्मीदवार बनाया गया, एक को यूनियन कैबिनेट में लिया गया, दो चीफ इलेक्शन कमिश्नरों को गवर्नर बनाया गया और एक बार चीफ इलेक्शन कमिश्नर के यह कहने पर कि उनके नीचे काम करने वाला इलेक्शन कमिश्नर कांग्रेस के एजेंट की तरह काम कर रहा है, उसे निकालने से इनकार कर दिया गया। ऐसा पक्षपात हमने शायद ही किसी सरकार में देखा गया होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अक्सर चीफ इलेक्शन कमिश्नर टीएन शेषन की ईमानदारी का बड़ा गुणगान करती थी। हालांकि 1999 में उन्हें आडवाणी के सामने कांग्रेस के टिकट पर खड़ा होने का मौका दिया गया। क्या यह उन्हें रिवार्ड करने का काम नहीं था?

बीजेपी नेता मरांडी का आरोप... कांग्रेस और कॉकरोच एक ही हैं, दोनों अंधेरे में पनपते

रांची (एजेंसी)। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसक झड़प के 24 घंटे बाद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस पर तीखा हमला है। भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मरांडी ने कहा कि कांग्रेस और कॉकरोच एक ही हैं, दोनों अंधेरे में पनपते हैं और देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाते हैं।

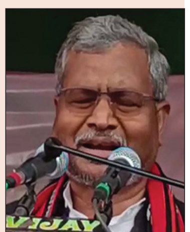

उन्होंने कहा कि भाजपा के शांतिपूर्ण विरोध पर पथराव करना कांग्रेस की बढ़ती हताशा को दिखाता है। बीजेपी नेता मरांडी ने आरोप लगाया कि पवित्र नवरात्र के मौके पर जब पूरा देश भक्ति में लीन है, तब कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल सड़कों पर उपद्रव मचाकर सांस्कृतिक आस्था पर आघात कर रहे हैं। जमशेदपुर की घटना का जिक्र उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा कार्यकर्ता केवल कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों का लोकतांत्रिक विरोध कर रहे थे, जिसके जवाब में कांग्रेसियों ने पत्थरबाजी की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश रचने का भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सता से बाहर होने के बाद से कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जैसी निष्पक्ष संस्थाओं पर दबाव बनाने और समाज को बांटने के लिए नकारात्मक माहौल तैयार कर रही है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अनुच्छेद 370 हटाने और माओवाद को समाप्त करने जैसी ऐतिहासिक सफलताएं हासिल की हैं। मरांडी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से धैर्य बनाए रखकर विपक्ष के अराजक रवैये को जनता के सामने बेनकाब करने का आह्वान किया।

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल सिंह ने तेजस में भरी अपनी अंतिम लड़ाकू उड़ान, 31 अक्टूबर को हो रहे सेवानिवृत्त

जोधपुर (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस में अपनी अंतिम लड़ाकू उड़ान भरी। आगामी 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने जा रहे वायुसेना प्रमुख की उड़ान को भारतीय वायुसेना ने उनके अनुकरणीय नेतृत्व, अदम्य साहस और पेशेवर प्रतिबद्धता का सर्वोच्च प्रतीक बताया है। वायुसेना ने इस ऐतिहासिक उड़ान का वीडियो और तस्वीरें साझा कीं, जिसमें एयर चीफ मार्शल मित्र देशों के विमानों और सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के साथ आसमान की ऊंचाइयों को छूते नजर आ रहे हैं। भारत में ही विकसित तेजस विमान में नौसेना व वायुसेना की शक्ति और आत्मनिर्भरता का संदेश निहित है। वायुसेना प्रमुख की यह उड़ान न केवल एक शीर्ष पायलट के गौरवशाली करियर का प्रतीक है, बल्कि स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता के प्रति भारतीय वायुसेना के अटूट विश्वास को भी मजबूती से रेखांकित करती है।

शहीद एएसआई इकबाल सिंह के परिवार को 2 करोड़ की मदद: पंजाब सरकार और एचडीएफसी बैंक ने की घोषणा

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तरनतारन जिले में कर्तव्य के दौरान शहीद हुए पंजाब पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) इकबाल सिंह के परिजनों को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। एएसआई सिंह की अपने घर लौटते समय अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शहीद जवान की बहादुरी और जज्बे को नमन कर कहा कि दुख की इस घड़ी में पंजाब सरकार पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। इसी क्रम में, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने जानकारी दी कि सरकार की ओर से दी जाने वाली एक करोड़ रुपये की सहायता के अलावा, एचडीएफसी (एचडीएफसी) बैंक पुलिस कल्याण बीमा कवर के तहत परिवार को एक करोड़ रुपये की अतिरिक्त बीमा राशि प्रदान करेगा। इस प्रकार शहीद के परिजनों को कुल दो करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि शहीद इकबाल सिंह को पूरे राजकीय एवं पुलिस सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी और उनके कातिलों को बख्शा नहीं जाएगा।

एटीएस अफसर बन बुजुर्ग किसान को किया डिजिटल अरेस्ट, 1.31 करोड़ कराए ट्रांसफर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में जालसाजों ने मुंबई पुलिस और एटीएस के अधिकारी बनकर एक किसान से 1.31 करोड़ रुपए ठग लिए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पहलगाम आतंकवादी हमले के एक आरोपी को धन अंतरित करने का आरोप लगाते हुए किसान को डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। पुलिस के मुताबिक किसान को 2 सितंबर से 6 अक्टूबर 2026 तक डिजिटल अरेस्ट में रखा गया और इस दौरान ठगों ने व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिये उसे धमकाया और कई बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

पीयूष गोयल की राहुल गांधी को सीधी चुनौती: वोट चोरी के सबूत पेश करें पूरा विपक्ष

-राहुल गांधी आरोप लगाकर भाग जाने वाले नेता

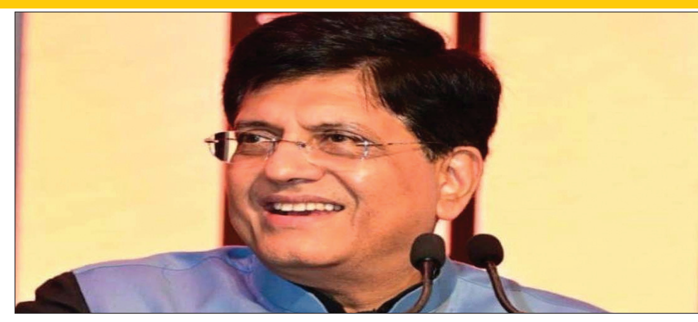

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर वोट चोरी के आरोपों को लेकर करारा हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने राहुल गांधी के रुख को पूरी तरह से दोहरा मानदंड और गैर-जिम्मेदाराना करार दिया। उन्होंने राहुल पर शूट एंड स्कूट (आरोप लगाकर भाग जाने) की राजनीति करने का आरोप लगाकर सीधी चुनौती दी कि वे इन गंभीर आरोपों पर केवल विरोध-प्रदर्शन करने के बजाय कानूनी तरीकों से चुनाव आयोग के सामने सबूत पेश करें। केंद्रीय मंत्री गोयल ने सवाल किया कि अगर उनके पास अपने दावों के समर्थन में ठोस प्रमाण हैं, तब उन्होंने अब तक चुनाव आयोग को कोई हलफनामा क्यों नहीं सौंपा है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने राहुल गांधी से 10 तीखे सवाल पूछकर कांग्रेस के शासनकाल का ऐतिहासिक ब्यौरा देकर आरोप लगाया कि देश में चुनाव आयोग की साख को सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने ही पहुंचाया है। उन्होंने याद दिलाया कि यूपीए सरकार के दौरान, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन चावला पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगने के बावजूद, कांग्रेस ने उन्हें पदोन्नत कर मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया था। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता को ताक पर रखकर कई पूर्व चुनाव आयुक्तों को राजनीतिक पुरस्कार बांटे। इसमें से एक को संसद का टिकट दिया गया, एक को केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया गया, और दो पूर्व सीईसी को राज्यपाल के पदों से नवाजा गया। केंद्रीय मंत्री गोयल ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन का उदाहरण देकर याद दिलाया कि 1999 के चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें लालकृष्ण आडवाणी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा था। इसी तरह, पूर्व सीईसी एम.एस. गिल को पद पर रहते हुए पद्म विभूषण देना और बाद में यूपीए सरकार में केंद्रीय मंत्री बनाना, आयोग की स्वायत्तता पर कांग्रेस द्वारा किए गए प्रहारों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके विपरीत, पीयूष गोयल ने दावा किया कि मौजूदा एनडीए सरकार ने चुनाव आयोग को पूर्ण संवैधानिक स्वायत्तता प्रदान की है और उसकी निष्पक्षता में कोई हस्तक्षेप नहीं किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राहुल गांधी पर तीखा प्रहार कर गोयल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर बेवजह विवाद खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कांग्रेस इस प्रक्रिया को गलत मानती थी, बिहार और बंगाल चुनावों के दौरान इस पर आपत्ति क्यों नहीं जाहिर की। केंद्रीय मंत्री गोयल ने निष्कर्ष निकालकर कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर बार-बार निराधार सवाल उठना भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश है, जिसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में पात्र मतदाताओं के पंजीकरण के लिए विशेष अभियान

-जयराम ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पश्चिम बंगाल में मतदाता पंजीकरण को लेकर चुनाव आयोग की ओर से जारी प्रेस नोट पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आयोग की हालिया कार्रवाई विधानसभा चुनावों में कथित अनियमितताओं से जुड़ी है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से 12 अक्टूबर को जारी प्रेस नोट का उल्लेख किया। इसमें कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राज्य के सभी 24 जिला निर्वाचन अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अभियान शुरू किया है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे। चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। किसी भी शिकायत के लिए मतदाता बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) या जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) से संपर्क कर सकते हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने दिया इस्तीफा

-पार्टी पर हिंदुत्व और बालासाहेब की विचारधारा से भटकने का आरोप

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के प्रमुख उत्तर भारतीय चेहरे और विधायक आदित्य ठाकरे के करीबी राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दुबे ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे के पीछे पार्टी के अपनी मूल हिंदुत्व विचारधारा से दूर जाने और कांग्रेस के साथ बढ़ती राजनीतिक नजदीकियों को मुख्य वजह बताया है। पार्टी छोड़ने के बाद आनंद दुबे ने कहा कि स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना का गठन कट्टर हिंदुत्व, मराठी अस्मिता और मजबूत राष्ट्रवाद के आधार पर हुआ था। हालांकि, मौजूदा समय में शिवसेना (यूबीटी) की राजनीतिक दिशा और उनकी व्यक्तिगत वैचारिक प्रतिबद्धताओं के बीच गहरा मतभेद पैदा हो गया है, जिससे पार्टी का पक्ष रखना असंभव हो गया था। दुबे ने कांग्रेस और राहुल गांधी के प्रति पार्टी के झुकाव पर सीधा सवाल उठाकर कहा कि राजनीतिक गठबंधन कभी भी पार्टी की मूल वैचारिक पहचान की कीमत पर नहीं होने चाहिए। उन्होंने उद्योगपतियों को लेकर पार्टी के दोहरे रवैये की आलोचना की और कहा कि देश में निवेश व रोजगार पैदा करने वाले उद्योगपतियों का मूल्यांकन निष्पक्ष होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का विरोध केवल नीतिगत मुद्दों पर होना चाहिए, न कि निराधार व्यक्तिगत आधार पर होना चाहिए। इस इस्तीफे को मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के उत्तर भारतीय वोट बैंक के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है।

अल नीनो के प्रभाव के बीच दक्षिण भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून की दस्तक

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो रहा नया मौसमी सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई के साथ ही मौसम चक्र में बदलाव का दौर शुरू हुआ है। बंगाल की खाड़ी में एक नया कम दबाव का क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) विकसित होने और उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन से दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में बारिश की गतिविधियां तेजी से बढ़ने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस नए मौसमी तंत्र के प्रभाव से तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में अच्छी वर्षा हो सकती है। हालांकि, त्यौहारी सीजन के दौरान देश भर में व्यापक और भारी बारिश की अफवाहों को खारिज कर आईएमडी ने साफ किया है कि अक्टूबर में औसत वर्षा सामान्य या उससे कम रहने का ही अनुमान है। उत्तर-पूर्वी मानसून, जो कि शीतकालीन मानसून भी कहा जाता है, मुख्य रूप से देश के दक्षिणी प्रायद्वीपीय क्षेत्रों को प्रभावित करता है।

अक्टूबर से दिसंबर के बीच होने वाली वर्षा दक्षिण भारत की कृषि, जलाशय भराव और जलापूर्ति के दृष्टिकोण से बेहद अहम मानी जाती है। दूसरी तरफ, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो वैश्विक मौसम प्रणाली को प्रभावित करता है और आमतौर पर भारत में मानसून की वर्षा को कमजोर करने के लिए जाना जाता है। हालांकि, इसका असर स्थानीय समुद्री और वायुमंडलीय परिस्थितियों पर निर्भर करता है। आईएमडी ने त्यौहारी सीजन में यात्रा करने वालों और सार्वजनिक आयोजनों के आयोजकों को सलाह दी है कि वे भ्रामक जानकारियों से बचें और अपने स्थानीय जिला स्तर के मौसम पूर्वानुमानों पर नजर रखें। दशहरे से लेकर दीपावली के बीच अलग-अलग राज्यों में मौसम का मिजाज भिन्न हो सकता है, जहां कुछ तटीय इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है, वहीं देश के अधिकांश अंदरूनी हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहने का अनुमान है।

मोदी पर टिप्पणी मामले में राहुल को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल पर लगाई रोक

-बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी, चार सप्ताह में मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने राहत प्रदान की है। शीर्ष अदालत ने मामले में निचली अदालत में चल रहे ट्रायल पर रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें मानहानि की शिकायत को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। अदालत ने संबंधित पक्षों से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

यह मामला राहुल गांधी की उन कथित टिप्पणियों से जुड़ा है, जिनमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए कथित तौर पर 'चोरों का सरदार' और 'कमांडर-इन-थीफ' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन टिप्पणियों से प्रधानमंत्री के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी और उसके सदस्यों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। मामले की शुरुआत बीजेपी कार्यकर्ता महेश श्रीश्रीमाल की शिकायत से हुई थी। उन्होंने मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। मजिस्ट्रेट ने शिकायत पर सुनवाई करते हुए राहुल गांधी को समन जारी किया था।

राहुल गांधी ने समन को चुनौती देते हुए दलील दी थी कि शिकायत सुनवाई योग्य नहीं है। उनका कहना था कि उन्होंने अपनी टिप्पणी में किसी निश्चित व्यक्ति या पहचान योग्य वर्ग का नाम नहीं लिया था। ऐसे में किसी स्पष्ट पीड़ित व्यक्ति या समूह के अभाव में शिकायतकर्ता को मुकदमा चलाने का अधिकार नहीं बनता।

हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप से किया था इनकार

बॉम्बे हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका खारिज करते हुए कहा था कि शिकायतकर्ता दो दशकों से बीजेपी का सक्रिय सदस्य होने का दावा करता है। विवादित टिप्पणी और शिकायत के तथ्यों को देखते हुए शुरुआती चरण में यह नहीं कहा जा सकता कि बयान केवल पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व तक सीमित था। टिप्पणी का वास्तविक आशय और पार्टी सदस्यों पर उसका प्रभाव ट्रायल के दौरान तय किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने मजिस्ट्रेट के आदेश में हस्तक्षेप करने का आधार नहीं पाया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में शशि थरूर से जुड़े एक मामले का भी उल्लेख किया था। उस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि पंजीकृत राजनीतिक पार्टी एक पहचान योग्य और निश्चित संस्था हो सकती है। राहुल गांधी ने हाईकोर्ट के आठ सितंबर के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। शीर्ष अदालत ने अब इस याचिका पर संबंधित पक्षों से जवाब तलब करते हुए ट्रायल पर रोक लगा दी है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई और पक्षकारों के जवाब पर निर्भर करेगी।

बीजेपी की महिला सांसदों ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात, कांग्रेस सांसद को बर्खास्त करने की मांग

कांग्रेस और गांधी परिवार का पूरा संरक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर लगे यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व प्रोफेसर और मणिपुर से सांसद अकोइजम को हाल ही में इन आरोपों के चलते विश्वविद्यालय से बर्खास्त किया गया था। राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान बीजेपी महिला सांसदों ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और उन्हें लोकसभा से बर्खास्त करने की मांग की। बीजेपी महिला मोर्चा की अध्यक्ष और सांसद रूप कुमारी चौधरी ने बताया कि आरोपी सांसद को कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार का पूरा संरक्षण हासिल है, इसकारण शिकायत करने वाली छात्राएं डरी हुई हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से पीड़ित छात्राओं को तत्काल सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करने की गुहार लगाई। रूप कुमारी चौधरी के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संवेदनशील मामले पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। इस प्रतिनिधिमंडल में सांसद डी. पुरंदेश्वरी और दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज सहित कई अन्य महिला जनप्रतिनिधि शामिल थीं। उल्लेखनीय है कि इस मुलाकात से एक दिन पहले बीजेपी महिला मोर्चा ने दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय और हिमाचल प्रदेश में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया था। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों में कांग्रेस से अकोइजम को निष्कासित करने की मांग की गई थी। दिल्ली पुलिस पहले ही मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच कर रही है।

राहुल और दीपके के प्रदर्शनों से परेशान भाजपा कर रही बड़ी तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर 6 अक्टूबर से ही प्रदर्शनों का माहौल है, जिनके केंद्र में चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर प्रक्रिया हैं। इन प्रदर्शनों की अगुवाई अभिजीत दीपके की कॉकरोच जनता पार्टी और कांग्रेस जैसे दल कर रहे हैं। इन सभी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ लगातार हलचल जारी है। खबरें हैं कि इन प्रदर्शनों से निपटने के लिए भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार बड़ी तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी प्रदर्शनकारियों से बात करने की कोशिश के लिए तैयार है, जिनमें छात्र और युवा भी शामिल हैं। हालांकि, इसे लेकर सरकार ने आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि भाजपा मौजूदा हालात से निपटने के लिए कई तरह की रणनीतियों पर काम कर रही है, हालांकि पार्टी ने औपचारिक रूप से अगले कदम को लेकर कोई घोषणा नहीं की है।

भाजपा ने दिल्ली के मौजूदा हालात से राजनीतिक रूप से निपटने की तैयारी की है। इस दौरान उसके निशाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी भी बताए जा रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर किसी भाजपा नेता ने सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। बताया जा रहा है कि भाजपा चुनाव आयोग से जुड़े मामलों की एक फैक्ट शीट प्रदर्शित करने की तैयारी कर रही है।

सूत्रों ने इस संबंध में कहा है कि देश का कानून स्पष्ट है और सभी पर समान रूप से लागू होता है। सरकार इसके प्रावधानों को ही लागू कर रही है कि सभी काम तय प्रक्रिया के तहत ही होने चाहिए। इनमें सड़कों पर प्रदर्शन और चुनाव आयुक्त को हटाए जाने का सवाल भी शामिल है, जिसे सिर्फ महाभियोग के जरिए ही किया जा सकता है। पार्टी के एक सूत्र ने यह भी बताया कि एक ओर जहां चुनाव आयोग ने एसआईआर के मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की है, वहीं सरकार ने नई दिल्ली के संवेदनशील इलाकों से प्रदर्शनकारियों को हटाने में संयम दिखाया है। इस दौरान आपराधिक या कानूनी कार्रवाई जैसे उपाय नहीं किए गए और लोगों के प्रदर्शन के अधिकारों और कानून व्यवस्था में संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया। सूत्र ने यह भी कहा कि अगर सरकार लोगों के विरोध के अधिकार के खिलाफ होती, तो रामलीला मैदान जैसी जगह प्रदर्शन के लिए नहीं देती, जहां सड़कों पर नाराजगी जाहिर कर रहे एक वर्ग के चलते जनता को परेशानी नहीं होती। इस बीच, बीते सप्ताह से विपक्षी गठबंधन दिल्ली में प्रदर्शन कर रहा है।

अब संभावनाएं जताई जा रही हैं कि मंगलवार को इस पर कुछ समय के लिए विराम लग सकता है। एक नेता ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट तक सफल मार्च और याचिका दाखिल करने के बाद मंगलवार को नए मार्च या प्रदर्शन की जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री ने बरेली में 'प्रदेश के 68,000 ग्राम प्रहरियों का सम्मान' कार्यक्रम में ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रदेश में पहले लगभग 68,000 ग्राम पंचायतें थीं। अनेक ग्राम पंचायतों को नगर निकायों में शामिल किया गया और ग्राम पंचायतों का विस्तार भी हुआ। वर्तमान में प्रदेश में 57,600 से अधिक ग्राम पंचायतें हैं। राजस्व गांवों की संख्या लगभग 1,05,000 है। इतनी ब ?ी ग्रामीण संरचना में ग्राम प्रहरियों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री जी ने शारदीय नवरात्रि की तृतीया तिथि पर माँ चन्द्रघण्टा के स्वरूप में जगत जननी माँ भगवती को नमन करते हुए, प्रदेश के सभी ग्राम प्रहरियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि घण्टे का नाद भयमुक्त वातावरण का प्रतीक है। हमारी वैदिक और पौराणिक परम्पराओं में भी ऐसी उद्घोषणा को मान्यता दी गई है, जो असुरों, अराजक तत्वों, दंगाइयों और आतंकियों के मन में भय उत्पन्न करे। आज प्रदेश के अलग-अलग जनपदों में भी ग्राम प्रहरी सम्मान समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश बदल चुका है, इसका प्रमाण प्रदेश के प्रत्येक जनपद की कानून-व्यवस्था में दिखाई देता है। वर्ष 2017 से पूर्व पर्व-त्योहारों और सार्वजनिक आयोजनों से पहले ही उपद्रव शुरू हो जाते थे, लेकिन आज लोग उस स्थिति को भूल चुके हैं। शारदीय नवरात्रि में प्रदेश के हजारों गांवों और क्षेत्रों में मां भगवती की प्रतिमाएं स्थापित कर श्रद्धालु अनुष्ठान में जुटे हैं। पहले सामान्यतः पंचमी से सप्तमी के बीच प्रतिमा स्थापना होती थी, लेकिन इस बार प्रतिपदा से ही प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू कर दी गई। देवी मन्दिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। माँ विन्ध्यवासिनी धाम में एक दिन पहले लगभग सवा दो लाख से ढाई लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। आज प्रातः 06 बजे तक डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। शक्तिपीठ देवीपाटन में भी डेढ़ लाख से अधिक लोगों ने दर्शन किए। माँ ललिता देवी मन्दिर, सीतापुर तथा माँ शाकुम्भरी पीठ, सहारनपुर सहित विभिन्न शक्तिपीठों और देवी मन्दिरों में श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ दर्शन कर रहे हैं। यह सब सुरक्षित वातावरण और सरकार द्वारा दी गई व्यवस्थाओं के कारण सम्भव हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोग आज बेझिझक और निडर होकर घरों से निकल रहे हैं। प्रदेश में सुरक्षा का ऐसा वातावरण बना है, जिसमें लोग धार्मिक आयोजनों, दुर्गा पूजा पण्डालों और मन्दिरों में निर्भय होकर शामिल हो रहे हैं। यही सुरक्षित उत्तर प्रदेश देश और दुनिया में प्रदेश की बदली हुई छवि का आधार बना है। वर्ष 2017 से पूर्व उत्तर प्रदेश के बारे में यह धारणा बन गई थी कि यहां सुधार सम्भव नहीं है। मुट्ठीभर लोगों के अपराधों का खामियाजा प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों को भुगतना पड़ता था। प्रदेश के युवाओं, बेटियों, व्यापारियों और सामान्य नागरिकों के सामने पहचान का संकट था। प्रदेश के बाहर जाने पर लोगों को अपनी पहचान छिपानी पड़ती थी। धर्मशालाओं और होटलों में कमरा मिलना तो दूर, बसों और ट्रेनों में भी सीट मिलने में कठिनाई होती थी। कहीं विवाद होने पर उत्तर प्रदेश का निवासी होने की जानकारी मिलते ही उसके साथ अलग व्यवहार किया जाता था। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद इस धारणा को बदलने की चुनौती सामने थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश के प्रति देश और दुनिया की सोच बदलने में सफलता प्राप्त की है। अब लोग उत्तर प्रदेश से दूरी बनाने के बजाय यहां आकर जुड़ना चाहते हैं और प्रदेश की तरह आगे बढ़ने की इच्छा व्यक्त करते हैं। इसका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग को मिला है। जब सुरक्षा का वातावरण बनता है, तब सड़कें बनती हैं, उनका चौड़ीकरण होता है, व्यापार बढ़ता है और निवेश आता है। निवेश के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। प्रदेश में धार्मिक आयोजनों, उत्सवों और खुशहाली का माहौल लोगों के इस विश्वास का परिणाम है कि उनकी सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि पुलिस को अच्छी ट्रेनिंग और सुविधाएं मिलने के साथ होमगार्ड, पी0आर0डी0 तथा ग्राम चौकीदारों और ग्राम प्रहरियों को भी बेहतर व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि अन्तिम पायदान पर बैठा व्यक्ति भी सजग और सचेत है, तो गांव में कोई अवांछित गतिविधि नहीं हो सकती है। ग्राम प्रहरी की भूमिका इसी सोच से शुरू होती है। सरकार ऐसी व्यवस्था बनाने का प्रयास कर रही है, जिसमें ग्राम प्रहरी गांव में रहकर सतर्कता के साथ सूचनाओं का संकलन करें। किसी आपात स्थिति में फोन के माध्यम से थाना प्रभारी अथवा सम्बन्धित क्षेत्र के दरोगा को सूचना दे। थाना प्रभारी या क्षेत्रीय उपनिरीक्षक सप्ताह में कम से कम एक दिन ग्राम प्रहरियों के साथ बैठक कर सूचनाएं प्राप्त करें। यदि यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू होती है तो ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृ ? बनाया जा सकता है। किसी बेटी, बहन, गरीब, कमजोर अथवा किसी भी नागरिक की सुरक्षा के साथ खिलवा ? करने का किसी को अवसर नहीं मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने गृह विभाग को निर्देशित किया कि प्रत्येक जिले में ग्राम प्रहरी के रिक्त पदों पर स्थानीय व्यवस्था के अन्तर्गत नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए और उनकी नियमित बैठकों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सप्ताह में एक बार बैठक होने से ग्राम प्रहरियों और पुलिस के बीच बेहतर संवाद स्थापित होगा तथा समस्याओं के समाधान का रास्ता निकलेगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत संवाद है। केवल आरोप-प्रत्यारोप करने के बजाय संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना आवश्यक है। ग्राम प्रहरी, थाना पुलिस और बीट पुलिसकर्मियों के बीच नियमित सम्पर्क से सूचना तंत्र मजबूत होगा और समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी। मुख्यमंत्री जी ने ग्राम प्रहरियों की भूमिका को गांव में सी0सी0टी0वी0 कैमरे के समान महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शहरों में सी0सी0टी0वी0 कैमरों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों पर निगरानी रखी जाती है। आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इण्टेलिजेन्स (ए0आई0) आधारित उपकरणों से सम्भावित खतरों की पहचान करने और पुलिस को अलर्ट करने में सहायता मिलती है। इसी प्रकार ग्राम प्रहरी गांव की परिस्थितियों, लोगों की गतिविधियों और स्थानीय घटनाक्रम से परिचित होने के कारण पुलिस के लिए आंख और कान की तरह कार्य करते हैं। कई ग्राम पंचायतों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे भी लगाए गए हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर ग्राम प्रहरी की सजगता का अपना अलग महत्व है। उनका कार्य किसी के विरुद्ध निर्णय देना नहीं, बल्कि निष्पक्षता से सही और विश्वसनीय सूचना पुलिस तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में प्रतिदिन लूटपाट, छिनैती और अन्य अपराधों की अनेक घटनाएं होती थीं। उस समय सत्ता में बैठे लोगों के संरक्षण में अपराध होने की स्थिति में पुलिस के सामने भी कार्रवाई की कठिनाई थी। आज अपराधी के मन में कानून का भय होना आवश्यक है। किसी ने बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने, लूट अथवा चेन स्नैचिंग का प्रयास किया तो उसके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस को समय पर प्राप्त सूचना अपराधी तक पहुंचने और उसे कानून के दायरे में लाने में मदद करती है। प्रदेश में अब ऐसी व्यवस्था बनाई गई है, जिसमें अपराध और अराजकता के लिए कोई स्थान नहीं है। ग्राम प्रहरी गांव में जमीनों पर अवैध कब्जे, संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों, भूमि विवादों तथा अन्य सम्भावित समस्याओं पर सजग दृष्टि रखें। स ?कों के निर्माण, चौ ?ीकरण और गांवों तक बेहतर सम्पर्क मार्ग पहुंचने से ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनों का मूल्य बड़ा है। ऐसे में कुछ भूमाफिया भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर सकते हैं। समय रहते उनकी गतिविधियों की सूचना पुलिस को मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। ग्राम प्रहरी अपनी सामान्य दिनचर्या में सतर्क रहकर गतिविधियों को समझें, विश्वसनीय सूचना संकलित करें और तत्काल सम्बन्धित थाने तक पहुंचाएं। इससे कानून-व्यवस्था का संकट उत्पन्न होने से पहले ही उसे नियंत्रित करने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ग्राम प्रहरियों को किसी संदिग्ध अथवा अपुष्ट सूचना को बिना जांचे-परखे आगे नहीं बढ़ाना चाहिए, बल्कि उसकी सत्यता की पुष्टि के लिए पुलिस को अवगत कराना चाहिए। स्थानीय स्तर पर साइबर धोखाधड़ी, ऑनलाइन ठगी और सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों जैसी चुनौतियों के प्रति भी ग्रामीणों को जागरूक करने में सहयोग किया जा सकता है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से सम्बन्धित सूचनाओं को संवेदनशीलता तथा गोपनीयता के साथ पुलिस तक पहुंचाना चाहिए। ग्राम प्रहरी की सही सूचना से सम्भावित अपराध को रोकने और गम्भीर विवाद को समय रहते सम्भालने में मदद मिलती है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बरसात के मौसम में फैलने वाली अफवाहों तथा वन्यजीवों से उत्पन्न होने वाले खतरों के प्रति भी ग्राम प्रहरियों को सजग रहना चाहिए। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और बहराइच जैसे जनपदों में वन्यजीवों की गतिविधियों के कारण ग्रामीणों को सतर्क रहना पड़ता है। बहराइच में पिछले कुछ वर्षों से बरसात के दौरान भेड़ियों द्वारा मासूम बच्चों को उठाने की घटनाएं सामने आती रही हैं। प्रदेश सरकार ने बड़े पैमाने पर भेड़ियों को रेस्क्यू कर पकड़ने और उन्हें चिड़ियाघर में रखने की कार्रवाई की है। बिजनौर में भी 40 से अधिक तेन्दुओं को रेस्क्यू किया गया है। ऐसी परिस्थितियों में ग्राम प्रहरी ग्रामीणों को जागरूक करें और सम्भावित खतरे की सूचना तत्काल प्रशासन तथा सम्बन्धित विभागों तक पहुंचाएं। उनकी एक समयबद्ध सूचना किसी बड़ी अनहोनी को टाल सकती है। ग्राम प्रहरी गांव की सुरक्षा के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के निर्माण में भी योगदान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री जी का विकसित और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब गांव सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनेंगे। ग्राम प्रहरियों का दायित्व गांव में सजग रहकर सूचनाएं एकत्र करना और पुलिस को समय से अवगत कराना है। इसके लिए उन्हें सम्मान, मानदेय और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्राम प्रहरी अपने कर्तव्य के प्रति जितने सजग होंगे, गांव उतना सुरक्षित होगा। सुरक्षित गांव आत्मनिर्भर होगा और आत्मनिर्भर गांव से जनपद तथा प्रदेश के विकास को गति मिलेगी। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था बेहतर होने से निवेश, व्यापार, रोजगार और विकास के अवसर बढ़े हैं। प्रदेश में कल्याणकारी योजनाओं का लाभ गांव, गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं तक पहुंच रहा है। यह वातावरण इसलिए बना है क्योंकि अब दंगे, उपद्रव और अराजकता की स्थिति नहीं है तथा माफिया व्यवस्था पर हावी नहीं हैं। प्रदेश तेजी से विकास की यात्रा आगे बढ़ाते हुए अपनी विरासत को भी सशक्त कर रहा है। सरकार विभिन्न श्रेणियों के कार्मिकों और मानदेय पर कार्य करने वाले लोगों के योगदान को सम्मान देने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है। बरेली में आयोजित ग्राम प्रहरी सम्मान समारोह भी इसी पहल का हिस्सा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के ग्राम प्रहरियों का सम्मान उनके परिश्रम और पुरुषार्थ से अर्जित सम्मान है।

जिला सहकारी बैंक में चोरी का प्रयास, गैस कटर से काटा लोहे का दरवाजा

वाराणसी। चोलापुर के मुर्दहा पुलिस चौकी क्षेत्र के आयर बाजार स्थित जिला सहकारी बैंक में बीती रात चोरों ने दुस्साहसिक तरीके से सेंधमारी कर चोरी का प्रयास किया। चोर बैंक के पिछले हिस्से में सीढ़ी लगाकर बाउंड्रीवाल फांदकर परिसर में दाखिल हुए। इसके बाद गलियारे में लगे लोहे के दरवाजे को गैस कटर से काट दिया। हालांकि, चोर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने में सफल नहीं हो सके। घटना की जानकारी सोमवार सुबह हुई। पास स्थित गायत्री पूजन सामग्री एवं पतंजलि स्टोर के संचालक दीपक सिंह दुकान की ओर गए तो उन्होंने बैंक की गली का दरवाजा खुला देखा। दरवाजे पर गैस कटर से काटे जाने के निशान थे। अनहोनी की आशंका पर उन्होंने तत्काल बैंक मैनेजर सुधीर रंजन और कैशियर मनीष नायक को सूचना दी। दोनों अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मुर्दहा चौकी प्रभारी संध्या जायसवाल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। पुलिस के अनुसार, रात में लगातार गश्त और सायरन सुनाई देने के कारण चोर चोरी की वारदात पूरी नहीं कर सके। चौकी प्रभारी ने घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी वरुण जोन राजेश कुमार पाण्डेय और एसीपी सारनाथ विनय कुमार द्विवेदी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद फॉरेंसिक टीम ने मौके से फिंगरप्रिंट समेत अन्य साक्ष्य जुटाए। पुलिस अब चोरों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। जांच के दौरान बैंक परिसर के अंदर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होने की बात सामने आई। इससे बैंक की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस अब आसपास की दुकानों और मुख्य मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने घटना के संबंध में बैंक कर्मचारियों और आसपास के दुकानदारों से भी जानकारी जुटाई है।

शराब ठेके पर युवक की पीट-पीटकर हत्या, चचेरे भाई को भी आई चोटें

आजमगढ़। बलरामपुर क्षेत्र में बीती रात शराब के ठेके पर हुई कहासुनी के बाद कुछ लोगों ने एक युवक को लाठी-डंडों से पीटकर अधमरा कर दिया। गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान राजन चौबे (35) निवासी बिजरवा, पोस्ट बनकट, थाना मुबारकपुर के रूप में हुई है। राजन चौबे शनिवार रात करीब 10 बजे बलरामपुर स्थित शराब के ठेके पर मौजूद था। इसी दौरान किसी बात को लेकर वहां मौजूद कुछ लोगों से उसकी कहासुनी हो गई। आरोप है कि कहासुनी के बाद अज्ञात लोगों ने राजन को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीट दिया। मारपीट में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के समय राजन के साथ उसके चाचा का बेटा शुभम चौबे भी मौजूद था। मारपीट में शुभम को भी हल्की चोटें आई हैं। गंभीर रूप से घायल राजन को परिजन और आसपास के लोग जिला अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बलरामपुर चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे। वहीं सूचना पर बनकट चौकी इंचार्ज सौरभ सिंह भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी मिलने पर कोतवाली प्रभारी और एसपी सिटी शुभम तोदी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना में शामिल आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। राजन चौबे दो भाइयों में बड़ा था। उसके परिवार में 13 वर्ष का पुत्र और 11 वर्ष की पुत्री हैं। कोतवाली प्रभारी यादवेंद्र पांडेय ने बताया कि युवक के शरीर पर चोट के कोई निशान मौजूद नहीं है। वह सुबह से ही शराब पी रहा था। लगभग 1700 रुपये की वह शराब पी चुका था। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है। जो तथ्य प्रकाश में आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

लापता बेटी की मां ने दी जान, परिजनों ने थाने पर शव रखकर किया प्रदर्शन

गाजियाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र से एक 14 वर्षीय किशोरी के एक सप्ताह से लापता होने के बाद उसकी मां ने शुक्रवार रात को जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जान दे दी। इस घटना से नाराज परिजनों ने शव को टीला मोड़ थाने के सामने रखकर सड़क जाम कर दी। परिजनों ने पुलिस पर किशोरी को तलाशने में गंभीरता न दिखाने का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार, किशोरी 27 सितंबर को घर से लापता हुई थी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने किशोरी की गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की थी। हालांकि, परिजन पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं थे। पुलिस के अनुसार, महिला ने सामाजिक अपमान और बेटी के लापता होने से परेशान होकर यह कदम उठाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

खूनी लाल कार का कातिल ड्राइवर कैमरे में कैद, गलती नहीं जानबूझकर ली बेजुबान की जान

फरीदाबाद। गाजियाबाद के जिले के मुरादनगर थाना क्षेत्र के डिडौली गांव से एक अत्यंत ही मर्मस्पर्शी और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां शनिवार शाम एक तेज रफ्तार कार चालक ने कथित तौर पर लापरवाही और संवेदनहीनता की हदें पार करते हुए सड़क पर बैठे एक बेजुबान कुत्ते के ऊपर कार चढ़ा दी। इस दर्दनाक हादसे में मूक पशु की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई। यह पूरी घटना वहां पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसने देखने वालों के दिलों को झकझोर कर रख दिया है। घटना के बाद से स्थानीय निवासियों और पशु प्रेमियों में गहरा रोष व्याप्त है। डिडौली निवासी निर्दोष त्यागी ने इस अमानवीय कृत्य के खिलाफ आवाज उठाते हुए पुलिस को आधिकारिक तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम करीब साढ़े छह बजे गांव के मुख्य मार्ग पर यह घटना घटी। आरोपी चालक अपनी तेज रफ्तार गाड़ी को रोकने के बजाय बेजुबान पर बेदर्दी से दौड़ा ले गया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया।6 मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। एसीपी ने मीडिया को जानकारी दी कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अन्य साक्ष्यों को इकट्ठा किया जा रहा है, ताकि आरोपी चालक की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके।

NAME CHANGE
I ANSAR FATMA W/O NASEEM AHMED R/O B-67 B-BLOCK NEW SEELAMPUR DELHI 110053. have changed my name to ANSAR FATIMA for all purposes.

NAME CHANGE
I, MANISH KUMAR S/o Om Prakash R/o RZ-3B/20, Street No.24, Indra Park, Palam Colony, Delhi-110045 have changed my name to MANISH KUMAR GUPTA permanently.

NAME CHANGE
I, PRACHI D/o Pawan Kumar R/o H.No.9234, Garden Villa, Sector-43, Galleria, DLF Phase-4, Gurgaon, Haryana-122009, have changed my name to PRACHI AHLAWAT permanently

NAME CHANGE
I, Vinod Gupta S/O: Ramotaar Singh, R/O Mudi Bakapur, PO: Mundi Bakapur, DIST: Bulandshahr, Uttar Pradesh - 245407, have changed the name of my minor son Sudhagar aged 14 years and he shall hereafter be known as SUDHAKAR.

NAME CHANGE
I, Devendra Singh S/O: Ghanashyam Singh, R/O pali partapur, Pali partapur, Bulandshahr, Uttar Pradesh - 245405, have changed the name of my minor son Rahul aged 16 years and he shall hereafter be known as Roshan Lal.

NAME CHANGE
I MEENA PURWAL W/O SURAJ PARKASH R/O C-6/18 3rd FLOOR RANA PRATAP BAGH NORTH DELHI-110007 HAVE CHANGED MY NAME TO MEENA

NAME CHANGE
I, HARMEET SINGH S/O HARINDER SINGH R/O IF- 53-N.I.T FARIDABAD HARYANA 121001, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME FROM ANGADVEER SINGH TO ANGADVEERH SINGH.

NAME CHANGE
It is for the general information that Anju Singhal W/o Manjeet D/o Dilbagh Singhal R/o 423, Deoli Apartments, Deoli Village, New Delhi-110062 declare that name of my father has been wrongly written as Dilbagh Singh in my Aadhaar Card No. 8685 9230 2193 and in my OBC certificate. The actual name of my father is Dilbagh Singhal respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SONI W/O UMESH KUMAR R/O Village- Himayupur, Post Office- Mahamoodpur, Hapur, Uttar Pradesh-245101 have changed my name and shall hereafter be known as KM. SAROJ CHAUDHARI.

NAME CHANGE
I, Swaleha R/o 104 HAUZ RANI, MALVIYA NAGAR, South Delhi-110017 have changed my name to Swaleha Khatoon.

NAME CHANGE
I hitherto known as RAJNI GOEL alias RAJNI D/o NARESH GUPTA W/o RAJESH KUMAR GUPTA R/o B-23, Ekta Enclave, Near Peera Garhi, Metro Station, Paschim Vihar, Sunder Vihar, West Delhi, Delhi 110087 have changed my name and shall hereafter be known as RAJNI GOEL .

NAME CHANGE
I ANITA RATHORE W/0 JAWAHARLAL R/0 2636 RAM GALI TELIWARA SADAR BAZAR DELHI 110006 CHANGED MY NAME TO KAMLA

NAME CHANGE
I, Jitendara S/o shivnath, R/O Bhanaira, PO: Nagla Akhu, DIST: Ghaziabad, Uttar Uttar Pradesh - 201204, have changed the name of my minor son Daksh aged 17 years and he shall hereafter be known as ABHAY.

NAME CHANGE
I RABIYA BEGUM W/0 SALAHUDDIN R/0 226 BASTI HAZRAT NIZAMUDDIN DELHI 110013 CHANGED MY NAME TO RABIYA

NAME CHANGE
I Jyoti goyal w/o Sandeep Goyal house no. D1,dharam colony,Palam vihar extension, Gurugram 122017 Haryana.i have changed my name to Jyoti Bansal

NAME CHANGE
I, DHEERAJ S/O SURESH KUMAR R/O KHASRA NO.38/16/1, 1ST FLOOR, KAUSHIK ENCLAVE, STREET NO.10-A, BLOCK-A, BURARI, DELHI-110084 HAVE CHANGED MY NAME TO DHEERAJ KUMAR

NAME CHANGE
I, LUXMAN DASS S/O TEK CHAND R/O HOUSE NO-5110, TOPCHIWARA WARD NO-16,REWARI,HARYANA-123401, HAVE CHANGED MY NAME TO LUXMAN DASS MEHTA FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Parwati Devi W/o Mr. Murari Lal Goyal is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot No. 30-31, area measuring 82.5 Sq. Yards, out of Mu. No. 61, Kila No. 22, Situated at Waka Mauja Saran, Tehsil Badkhal, District Faridabad Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 24.09.2018, duly registered as Document No. 5217, in Book No. 1, Vol. no. 3/69, on pages 147/94-96, on 24.09.2018, with the Sub-Registrar Office of Badkhal. In the chain of documents, (1) Original Transfer Deed dated 14.05.2015 executed by Mr. Amit Kumar S/o Mr. Naresh Chand Aggarwal in favour of Mr. Satish Chand S/o Mr. Naresh Chand Aggarwal duly registered as Document No. 2870, in Book No. 1, Vol. no. 0/3, on pages 31/58-60, on 14.05.2015, with the Sub-Registrar Office of Faridabad. is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and same property sold to be Mr. Sarafraj Saifi and the said property to be financed / mortgaged with Tata Capital Housing Finance Ltd., Branch: Faridabad, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I FAIZAN S/O IRSHAAD R/O K-400, K-BLOCK NEW SEELAMPUR DELHI 110053. have changed my name to MOHD FAIZAN for all purposes.

NAME CHANGE
I, VIRENDER KUMAR KALIA S/O ONKAR NATH R/O HOUSE NO-G-48A, 3RD FLOOR, PALAM VIHAR, ANSAL PLAZA, CHOMA (62), GURGAON, HARYANA-122017 have changed my name to VIRENDRA KUMAR KALIA for all purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Sh. Varun Singla S/o Sh. Ashok Singla is the owner and in possession of a Freehold Plot no. 2 North and Plot no. 3 South Part Hadbast no. 93, Khewat/ Khatoni no. 123/135, Khasra no. 102//26/1 (1-11), having its 3/62 Share measuring 1 ½ Marlas and khata no. 640/681, Khasra no. 102//20/1 (3-0), 20/2 (5-0), Kitte 2 measuring 8 Kanal having its 6/160 Share measuring 6 Marlas, Khata no. 643/684, Khasra no. 102//21/2 (4-17) having its 4/97 Share measuring 4 Marlas and Khata no. 646/688, Khasra no. 102//21/1 (0-12) having its 1/24 Share measuring ½ Marlas Total land measuring 12 Marlas (350 Sq. yd.). Situated in village Saha Sub Teshil Saha Distt. Ambala Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale deed no. 1587 dated 15/12/2015., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale deed no. 1398 dated 10/11/2015 executed and registered by Sh. Satish Kumar S/o Sh. Amar Nath in favor of Sh. Joginder Singh S/o Sh. Jairam., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property. and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Bahadugarh Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Himanshu Goyal S/o Mr. Ashok Kumar- 50% Share Holder 2. Mr. Ankit Tanwar S/o Mr. Fateh Singh- 25% Share Holder 3. Mr. Nitin Tanwar S/o Mr. Rambir Tanwar- 25% Share Holder are the owner and in possession of a Freehold Commercial Shop No.1 on Lower Ground Floor South Side each and Shop No.3 on Ground Floor South Side each and Entire First Floor and Entire Second Floor with Half Undivided Share in Terrace/ Roof rights, total area measuring 300 Sq. Yds. of Property Bearing No.7-A Comprised in Khasra No.31, 32 & 22. Situated in the revenue estate of Village Shahurpur, Tehsil Saket, M.B. Road, New Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Regd. GPA dated 15.09.2025 Vide Doc no.2025/7/IV/2291, Book No.4, Volume No.1322, on Page Nos.83-98, Registered on 15.09.2025, in S.R-South Hauz Khas. Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and Entire First Floor without roof rights sold to be Mr. Arif and the said property to be financed/ mortgaged with SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Laxmi Nagar, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I Kuldeep Singh S/o Rajendra Singh R/o Nh-24, Mehrauli, Ghaziabad, Kavi Nagar, Uttar Pradesh-201002 have changed the name of my minor daughter Pihu Singh aged 3 years and she shall hereafter be known as Manam Singh.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAJBALA W/O RAM AVTAR R/O 9941, Gali No. 2, Navalpur City Station Khurja, PO: Khurja, District Bulandshahr, Uttar Pradesh-203131, have changed my name and shall hereafter be known as VEERVATI.

NAME CHANGE
I, Sunita T Trakroo D/O Rajmal Singh W/O Ajay Trakroo R/O 1105- Tower-A, Galaxy North avenue, Plot GC-03/Gh-1 gaur city, Noida Gautham Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301 have changed my name from Sunita to Sunita T Trakroo for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Anju devi W/O Devinder singh,R/O Pali partapur ,Pali partapur ,Bulandshahr, Uttar pradesh -245405, have changed the name of my minor son Rahul aged 16 years and he shall hereafter be known as Roshan Lal

खोया-पाया
मैं, विशाल पुत्र, स्व श्री श्याम सुंदर, निवासी S-553-554, स्कूल ब्लॉक, शकूरपुर, दिल्ली-110092, ने संपत्ति संख्या S-553-554, प्रथम तल, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली-110092 के मूल स्वामित्व संबंधी दस्तावेज़ खो दिए हैं अथवा गुम हो गए हैं। इस संबंध में दिल्ली पुलिस में शिकायत संख्या LR No. 702108/2026, स्ह ह्श. 430/2014, दिनांक 07.10.2026 को दर्ज कराई गई है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज़ मिलें, तो कृपया नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करें।

विशाल

NAME CHANGE
I Bimla Devi Singh W/o Late Jaipal Singh R/o J-1/148, Block-J-1, DDA Flats, Kalkaji, Delhi-110019 have changed my name to Bimla Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
I KIKIM HENJOU BAKARE W/O-LATE MORUFU ADEYINKA R/O-138F/1 FIRST FLOOR ROOM NO-5 MUNIRKA VILLAGE DELHI-110067 HAVE CHANGED MY NAME TO KIKIM HENJOU

NAME CHANGE
I, MAMTA W/o Bhim Singh Bhandari R/o 81-88, Flat Pvt No.1, 3rd Floor, South Ganesh Nagar, Patparganj, Delhi-110092 have changed my name to MAMTA BHANDARI permanently.

NAME CHANGE
I, ISLAM AHMED S/O MOHD SULEMAN,residing at H NO-2131 GALI NO-22 RAJEEV GANDHI NAGAR NEW MUSTAFABAD DELHI-110094, have changed my name to MOHD ISLAM

NAME CHANGE
I VEDPAL SINGH S/O RAM DHEER SINGH R/O A 208 DEFENCE COLONY BHOPURA SHAHIBABAD DIST GHAZIABAD UTTER PRADESH 201005 HAVE CHANGED MY NAME TO VED PAL SINGH TOMER.

NAME CHANGE
I MOHIT S/O RAMAN KUMAR HOUSE NO.A/248,GALI NO-1/5,KOUSHAL PURI,CHOUHAN, KARAWAL NAGAR,DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHIT SINGH

NAME CHANGE
I hitherto known as GUDDI W/O RATIRAM R/o J-57, JALVAYU VIHAR, SECTOR-25. NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH - 201301, have changed my name and shall hereafter be known as LONGSHREE .

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री वैभव गेरा और श्री रवि कुमार, दोनों ही प्रताप नगर (तहसील और जिला गुरुग्राम, हरियाणा) नाम की रिहायशी कॉलोनी में स्थित मकान नंबर 442/7 (क्षेत्रफल 120 वर्ग गज) की तीसरी मंजिल और छत के मालिक है। शुरुआत में, श्री पूरनचंद ने श्री होटोराम के पक्ष में 05.01.1968 को सेल डीड (बिक्री विलेख) निष्पादित की थी (दस्तावेज़ संख्या 2266 स्क्र-गुड़गांव; इसमें क्षेत्रफल का उल्लेख नहीं था)। श्री होटोराम के निधन के बाद उनके कानूनी वारिस थे- (1) श्रीमती शकुंतला चावला, (2) श्रीमती राधा रानी, (3) श्रीमती ज्ञान देवी, (4) श्रीमती उषा रानी (सभी बेटियां), (5) श्री तारा चंद नागपाल, (6) श्री चरणजीत नागपाल, (7) श्री राकेश नागपाल (सभी बेटे) और श्री बाल किशन नागपाल (दिवंगत बेटे)। श्री बाल किशन नागपाल के निधन के बाद उनके कानूनी वारिस थे- (1) श्री हरीश नागपाल, (2) श्री चंचल नागपाल (दोनों बेटे), (3) श्रीमती दीप्ति मक्कर, (4) श्रीमती पायल मल्होत्रा (दोनों बेटियां)। इसके बाद, (1) श्रीमती शकुंतला चावला, (2) श्रीमती राधा रानी, (3) श्रीमती ज्ञान देवी, (4) श्रीमती उषा रानी, (5) श्री तारा चंद नागपाल, (6) श्री चरणजीत नागपाल, (7) श्री राकेश नागपाल, (8) श्री हरीश नागपाल, (9) श्री चंचल नागपाल, (10) श्रीमती दीप्ति मक्कर, (11) श्रीमती पायल मल्होत्रा ने श्रीमती... के पक्ष में 07.03.2025 को रिलिनक्विशमेंट डीड (अधिकार त्याग विलेख) निष्पादित की। शांति देवी (डॉक्यूमेंट नंबर 14526) के मामले में श्रीमती शांति देवी द्वारा श्री वैभव गेरा और श्री रवि कुमार मनोचा के पक्ष में निष्पादित सेल डीड (डॉक्यूमेंट नंबर 1640, SRO-गुड़गांव)। वे अपनी वास्तविक ज़रूरतों के लिए उक्त अचल संपत्ति को ढ्ढष्ठस्नष्ट फर्स्ट बैंक लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहते हैं। यदि किसी को उक्त संपत्ति को गिरवी रखने पर कोई आपत्ति है, या किसी का उस संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार या हित है, तो वे 07 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करें; ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि इस संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 13/10/2026

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NAME CHANGE
I, LILAWATI DEVI mother of JC-813285X, Rank-NB SUB, Name-RAJNISH KUMAR residing at VILL-MANKUDHA, PO-KHANPURA, DIST-PATNA, BIHAR-801110 have changed my name from LILAWATI DEVI to LILA VATI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 10/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHRIKANT SHARMA father of JC-813285X, Rank-NB SUB, Name-RAJNISH KUMAR residing at VILL-MANKUDHA, PO-KHANPURA, DIST-PATNA, BIHAR-801110 have changed my name from SHRIKANT SHARMA to SRIKANT SHARMA for all future purposes vide Affidavit Dated 10/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I LAILA M legally mother of Army No - 2811757W, Rank - Sep, Name - SAJEER KS, Presently Residing, At, Post - Vallikkode, Teh - Palakkad, Dist - Palakkad, State - Kerala, Pin - 678594 have changed my name from LAILA M to LAILA SULAIMAN for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 15/03/1969 instead of her correct date of birth as 03/03/1968 vide Affidavit dated 01/10/2026 before Notary Public, Kerala.

NAME CHANGE
I. Ekom Singh Sandhu S/O MANDEEP SINGH R/O D-119 4TH FLOOR SECTOR-8 DWARKA DELHI-110077 have changed my name to EKOM SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MADHURA GURAV spouse of GURAV VAIBHAV VIKRAM residing at- VILL-TUNG, PO-TUNG, TEHSIL-MIRAJ, DIST-SANGLI, MAHARASHTRA-416301, have changed my name from MADHURA GURAV to MADHURA VAIBHAV GURAV vide Affidavit dated 13/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I BEENA W/O LATE RAJAN, R/O A2/488, JJ COLONY MADANPUR KHADAR, SARITA VIHAR, NEW DELHI 110076,HAVE CHANGED MY NAME BEENA TO MEENA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I SHER MOHD S/0 TAJ MOHD R/0 61-C KALU SARAI MALVIYA NAGAR DELHI 110017 CHANGED MY NAME TO SHER MOHAMMAD

NAME CHANGE
I, HARMEET SINGH S/O HARINDER SINGH R/O IF- 53-N.I.T FARIDABAD HARYANA 121001, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME FROM ARSHKABIR SINGH TO ARSHKABEER SINGH.

कार्यालय लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पण्डरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.) Email: Lspsskpm@gmail.com

// ई-निविदा सूचना //

Contact No. 07987900070, 09907575796

ई-निविदा सूचना क्रमांक— 201483, 201484, 201487, 201489, 201494, 201495, 201496, 201498, 201669, 201670, 201671

दिनांक— 13.10.2026

2500 टी.सी.डी. शक्कर कारखाना पण्डरिया में ई-निविदा सूचना क्रमांक-201483 कुशल तकनीकी कर्मचारी (मेन पावर), क्रमांक-201484 डीजल./इलेक्ट्र./इन्स. (मेन्यूफैक्चर/रिपेयरिंग डीलर) सामग्री क्रय, क्रमांक-201487 डीज़ल./इलेक्ट्र./इन्स. (नॉन एथराइज्ड डीलर) सामग्री क्रय, क्रमांक-201489 ए.एम.सी. एवं रिपेयरिंग/मेंटेनेंस कार्य, क्रमांक-201669 इन्धन, सतत् सुलभ कार्य, क्रमांक-201670 डी.सी.टी. किराया, क्रमांक-201671 वाष्प फॉगिंग, स्प्रे एवं प्रेसर शिपिंग कार्य, (मेन्यूफैक्चर/एथराइज्ड डीलर), क्रमांक-201494 लेब इक्यूपमेंट/कम्प्यूटर सामग्री क्रय, क्रमांक-201495 पी.वी. की सामग्री क्रय, क्रमांक-201496 कम्प्यूटर सामग्री क्रय (मेन्यूफैक्चर/एथराइज्ड डीलर), क्रमांक-201497 मोलासेस टैंक निर्माण कार्य एवं क्रमांक-201498 मोलासेस विक्रय हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा हेतु इच्छुक फर्मों/निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-टेंडर में जाकर ई-निविदा हेतु फॉर्म राशि 1311/- रु. (1000/- रु. + 311/- रु. जिस के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाइन के माध्यम से जमा करना होगा। निविदाकार द्वारा भाग लेने हेतु ऑनलाइन वेबसाइट (E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in) में फॉर्म Upload किया जाना है।

निविदा की शर्तें व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साइट WWW.Lspssk.in में भी अवलोकन कर सकते हैं।

महाप्रबंधक (प्रशा.)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

जिला की अनाज मंडियों में कल देर सांय तक 26 हजार 224 मीट्रिक धान की हुई आवक

एजेंसी

जींद। डीसी डॉ. वैशाली शर्मा ने मंगलवार को बताया कि अलेवा की अनाज मण्डी में अब तक 1890 मीट्रिक टन, धमतान की अनाज मण्डी में 1083 मीट्रिक टन, गढ़ी में 1334 मीट्रिक टन, जींद में 465 मीट्रिक टन, खरल में 337 मिट्रिक टन, खरल में 133 मिट्रिक टन, मंगलपुर में 366 मीट्रिक टन, नगूरा में 398 मीट्रिक टन, नरवाना में 10075 मीट्रिक टन, पिल्लूखेड़ा में 570 मीट्रिक टन, सफीदों में 1235 मीट्रिक टन, उचाना में 290 मीट्रिक टन तथा ऑल्ड मार्किट उचाना में 7940 मिट्रिक टन धान की आवक व खरीद की जा चुकी है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 20052 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 3488 मीट्रिक टन तथा हरियाणा वेयर हाउस कारपोरेशन द्वारा 2684 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए गए है कि वे खरीदे गए धान का उठान कार्य भी साथ- साथ करवाते रहे ताकि किसानों को मंडियों में फसल उतारने के कार्य में कोई परेशानी ना हो।डीसी डॉ. वैशाली शर्मा ने बताया कि फिलहाल अनाज मण्डियों में ग्रेड-ए धान की आवक हुई। उन्होंने बताया कि ज्यों ही धीरे- धीरे फसल कटाई का कार्य जोर पकड़ेगा, मण्डियों में फसलों की आवक में तेजी से वृद्धि होगी ।

कोई भी वाहन चलाते समय यातायात के नियमों का पालन करें: महेश कुमार

भिवानी। सेवा संकल्प अभियान के तहत चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू) में सडक़ सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम एवं आरटीए सचिव महेश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान एसडीएम महेश कुमार ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को हेलमेट वितरित कर यातायात नियमों की पालना करने का आह्वान किया। आरटीए सचिव महेश कुमार ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना केवल स्वयं की जान को ही सुरक्षित नही रखता, बल्कि दूसरों की भी जान बचती है। प्रत्येक व्यक्ति को सडक़ पर चलते समय अपनी सुरक्षा के साथ अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए। आरटीए सचिव महेश कुमार ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे दोपहिया, तिपहिया या चारपहिया वाहन चलाते समय सभी यातायात नियमों का गंभीरता से पालन करें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और कार या जीप चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें।

सांसद चौ धर्मबीर सिंह ने ली प्रशासनिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक

हिसार। लोकसभा सांसद चौ धर्मबीर सिंह ने लघु सचिवालय के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में क्षेत्र में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं एवं लंबित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए सांसद ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों में तेजी लाई जाए और लंबित परियोजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा कराया जाए।सांसद ने वर्ष 2014 से लेकर अब तक क्षेत्र में स्वीकृत, जारी एवं लंबित पड़े सभी सार्वजनिक विकास कार्यों की विभागवार विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने अधिकारियों को एक निश्चित प्रारूप में निम्नलिखित बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में स्वीकृत योजनाओं का ब्योरा और अब तक खर्च की गई कुल राशि, कार्यों के लिए उपलब्ध बजट तथा अतिरिक्त वित्तीय आवश्यकता की स्थिति, कौन-कौन से कार्य पूर्ण हो चुके हैं और कौन से लंबित हैं, यदि कार्य अधूरा या लंबित है।

आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहे समाधान शिविर : सीटीएम अंकित कुमार

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे 'समाधान शिविर' आमजन के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। इसी कड़ी में आज सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय के सभागार कक्ष में समाधान शिविर का सफल आयोजन किया गया। उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर की अध्यक्षता सीटीएम अंकित कुमार ने की। सीटीएम अंकित कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। समाधान शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतें सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है तथा संबंधित विभागों को शिकायतों के शीघ्र निपटान के लिए निर्देशित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनहित में यह पहल निरंतर जारी रहेगी। सीटीएम अंकित कुमार ने बताया कि समाधान शिविर में नागरिकों की ओर से सबसे अधिक समस्याएं परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) में आय संबंधी त्रुटियों को ठीक करवाने तथा परिवार में नए सदस्य जोड़ने से संबंधित प्राप्त हुईं।

हरियाणा सरकार का बड़ा ऐलान, किसानों और कर्मचारियों को दिया ये तोहफा

उद्योगों को निर्बाध रूप से बिजली सप्लाई सुलभ करवाना करें सुनिश्चित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बिजली निगमों की बैठक की समीक्षा करते हुए कहा कि नागरिकों को निर्बाध रूप से बिजली सप्लाई सुलभ करवाना सरकार का दायित्व है। इसके लिए अधिकारी बिजली कार्यों को प्राथमिकता देते हुए उपभोक्ताओं को 24 घण्टे बिजली सुलभ करवाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री चण्डीगढ में सभी बिजली निगमों के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम मिलेनियम सिटी है, इसमें ग्रुप हाउसिंग सोसायटी के आरडब्लूए उपभोक्ताओं को मंहगे रेट पर बिजली सप्लाई करने की शिकायत मिल रही है।

निगम के वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ बैठक आयोजित कर नॉर्म तय करें और उपभोक्ताओं के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने गुरुग्राम के सेक्टर 57 के 220 केवी सब स्टेशन में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने, सेक्टर 38 के पावर हाउस की चारदिवारी

बनाने, घरौंडा व नांगल चौधरी सब स्टेशन में कंट्रोल रूम बनाने, मलिकपुर, मानेसर सब स्टेशन की चारदिवारी बनाने के कार्य जल्द पूरे करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि फरीदाबाद औद्योगिक नगरी है, इसलिए उद्योगों में भी निर्बाध रूप से बिजली सप्लाई सुलभ करवाना सुनिश्चित करें जिससे उद्योगों का कार्य सुचारू ढंग से चलता रहे। उन्होंने कहा कि बिजली के गलत बिल आने की समस्याओं का निवारण करने के लिए कोई बेहतर पोलिसी तैयार की जाए ताकि उनका उचित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उपभोक्ताओं की शिकायतों की हेल्पलाईन नम्बर के माध्यम से सुनवाई की जाए तथा उस पर आने वाली समस्याओं का त्वरित निदान किया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने बिजली कर्मचारियों की समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए उन्हें 500 रुपए मासिक जोखिम भत्ता देने की घोषणा की। उन्होंने युवाओं की जॉब सिक्योरिटी के लिए सभी एचओडी को आवश्यक औपचारिकताएं एक सप्ताह में पूरी करने के निर्देश दिए।

हरियाणा में दीपावली पर कई परिवारों को तोहफा, मात्र 5 हजार में लगेंगे सोलर पैनल

सीएम नायब सैनी ने दी मंजूरी

एजेंसी

हिसार। दीपावली पर्व पर अंत्योदय परिवार को खुशखबरी मिल सकती है। मात्र पांच हजार रुपये में घर की छत पर सोलर पैनल लगवा सकते हैं। बाकी खर्चा केंद्र व हरियाणा सरकार मिलकर उठाएंगे। खास बात यह है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। वित्त विभाग ने भी मुहर लगाकर फाइल को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय को भेज दी है। आने वाले 20 दिन के अंदर अंत्योदय परिवार को खुशखबरी मिल सकती है। दूसरी खास बात है कि सोलर पैनल बिजली निगम की संबंधित शाखा लगाकर देगी, जिसमें वे खुद वेंडर्स से संपर्क कर अंत्योदय परिवार को योजना का लाभ दिलवाएंगे। अंत्योदय परिवार को सिर्फ अपने दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करवाने होंगे। जिसके बाद संबंधित शाखा के अधिकारी उस आवेदन की मानिटरिंग कर कार्य को

गति देंगे। ताकि पोर्टल पर आवेदन का पता रहे कि आवेदन किस चरण में पहुंचा है और कितने दिन में योजना का लाभ मिलेगा।

नॉन रिफंडेबल होंगे पांच हजार रुपये

उपरोक्त योजना के तहत जैसे ही अंत्योदय परिवार दस्तावेज प्रक्रिया पूरी कर लेता है। तो एसडीओ व एक्सईएन की जिम्मेदारी रहेगी कि वे अंत्योदय परिवार को पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल का लाभ पहुंचाए।

इससे पहले अंत्योदय परिवार को मात्र पांच हजार रुपये का टोकन लेना होगा, जिसे दिखाकर बिजली निगम की विशेष टीम घर की छत पर सोलर पैनल लगाएगी। अंत्योदय परिवार को वेंडर्स से संपर्क करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के हिसार जिले में 8150 उपभोक्ता संबंधित योजना का लाभ उठा चुके हैं। जबकि साढ़े तेरह हजार से अधिक आवेदन पहुंचे हैं। साढ़े पांच हजार से अधिक आवेदन लटके हैं। 13,200 उपभोक्ताओं ने वेंडरों को सेलेक्ट कर लिया है।हिसार प्रथम डिविजन में करीब 4400 व हिसार द्वितीय डिविजन में करीब 3100 उपभोक्ताओं ने उपरोक्त योजना का लाभ उठाया है।भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है जिसे 15 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था। देश के एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल (रूफटाप सोलर) लगाकर उन्हें हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करना है। लाभार्थी को एक किलोवाट क्षमता वाले सोलर पैनल पर 30 हजार रुपये, दो किलोवाट क्षमता पर 60 हजार रुपये व तीन किलोवाट या उससे अधिक क्षमता वाले सोलर पैनल पर 78 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाती है।

हरियाणा में वैश्विक स्तर के औद्योगिक ईकाइयों को लाने में जुटे : राव नरबीर सिंह

जापान से करीब 3900 करोड़, सिंगापुर से 5500 करोड़ के निवेश की पहल

एजेंसी

चंडीगढ़। कृषि प्रधान हरियाणा वैसे तो गुरुग्राम जैसे साइबर हब के रूप में अपनी एक अलग पहचान रखता है, लेकिन आने वाले दिनों में हरियाणा का हर जिला अलग अलग देशों की नामचीन कंपनियों से सजता नजर आएगा। दरअसल, इन दिनों हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने फोक्स बना लिया है कि हरियाणा का कोई एक जिला नहीं, बल्कि सभी जिलों में उद्योगों को बढ़ावा देना है। उद्योग मंत्री की जिम्मेदारी संभालने के बाद राव नरबीर सिंह का फोकस स्पष्ट तौर पर निवेश को रोजगार से जोड़ने पर है। उनका प्रयास है कि हरियाणा में नए उद्योग आएं, मौजूदा औद्योगिक क्षेत्रों का विस्तार हो और प्रदेश के युवाओं को उनके घर के नजदीक ही रोजगार के अधिक अवसर मिलें। इसी सोच के साथ वे मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा को निवेश के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए लगातार सक्रिय हैं।राव नरबीर सिंह हरियाणा में 10 नई इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (ढ्ढरूञ्ज) विकसित करने की सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इसके पीछे उद्देश्य केवल औद्योगिक क्षेत्र बढ़ाना नहीं, बल्कि उद्योगों के साथ रोजगार के नए अवसरों का बड़ा आधार तैयार करना है।इसी रणनीति के तहत वे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भी विदेशी दौरों में साथ लेकर जा रहे हैं, ताकि दुनिया के बड़े निवेशकों और औद्योगिक समूहों के सामने हरियाणा की संभावनाओं को सीधे रखा जा सके और प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश लाया जा सके।

अन्नदाता के एक-एक दाने को एमएसपी पर खरीदने के लिए किये गए हैं पुख्ता प्रबंध : श्याम सिंह राणा

- **खरीदे गए धान के उठान की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है और अब तक 4.19 लाख मीट्रिक टन धान का उठान किया जा चुका है।**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और अन्नदाता के एक-एक दाने की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा मंडियों व खरीद केंद्रों पर पीने के पानी, शौचालय, पानी की निकासी और हेल्प डेस्क जैसी मूलभूत सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। राणा ने कहा कि किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए खरीफ खरीद सीजन 2026-27 के दौरान धान की खरीद 1 अक्टूबर की बजाय 29 सितंबर 2026 से आरंभ कर दी गई थी, जो 15 नवंबर 2026 तक निर्धारित है। भारत सरकार द्वारा धान (कॉमन) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,441 रुपये प्रति क्विंटल और धान (ग्रेड-ए) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

सुचारू खरीद के लिए राज्य में 278 मंडियां, खरीद केंद्र और अतिरिक्त खरीद स्थल खोले गए हैं तथा सभी को जियो-फेंस किया गया है। इन जगहों पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, हैफेड और हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा खरीद कार्य किया जा रहा है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने बताया कि इस वर्ष भारत सरकार द्वारा हरियाणा के लिए 58 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, साथ ही 32.5 लाख मीट्रिक टन (10 प्रतिशत ब्रोकन के साथ) सीएमआर (ष्टरूक्र) की डिलीवरी भारतीय खाद्य निगम को जारी करने का लक्ष्य है।

स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय सुधार होगा : आरती सिंह राव

- **'इन 8 नए उप-स्वास्थ्य केंद्रों के खुलने से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं का दायरा काफी बढ़ जाएगा'**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि जिला नूंह में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को और अधिक सुदृढ़ तथा जन-सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए जिले के 8 और ग्रामीण क्षेत्रों में नए उप-स्वास्थ्य केंद्र खोलने की सरकार ने मंजूरी दी है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा राज्य में 100 नए उप-स्वास्थ्य केंद्र खोले जाने की बजट घोषणा के क्रम में यह प्रशासनिक निर्णय लिया गया है। जिला नूंह के अंतर्गत मानौत, खानपुर घाटी, झारपुरी, सलम्बा, बादली, गुरनावट, पापड़ा और रायपुरी गांवों में इन नए उप-स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना की जाएगी। इन सभी चयनित गांवों की ग्राम पंचायतों द्वारा उप-स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण और संचालन हेतु निःशुल्क भूमि व अस्थाई भवन उपलब्ध करवाने के प्रस्ताव पास कर पहले की सहमति दे दी गई है। इसके अलावा, जी.आई.एस. मैपिंग के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि ये सभी प्रस्तावित स्थल जनसंख्या के मानदंडों और क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरी तरह से पूरा करते हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि इन 8 नए उप-स्वास्थ्य केंद्रों के खुलने से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं का दायरा काफी बढ़ जाएगा और मरीजों को इलाज के लिए लंबी दूरियां तय नहीं करनी पड़ेंगी। आरती सिंह राव ने बताया कि हरियाणा सरकार का यह महत्वपूर्ण कदम नूंह जिले के दूरदराज के गांवों में रहने वाले नागरिकों को उनके घर के समीप ही उच्च कोटि की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय सुधार होगा।

'हरियाणा में जनगणना-2027 का पहला चरण पूरा'

दूसरे की तैयारियां तेज : डॉ. सुमिता मिश्रा

डॉ. मिश्रा ने कहा कि अधिकारी जनगणना के कार्य को अतिरिक्त विभागीय जिम्मेदारी के बजाय प्राथमिकता वाला कार्य मानें और तैयारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी लें।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा ने जनगणना-2027 का पहला चरण पूरी तरह डिजिटल माध्यम से सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस दौरान 23 जिलों और 11 नगर निगमों में 51,907 मकान सूचीकरण ब्लॉक को सफलतापूर्वक कवर करने के बाद, हरियाणा अब जनसंख्या गणना के दूसरे चरण की तैयारियों में जुट गया है। दूसरे चरण में 23 जिलों के अंतर्गत आने वाले 6,522 गांवों और 88 कस्बों में लगभग 70,000 गणना ब्लॉकों को कवर किया जाएगा। इस कार्य के लिए आरक्षित कार्मिकों सहित लगभग 74,800 प्रगणकों और 12,650 पर्यवेक्षकों की तैनाती

प्रस्तावित है। पूरी प्रक्रिया 34 प्रधान जनगणना अधिकारियों की निगरानी में 203 जनगणना चार्ज के माध्यम से संचालित की जाएगी। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, जो जनगणना-2027 की राज्य नोडल अधिकारी भी हैं, ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि शत-प्रतिशत जनसंख्या कवरेज सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान न तो कोई व्यक्ति छूटने पाए और न ही दोहरी गणना की कोई संभावना रहे। इसके लिए सख्त जवाबदेही तय की जाए और सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाएं। डॉ. सुमिता मिश्रा ने ये निर्देश आज यहां प्रधान जनगणना अधिकारियों के एक दिवसीय सम्मेलन में दिए। सम्मेलन में जनसंख्या गणना से पहले संचालन संबंधी तैयारियों, डिजिटल माध्यम से आंकड़े एकत्र करने, कार्मिकों की तैनाती, क्षेत्रीय निगरानी तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर चर्चा की गई।

वित्तायुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि जनगणना-2027 राष्ट्र निर्माण, विकास की योजना तैयार करने और प्रभावी शासन व्यवस्था से जुड़ा एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे तैयारियों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें, चार्ज अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा बैठक करें और जनसंख्या गणना शुरू होने से पहले संभावित संचालन संबंधी कठिनाइयों की पहचान कर उनका समाधान सुनिश्चित करें।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए वित्तायुक्त राजस्व एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि प्रथम चरण की सफलता हरियाणा के अधिकारियों के समर्पण और समन्वित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़ों की गुणवत्ता जिला स्तर पर अधिकारियों की गंभीरता, नेतृत्व और क्षेत्रीय निगरानी पर काफी हद तक निर्भर करती है।

सीएम देर रात जैन मुनि का व्रत खुलवाने पहुंचे

सैनी के आने तक अन्न-जल त्यागने का संकल्प, 4 दिन से कर रहे थे इंतजार

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी देर रात करीब 12 बजे गांधी मंडी स्थित एसएस जैन सभा के जैन स्थानक पहुंचे। यहां उन्होंने जैन मुनि डॉ. राजेश महाराज से मुलाकात की। इससे राजेश महाराज का अभिग्रह (संकल्प) पूरा हुआ।मुनि ने संकल्प लिया था कि जब तक मुख्यमंत्री स्वयं नहीं आएंगे, तब तक वे अन्न-जल ग्रहण नहीं करेंगे और व्रत नहीं खोलेंगे। 9 अक्टूबर को मुख्यमंत्री का अभिग्रह महोत्सव में आने का कार्यक्रम रद्द होने के बाद मुनि उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री के पहुंचने के साथ ही उनका संकल्प पूरा हुआ। एसएस जैन सभा की ओर से भेजे गए पत्र के अनुसार, डॉ. राजेश मुनि महाराज ने 8 अक्टूबर को

अभिग्रह लिया था। 9 अक्टूबर को इसके पूरा होने पर पारणा निर्धारित था। मुख्यमंत्री के आने की सूचना के आधार पर मुनि ने उनके हाथों आहार ग्रहण कर संकल्प पूरा करने का निर्णय लिया था। हालांकि, कार्यक्रम रद्द होने से उनका संकल्प अधूरा रह गया था।

मुख्यमंत्री को 9 अक्टूबर को पहुंचने का कार्यक्रम ऐन मौके पर रद्द हो गया। इसके बाद मुनि ने उपवास जारी रखा और मुख्यमंत्री के आने तक पारणा नहीं करने का निर्णय लिया। जैन समाज ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दोबारा आमंत्रित किया था। इसमें उनसे गांधी मंडी स्थित जैन स्थानक पहुंचकर मुनि का संकल्प पूरा कराने का आग्रह किया गया था।

52 वर्षीय डॉ. राजेश महाराज ने 27 साल की उम्र में दीक्षा ली थी। उनके अनुसार, वे करीब 20 वर्षों में 2500 अभिग्रह पूरे कर चुके हैं। जैन धर्म में किसी विशेष उद्देश्य के लिए कठिन नियमों का पालन करते हुए संकल्प लेना अभिग्रह कहलाता है। मुनि के जीवन में तपस्या और साधना का विशेष महत्व रहा है।

3500 से अधिक पेंटिंग और ड्राइंग बना चुके

SS जैन सभा से मुनीष जैन ने बताया कि डॉ. राजेश महाराज पांच विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। वे अब तक 3500 से अधिक पेंटिंग और ड्राइंग बना चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने पानीपत में 20,870 लोगों से नशामुक्ति के संकल्प पत्र भरवाने की जानकारी भी दी है।

महाराजा अग्रसेन महान शासक, समाजशास्त्री और अर्थशास्त्री थे : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि महाराजा अग्रसेन की जयंती का दिन केवल मनाने का नहीं बल्कि उनके सिद्धांतों को अपनाने का दिन है। सारा समाज उनके सिद्धांत अपनाए, जहां भी, कोई भी, किसी भी पार्टी की सरकार हो, वो महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांतों को पढ़कर सरकारें चलाए जिससे हमारा देश सूर्य की तरह चमक जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार भी महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों पर चल रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन-कल्याणकारी योजनाओं से आम जनजीवन का परिदृश्य बदला है। विज अम्बाला छावनी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के उपलक्ष्य पर रात्रि अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित भजन संध्या में लोगों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री अनिल विज ने समाज सेवी प्रकल्पों के लिए अग्रवाल सभा को अपने स्वैच्छिक कोष से 5 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जयंती का दिन बहुत पवित्र दिन है, महाराजा अग्रसेन जी जयंती व पवित्र नवरात्र है जिसकी वह सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने जो संदेश इस संसार को दिया उसके आधार पर ही आज सभी जगह पर सरकारें बनाई जाती है जिन्हें सोशल वेल्फेयर सरकारें कहा जाता है। यह सिद्धांत आज से हजारों साल पहले महाराजा अग्रसेन जी ने स्थापित किया था, वो अच्छे शासक भी थे, समाज शास्त्री और अच्छे अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने जो सिद्धांत बनाए कि 'हमारी नगरी में जो आएगा उसे एक ईंट और एक रुपया देंगे', ईंट अपना आशियाना बनाने और रुपया कारोबार स्थापित करने के लिए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज जितने सोशलिसम पर जितने शास्त्र लिखे जाते हैं उन शास्त्रों की आत्मा में महाराजा अग्रसेन का दिया ज्ञान है। उन्होंने यह भी कहा कि अपने व्यापार को पूरी तरह पारदर्शी तरीके से करना चाहिए और आय का कुछ हिस्सा समाज कल्याण के लिए निकालना चाहिए।

भारत के सबसे बड़े आईपीओ का ऐलान, जियो प्लेटफॉर्म्स ने तय किया प्राइस बैंड

1,065-1,119 रुपए प्रति शेयर पर जारी होगी इक्विटी, 21 अक्टूबर से लगेगा दांव

नई दिल्ली ।

जियो प्लेटफॉर्म्स के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड की घोषणा कर दी गई है। कंपनी ने अपने शेयरों की कीमत 1,065 से 1,119 रुपए प्रति शेयर तय की है, जिससे यह आईपीओ भारत के कॉर्पोरेट इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बनने जा रहा है। इस मेगा आईपीओ के जरिए जियो प्लेटफॉर्म्स 30,200 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। इस ऑफर के साथ कंपनी का कुल इक्विटी मूल्यांकन 9.8-10.3 लाख करोड़ रुपए (लगभग 101-107 बिलियन डॉलर) तक पहुंच जाएगा। यह आईपीओ पूरी तरह से एक फ्रेश इश्यू होगा, जिसका अर्थ है कि शेयरों की बिक्री से जुटाई गई पूरी रकम सीधे कंपनी के बैंक खाते में जाएगी। इस फंड का एक बड़ा हिस्सा कंपनी के मौजूदा कर्ज को चुकाने में इस्तेमाल किया जाएगा। शेष राशि का उपयोग 5जी नेटवर्क के विस्तार, अत्याधुनिक डेटा सेंटर्स के निर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी के विकास जैसी भविष्य की परियोजनाओं में निवेश के लिए किया जाएगा। निवेशकों के लिए इस ऐतिहासिक आईपीओ में दांव लगाने का अवसर 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक रहेगा। वहीं शेयरों की लिस्टिंग 28 अक्टूबर को होने की संभावना है। दिवाली से ठीक पहले लिस्टिंग की टाइमलाइन से बाजार में सकारात्मक त्योहारी सेंटिमेंट्स और बेहतर नकदी प्रवाह का फायदा मिलने की उम्मीद है। 30,200 करोड़ रुपए का यह आईपीओ, हुंडई मोटर इंडिया के 27,858.75 करोड़ रुपए के पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर देश का सबसे बड़ा पब्लिक ऑफर बन गया है।

एसआईपी से पूरा करें अपनी ड्रीम एसयूवी का सपना! 5 साल में जमा करें 20 लाख

मुंबई ।

एसयूवी खरीदने का सपना देखते हैं, लेकिन एक साथ बड़ी रकम खर्च करना मुश्किल लगता है। म्युचुअल फंड की सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ऐसे में मददगार साबित हो सकती है। अगले पांच साल में अपनी पसंदीदा एसयूवी घर लाने के लिए आप अभी से मासिक निवेश शुरू करके 20 लाख रुपये तक जुटाने की योजना बना सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, पांच साल बाद 20 लाख रुपये की एसयूवी खरीदने के लिए 10 फीसदी सालाना रिटर्न मानकर, आपको हर महीने लगभग 26,000 रुपये की एसआईपी करनी होगी। इसमें 15.6 लाख रुपये का निवेश और 4.4 लाख रुपये का अनुमानित रिटर्न शामिल है। वहीं 15 लाख रुपये के लक्ष्य के लिए प्रतिमाह 19,500 रुपये निवेश की आवश्यकता होगी। हालांकि, वित्तीय योजनाकार चेताते हैं कि शेयर बाजार के लिए पांच साल लंबा समय नहीं है, और इक्विटी म्युचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती। ऐसे में केवल 10 फीसदी रिटर्न के भरोसे योजना बनाना जोखिम भरा हो सकता है। निवेश से पहले भविष्य में कार की कीमत, संभावित रिटर्न, लोन ब्याज और ईएमआई के बोझ पर गंभीरता से विचार करें, ताकि आपके अन्य वित्तीय लक्ष्य प्रभावित न हों।

आईएमएफने भारत का ग्रोथ अनुमान 6.4 से बढ़ाकर 7 फीसदी किया

- वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की मजबूत स्थिति

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की आर्थिक क्षमता पर अपना गहरा विश्वास व्यक्त करते हुए वित्त वर्ष 2027 और 2028 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 7 फीसदी कर दिया है। पहले यह अनुमान` वित्त वर्ष 27 के लिए 6.4 फीसदी और` वित्त वर्ष 28 के लिए 6.7 फीसदी था। यह बढ़ोतरी भारतीय केंद्रीय बैंक आरबीआई और विश्व बैंक द्वारा भी अपने वृद्धि अनुमानों को बढ़ाने के बाद आई है, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को रेखांकित करती है। आईएमएफ के नवीनतम वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत गति से आगे बढ़ रही है।` वित्त वर्ष 27 और 28 दोनों के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7 फीसदी पर स्थिर किया गया है। यह सकारात्मक बदलाव देश की दमदार आर्थिक रफ्तार, मजबूत घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन के कारण संभव हुआ है। आईएमएफ ने भारत की अनुकूल आबादी संरचना, एक बड़े और बढ़ते घरेलू बाजार तथा लगातार जारी संरचनात्मक सुधारों को भविष्य की सतत ग्रोथ के लिए महत्वपूर्ण कारक बताया है। यह अनुमान ऐसे समय में आया है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है। आईएमएफ को 2026 में दुनिया की अर्थव्यवस्था 3.1 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है, जो भारत के अनुमान से काफी कम है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1109 , निफ्टी 358 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। इसका एक बड़ा कारण निवेशकों में उत्साह होना भी रहा। आज प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही महत्वपूर्ण बढ़त के साथ बंद हुए, जो बाजार की मजबूत वापसी का संकेत है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,109 अंकों से बढ़कर 73,033.78 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 358 अंक उछलकर 22,721.95 के स्तर पर बंद हुआ। आज पूरे दिन बाजार में सकारात्मक रुख रहा, जिससे व्यापक बाजार में भी चमक देखने को मिली। निवेशकों ने विभिन्न क्षेत्रों में खरीदारी की, जिसका असर मिडकैप शेयरों पर भी साफ दिखा। निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स भी 146 अंकों की बढ़त के साथ 16,974.00 अंक पर बंद हुआ, जो दिखाता है कि बड़े शेयरों के साथ-साथ मध्यम आकार की कंपनियों में भी निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।आज के कारोबार में कई शेयरों ने निवेशकों को मालामाल किया। टॉप गेनर्स की सूची में बंधन बैंक सबसे आगे रहा, जिसके शेयर में 9.21 फीसदी की जोरदार बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद एचसीएल

टेक 8.42 फीसदी और केपिट टेक 6.81 फीसदी की शानदार तेजी के साथ दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। दिग्गज आईटी कंपनी टीसीएस ने भी 6.79 फीसदी का मुनाफा दिया, जबकि श्रीराम फाइनेंस के शेयर 6.31 फीसदी की उछाल के साथ बंद हुए। इन शेयरों ने बाजार की समग्र तेजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हालांकि, इस तेजी के माहौल में भी कुछ शेयरों को नुकसान उठाना पड़ा। टॉप लूजर्स में आरबीएल बैंक के शेयर 7.10 फीसदी की गिरावट के साथ सबसे निचले पायदान पर रहे। आईसीआईसीआई प्रूडेंटिया को 3.54 फीसदी, हिटाची एनर्जी को 3.32 फीसदी और वेदांता को 3.25 फीसदी का नुकसान झेलना पड़ा। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई जो दिन भर बनी रही।

कच्चे तेल में गिरावट के बाद भी ब्रेंट 105 डॉलर

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को गिरावट नजर आ रही है, इसके बावजूद बेंचमार्क क्रूड यानी ब्रेंट 105 डॉलर के ऊपर ट्रेड कर रहा है।

रूस-यूक्रेन के बीच शांति स्थापित न होना और सऊदी अरब पर हूथियों के हमले को क्रूड की कीमतों में तेजी की वजह माना जा रहा है। सोमवार को ब्रेंट 106 डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था। भू-राजनैतिक तनावों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में फिलहाल नरमी के संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतों और वेस्ट एशिया में लगी आग में घी डालने का काम रूस और यूक्रेन युद्ध ने किया है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि दोनों ने देशों ने एक दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमले न करने के समझौते को मान लिया है। हालांकि, इस मामले पर दोनों ही देशों ने अलग बातें कही हैं। दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाला ब्रेंट इस वक्त 1.11 फीसदी की गिरावट के साथ 105.47 बैरल प्रति डॉलर पर ट्रेड कर रहा है। वहीं अमेरिका का वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 1.14 फीसदी बढ़कर 92.60 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। सोमवार को ब्रेंट 1.8 फीसदी बढ़कर 106.65 डॉलर पर और डब्ल्यूटीआई 2 फीसदी चढ़कर 93.74 डॉलर पर बंद हुआ था। बात अगर भारतीय क्रूड बास्केट की करें, जिसमें अलग-अलग देशों का कच्चा तेल शामिल है तो वह 3.47 फीसदी की तेजी के साथ 121 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर निकल गया है।

अंबानी फिर बने भारत के नंबर वन अमीर, अदाणी को छोड़ा पीछे

मुकेश अंबानी 78.8 अरब डॉलर के साथ शीर्ष पर, गौतम अदाणी 74.9 अरब डॉलर पर खिसके

मुंबई ।

भारत के सबसे अमीर कारोबारी बनने की दौड़ में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिला है। रिलायंस इंडस्ट्रीस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने गौतम अदाणी को पीछे छोड़कर देश के सबसे धनी व्यक्ति का खिताब फिर से अपने नाम कर लिया है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अंबानी की नेटवर्थ अदाणी से आगे निकल गई है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के अनुसार, मुकेश अंबानी की संपत्ति बढ़कर 78.8 अरब डॉलर पहुंच गई है। वहीं, गौतम अदाणी की नेटवर्थ 74.9 अरब डॉलर दर्ज की गई है। इन आंकड़ों के साथ अंबानी दुनिया के अमीरों की सूची में 25वें पायदान पर पहुंच गए हैं, जबकि अदाणी 28वें स्थान पर हैं। दोनों की कुल संपत्ति के बीच अब 3.9 अरब डॉलर का महत्वपूर्ण अंतर आ गया है, जो भारतीय रुपए में हजारों करोड़ रुपए का फासला है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इन कारोबारियों की रैंकिंग स्थायी नहीं होती; शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के साथ ही उनकी संपत्ति और सूची में स्थान भी बदल सकता है। देश के शीर्ष 5 सबसे अमीर कारोबारियों की सूची में मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी के बाद सावित्री जिंदल 36.6 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लक्ष्मी मित्तल 30.6 अरब डॉलर के साथ चौथे और शिव नादर 27.4 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत में अंबानी बेशक शीर्ष पर हों, लेकिन एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का ताज चीन के झांग यिमिंग के पास है। टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडांस के संस्थापक झांग यिमिंग की संपत्ति 84 अरब डॉलर है, जिससे वह एशिया में पहले स्थान पर हैं।

सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति 5.54 फीसदी पहुंची, खाने-पीने की चीजों के भी बढ़े दाम

अगस्त की तुलना में सितंबर में खुदरा और खाद्य महंगाई दोनों में तेजी से इजाफा

नई दिल्ली ।

देश में बढ़ती महंगाई का सिलसिला सितंबर में भी जारी रहा है, जिसने आम आदमी की जेब पर सीधा असर डाला है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर के महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.54 फीसदी हो गई, जबकि अगस्त में यह 4.83 फीसदी थी। विशेष रूप से, खाने-पीने की चीजों के दाम में भारी उछाल देखा गया है, जिसकी दर 5.97 फीसदी से बढ़कर 7.74 फीसदी पर पहुंच गई। यह तेजी दिखाता है कि आम लोगों के घरेलू बजट पर दबाव बढ़ गया है। सोमवार, 12 अक्टूबर को सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दाम में बेतहाशा वृद्धि है। सितंबर की खाद्य महंगाई के आंकड़े बताते हैं कि रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पिछले साल के मुकाबले सितंबर में प्याज की महंगाई दर 108.09 फीसदी तक पहुंच गई, जबकि लहसुन में 54.62 फीसदी और अदरक में 62.85 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। नींबू की कीमतों में भी 36.41त्न का इजाफा हुआ है। हालांकि, कुछ सब्जियों जैसे आलू की कीमतों में 11.50 फीसदी और टमाटर की कीमतों में 8.62 फीसदी की गिरावट ने थोड़ी राहत दी।

सब्जियों के अलावा, दाल, चावल और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने भी समग्र महंगाई दर को बढ़ाने में योगदान दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में महंगाई और बढ़ सकती है। इसका

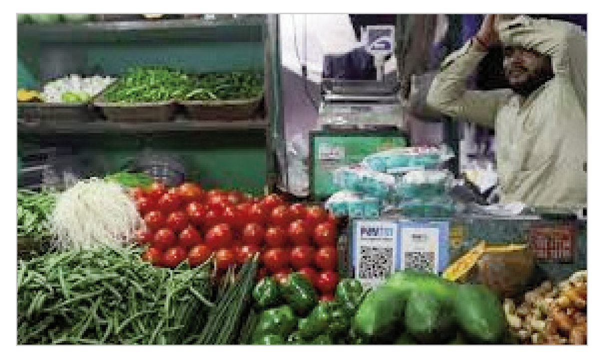

एक प्रमुख कारण वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव है, विशेष रूप से मिडिल ईस्ट और अन्य देशों के बीच बढ़ते तनाव से ईंधन की लागत बढ़ रही है। ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई भी महंगी हो जाती है, जिसका सीधा असर हर उपभोक्ता वस्तु की कीमत पर पड़ता है और जनता को लगातार महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। बढ़ती महंगाई का सीधा मतलब है कि रोजमर्रा की जरूरतों पर लोगों को पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। खासकर प्याज, लहसुन और अन्य महंगी हुई खाद्य वस्तुओं के कारण रसोई का मासिक बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जिससे निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों को अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने में अधिक संघर्ष करना पड़ रहा है।

मेगा सोलर प्रोजेक्ट को आईआरईडीए से मिली फंडिंग

विक्रान इंजीनियरिंग के शेयर 15 फीसदी उछले

मुंबई । इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) फर्म विक्रान इंजीनियरिंग के शेयरहोल्डर्स के लिए 13 अक्टूबर का दिन शानदार रहा। कंपनी के शेयरों में बीएसई पर जबरदस्त 15 प्रतिशत की उछाल देखी गई, जिसके बाद यह 64.03 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह तेजी कंपनी की सब्सिडियरी एनओपीएल सोलर प्रोजेक्ट्स और इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (आईआरईडीए) के बीच 2,941.19 करोड़ रुपए के टर्म लोन सुविधा समझौते की खबर के बाद आई है। यह समझौता महाराष्ट्र में 152 स्थानों पर मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना 2.0 के तहत 969 मेगावॉट एसी प्रे ति 1,163 मेगावॉट पीक के सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्रोजेक्ट के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इस पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 4,201.70 करोड़ रुपए है। विक्रान इंजीनियरिंग की एनओपीएल सोलर प्रोजेक्ट्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस महत्वपूर्ण फैसिलिटी एग्रीमेंट के निष्पादन से एनओपीएल द्वारा विकसित किए जा रहे 969 मेगावॉट के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट के लिए वित्तपोषण की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस परियोजना के लिए विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड को 3,517.98 करोड़ रुपए का एक बड़ा ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट भी मिला है, जिससे कंपनी के राजस्व और भविष्य की संभावनाओं को मजबूती मिली है। इस तेजी के साथ कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 1600 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

रुपया 82 पैसे चढ़कर 94.96 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया सोमवार को 95.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 82 पैसे मजबूत होकर 94.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तेल विपणन कंपनियों के लिए नामित बैंकों के जरिये डॉलर उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था और विदेशी मुद्रा जोखिम से बचाव के कुछ लेनदेन की लागत बढ़ाने जैसे कदमों से हाजिर बाजार में डॉलर की मांग घटने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.53 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें मजबूती आई और यह 94.96 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 82 पैसे की बढ़त है। रुपया सोमवार को 93 पैसे मजबूत होकर 95.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

छह महीने से अधिक समय में यह रुपये की एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त थी। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.43 पर रहा।

क्रोगर में एआई से बड़ा बदलाव- 3,000 कॉर्पोरेट पद घटेंगे, कीमतें होंगी कम

- कटौती कंपनी के 8,200 कॉरपोरेट कर्मचारियों में से लगभग 37 फीसदी को प्रभावित करेगी

नई दिल्ली ।

अमेरिकी किराना कंपनी क्रोगर ने अपने परिचालन में कृत्रिम मेधा (एआई) के गहन उपयोग की घोषणा करते हुए आगामी तीन वर्षों में लगभग 3,000 कॉरपोरेट पदों को समाप्त करने की योजना बनाई है। कंपनी के एक वेरिष्ठ अेधिकारी द्वारा कर्मचारियों को भेजे मेमो के अनुसार कंपनी का लक्ष्य दोहराए जाने वाले कामों से बचना और तकनीक के साथ बेहतर तालमेल बिठाना है।

यह कटौती कंपनी के 8,200 कॉरपोरेट कर्मचारियों में से लगभग 37 फीसदी को प्रभावित करेगी। इस कदम से होने वाली बचत का इस्तेमाल उत्पादों की कीमतें कम करने और स्टोर में कार्यरत कर्मचारियों पर निवेश बढ़ाने के लिए किया जाएगा।

यह विभिन्न कंपनियों द्वारा एआई के बढ़ते उपयोग की वैश्विक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जहां लागत कम करने और कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। क्रोगर ने अपनी एआई रणनीति के तहत परिचालन को बेहतर बनाने और ग्राहकों के डेटा से डिजिटल टूल (जैसे एआई शॉपिंग असिस्टेंट) को सशक्त करने पर काम करने की बात कही है।

कंपनी का मानना है कि तकनीक के प्रयोग से परिचालन दक्षता बढ़ेगी, लागत घटेगी और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की सावधानी के बीच, क्रोगर वॉलमार्ट व एल्डी जैसी कंपनियों से मुकाबला करने, लागत घटाने और बाजार स्थिति मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

वेतन विवाद- स्पाइसजेट पायलटों की हड़ताल से परिचालन ठप

क्यू400 पायलटों ने बकाया वेतन को लेकर उड़ानों से किया इनकार

नई दिल्ली ।

बकाया वेतन और लाभ न मिलने से नाराज स्पाइसजेट के क्यू400 विमानों के पायलटों ने उड़ान भरने से इनकार कर दिया है, जिससे एयरलाइन के संचालन पर गंभीर संकट आ गया है। इस कार्रवाई को एयरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए इंडिया) का भी समर्थन मिल गया है। सूत्रों के अनुसार, लगभग 40 क्यू400 पायलटों ने तब तक उड़ान न भरने का फैसला किया है जब तक उन्हें उनका बकाया वेतन नहीं मिल जाता।

यह कदम स्पाइसजेट के लिए ऐसे समय आया है जब वह पिछले कई महीनों से वित्तीय और परिचालन संबंधी चुनौतियों से जूझ रही है। कंपनी की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। एएलपीए इंडिया ने 9 अक्टूबर को एक पत्र जारी कर पायलटों के इस फैसले को सही ठहराया है।

संगठन का कहना है कि कर्मचारियों को समय पर वेतन और अन्य आवश्यक लाभ नहीं मिल रहे हैं, जिससे उनकी गरिमा और उड़ान सुरक्षा प्रभावित हो रही है।

इसी वजह से पायलटों ने अपने अधिकारों के लिए यह कदम उठाया है।

प्लेनस्पॉटर्स डॉट नेट के मुताबिक इस घटनाक्रम से पहले भी स्पाइसजेट के केवल 10 विमान उड़ान भर रहे थे, जबकि 37 विमान खड़े थे। इनमें क्यू400 विमान भी शामिल थे। पायलटों के इस निर्णय से एयरलाइन के पहले से ही कमजोर परिचालन पर और दबाव बढ़ गया है, जिससे उसका भविष्य अनिश्चित दिख रहा है।

भारतीय इस्पात नीति विजन 2047, आयात निगरानी के लिए एआई का उपयोग

असामान्य रुझानों का पता लगाने और घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने पर जोर

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने अपनी प्रस्तावित नेशनल स्टील पॉलिसी विजन 2047 के मसौदे में इस्पात आयात के असामान्य रुझानों का समय रहते पता लगाने और घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित व्यवस्था और उन्नत डेटा विश्लेषण के उपयोग का प्रस्ताव किया है।

नीति का उद्देश्य 2047 तक भारतीय इस्पात उद्योग के विकास के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करना है। यह अनावश्यक आयात निर्भरता कम करने, इस्पात क्षेत्र को मजबूत बनाने और प्रतिस्पर्धात्मकता व दीर्घकालिक वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष व्यापार, घरेलू क्षमता और गुणवत्ता पर आधारित तीन-स्तरीय रणनीति अपनाएगी।

मौजूदा राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 की समीक्षा के बाद यह नई नीति एआई और मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्राथमिकताओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है। मसौदे में देश की इस्पात उत्पादन क्षमता को 60.4 करोड़ टन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। यह विशेष रूप से घटिया या निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले इस्पात के आयात पर रोक लगाने पर जोर देती है, जिसे घरेलू उत्पादकों के लिए बड़ी चुनौती बताया गया है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए जांच, प्रमाणन और वास्तविक समय में आयात की निगरानी के साथ-साथ असामान्य रुझानों का जल्द पता लगाने के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण का इस्तेमाल किया जाएगा।

मसौदे में कहा गया है कि एआई आधारित आयात निगरानी और अन्य व्यापार सुधारात्मक उपायों सहित घटिया और कम गुणवत्ता वाले इस्पात के आयात को हतोत्साहित करने के उपाय जारी रहेंगे। जहां अनुचित व्यापार गतिविधियां साबित हों, वहां समय पर डंपिंग-रोधी और सुरक्षा उपाय किए जाएंगे।

विदेशी निवेशकों ने 2026 में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 3 लाख

- भारतीय कंपनियों का उच्च मूल्यांकन भी बढ़ा रहा है निवेशकों की चिंता

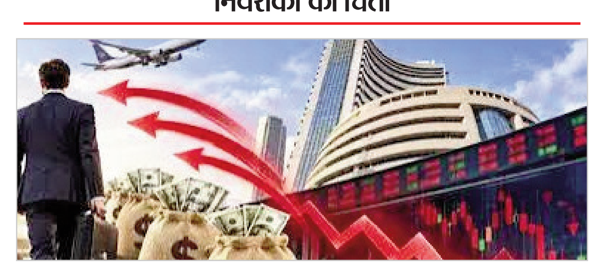

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ऐतिहासिक निकासी का दौर जारी है, जिसके चलते बाजार पर दबाव बढ़ गया है। कैलेंडर वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी से 3.08 लाख करोड़ रुपए से अधिक की पूंजी निकाली है, जो पिछले वर्ष (2025) की कुल निकासी 1.66 लाख करोड़ रुपए से लगभग दोगुनी है। यह लगातार बिकवाली भारतीय बाजार की मौजूदा चुनौतियों को उजागर करती है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, 12 अक्टूबर तक एफपीआई ने द्वितीयक बाजार से 3.64 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है। हालांकि, नई शेयर पेशकशों में उनका निवेश सकारात्मक रहा, जहां उन्होंने 56,485 करोड़ रुपए का निवेश किया। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लगातार खरीदारी कर बाजार को सहारा दे रहे हैं। हाल के महीनों में बिकवाली और तेज हुई है; सितंबर में 35,861 करोड़ रुपए और अक्टूबर में 47,417 करोड़ रुपए की अतिरिक्त निकासी दर्ज की गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, एफपीआई की इस बिकवाली के कई कारण हैं। अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल का बढ़ना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सेमीकंडक्टर कंपनियों में वैश्विक निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी (विशेषकर अमेरिका, ताइवान और दक्षिण कोरिया में), कमजोर रुपया, और पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतें प्रमुख कारक हैं।

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो

ललित गर्ग

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है।

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।

आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्त्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया।

आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्त्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अधूरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है।

हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएं, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएं, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है।

जनांदोलनों के संदर्भ में विदेशी शक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में राष्ट्रीय हितों, बाहरी प्रभावों और सूचना के प्रवाह को लेकर सतर्कता बरती जाए। लेकिन इस विषय पर भी भावनाओं अथवा आशंकाओं के बजाय प्रमाणों के आधार पर बात होनी चाहिए। किसी आंदोलन में सरकार की आलोचना होने मात्र से उसे विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। उसी प्रकार यदि किसी गतिविधि में विदेशी वित्तपोषण, भ्रामक प्रचार अथवा अनुचित हस्तक्षेप के विश्वसनीय प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा केवल कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होती। वह नागरिकों के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता, न्याय की उपलब्धता और शासन की पारदर्शिता से मजबूत होती है। देश की आलोचना और देश के प्रति शत्रुता में अंतर समझना आवश्यक है। सरकार की किसी नीति का विरोध करना राष्ट्रविरोध नहीं है, जैसे राष्ट्रीय हित की चिंता करना किसी नागरिक की लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने का औचित्य नहीं बन सकता।

अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है। किसी भी आंदोलन को स्वयं से तीन प्रश्न अवश्य पूछने चाहिए-क्या हमारा मुद्दा तथ्यपरक और जनहितकारी है? क्या हमारी पद्धति लोकतांत्रिक और अहिंसक है? क्या हमारे प्रयास से समस्या का समाधान निकलेगा या समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ेगा? केवल मुद्दा सही होना पर्याप्त नहीं है, उसके लिए सही नेतृत्व, सही भाषा, सही पद्धति और सही लक्ष्य भी आवश्यक हैं। आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उससे बेहतर व्यवस्था के निर्माण में योगदान करना होना चाहिए। जो आंदोलन समाज को विवेक, अनुशासन, न्याय और रचनात्मकता की दिशा देता है, वही इतिहास में स्थायी स्थान प्राप्त करता है। भारत का भविष्य ऐसे ही लोकतांत्रिक चिंतन में सुरक्षित है, जहां असहमति को सम्मान मिले, सत्ता जवाबदेह रहे, विपक्ष रचनात्मक बने और राष्ट्रहित का अर्थ नागरिक स्वतंत्रता तथा संवैधानिक मयार्दा के समन्वय में खोजा जाए।

संपादकीय

ट्रंप के भ्रम

इसमें दो राय नहीं कि कथित रूप से विश्व की महाशक्ति कहलाने वाले अमेरिका के भ्रम भी बड़े हैं। ह्यजिसकी लाठी उसकी भैंसह्व की तर्ज पर दुनिया को हांकने वाले ट्रंप द्वारा रूसी डीजल खरीदने के निर्णय ने अमेरिका को एक बार फिर दुनिया में बेनकाब किया है। यह विडंबना है कि रूसी तेल खरीदने पर ट्रंप ने भारत पर पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया था। अब वही ट्रंप जब घरेलू राजनीति की मुश्किलों में घिरे तो उन्होंने यूक्रेन युद्ध की तमाम नैतिक दलीलें ताक पर रख अब रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर लिया। दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि पिछले दिनों ट्रंप ने एक ऐसे कानून को मंजूरी दी थी, जिसमें भारत व चीन के रूस से कच्चा तेल खरीदने पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने का प्रावधान था। ये अमेरिका के दोहरे चरित्र को ही उजागर करता है। यह सर्वविदित है कि अमेरिका की तमाम नीतियां ह्यअमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर खत्म हो जाती हैंह्व ह्यपल में तोला, पल में माशाह्व वाले ट्रंप के बयानों पर विश्वास करना मुश्किल होता है। कब वे अपनी पहली बात से मुकर जाएं, कहना कठिन है। उनके भ्रामक बयानों ने पूरी दुनिया में अमेरिका की विश्वसनीयता को रसातल में पहुंचा दिया है। ट्रंप पहले दलील देते रहे हैं कि रूस से पेट्रोलियम पदार्थों को खरीदने का मतलब है कि यूक्रेनियों के संहार के लिये संसाधन उपलब्ध कराना। अब जब अमेरिका रूस से डीजल खरीदेगा तो क्या उससे रूस की आक्रामकता को बढ़ावा नहीं मिलेगा? लगातार यूक्रेन के समर्थन में बयानबाजी करने वाले ट्रंप ने अब डीजल खरीदने के लिये ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पर बड़ा हमला बोला है। अब वे उन्हें शांति के रास्ते में बाधक बता रहे हैं। ट्रंप ने यहां तक कह दिया है कि अब यूक्रेन को अपना राष्ट्रपति बदल लेना चाहिए। उनके इस बयान से दुनिया व नाटो में खलबली मच गई है। यानी ट्रंप अमेरिकी डीजल जरूरतों के लिये यूक्रेन पर युद्ध खत्म कराने के लिये दबाव बना रहे हैं। दरअसल, ट्रंप की रूस से तेल खरीदने की नीति में आए बदलाव की असली वजह अगले माह अमेरिका में होने वाले चुनाव हैं।

चिंतन-मनन

उत्सव है बुद्धत्व

बुद्धत्व मौलिक रूप से प्रांति है, विद्रोह है, बगावत है। काशी के पंडितों की सभा प्रमाणपत्र थोड़े ही देगी बुद्ध को! बुद्धपुरुष तुम्हें पोप की पदवियों पर नहीं मिलेंगे और न शंकराचायरें की पदवियों पर मिलेंगे। क्योंकि ये तो परंपराएं हैं। और परंपरा में जो आदमी सफल होता है, वह मुर्दा हो तो ही सफल हो पाता है। परंपरा के द्वारा पद पाना सिर्फ मुर्दों के भाग्य में हैं, जीवंत लोगों के नहीं। यह सौभाग्य है जीवितों का और मुर्दों का दुर्भाग्य! इसलिए तुम कैसे पहचानोगे? और पूरी पहचान का तुम विचार ही मत करना। क्योंकि तुम पूरा पहचानोगे तो तुम बुद्ध हो जाओगे और तुम बुद्ध होते तो पहचानने की जरूरत न थी। तुम नहीं हो, इसीलिए तो पहचानने चले हो।

इसलिए पूरे-पूरे का खयाल मत करना। छोटा सा टुकड़ा चांदनी का तैर आए तुम्हारे पास, तो बहुत धन्यभाग! अहोभाग! तुम उतने ही पर भरोसा करना। उस चांदनी के टुकड़े को पकड़ कर अगर बढ़ते रहे, चलते रहे, तो किसी दिन पूरे चांद के भी मालिक हो जाओगे। किसी दिन पूरा आकाश भी तुम्हारा हो जाएगा। तुम्हारा है; लेकिन अभी तुम्हें पहुंचना नहीं आया, चलना नहीं आया। अभी तुम घुटने के बल चलते हुए छोटे बच्चे की भांति हो। अभी तुम्हें चलने का अभ्यास करना है।

तो संत उदास नहीं होंगे। बुद्धपुरुष उदास नहीं होंगे। जिनको तुम देखते हो मंदिरों-मस्जिदों में बैठे गुरु-गंभीर लोग, लंबे चेहरों वाले लोग, बुद्धपुरुष वैसे नहीं होंगे। बुद्धपुरुष तो उत्सव है। बुद्धपुरुष तो ऐसा है जिसमें अस्तित्व के कमल खिल गए। बुद्धपुरुष गंभीर नहीं। बुद्धपुरुष के पास तो मृदुहास मिलेगा। हल्की-हल्की हंसी। एक मुस्कुराहट। एक स्मित। एक उत्सव। एक आनंदभाव। तो तुम्हारी आंसुओं से भरी आंखों और कारागृह में दबे चित्त के पास अगर तुम्हें कभी कोई एक स्मित, एक हास, एक उत्सव की झलक भी आ जाए, तो छोड़ा मत उन चरणों को। उन्हीं के सहारे तुम परममुक्ति और स्वातंत्र्य के आकाश तक पहुंच जाओगे। अब तक तो तुम्हारी पहचान पतझड़ से थी। तुम्हारा जीवन राग आंसुओं और रुदन से भरा था। तुमने जीवन का कोई और अहोभाव का क्षण जाना नहीं था। नरक ही नरक जाना था। जिस क्षण किसी व्यक्ति के पास तुम्हें लगे- हवा का झोंका आया- स्वच्छ, ताजा, मलयाचल से चलकर, पहाड़ों से उतर कर तुम्हारी घाटियों में, तुम्हारे अंधेरे में- हवा का ऐसा झोंका जिसके पास अनुभव में हो जाए, समझना बुद्धत्व करीब है। कुछ घटा है।

ई-कचराः आधुनिक युग की एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती

सुनील कुमार महला

आज विज्ञान और तकनीक का युग है। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में मोबाइल फोन, कंप्यूटर, लैपटॉप, टेलीविजन, चार्जर, बैटरी, प्रिंटर और अन्य विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन जब ये उपकरण पुराने हो जाते हैं या काम करना बंद कर देते हैं, तो इनसे ई-कचरा पैदा होता है। गौरतलब है कि खराब मोबाइल फोन के अलावा पुराने ईयरफोन, यूएसबी केबल, रिमोट, खिलौने, छोटे पंखे और बिजली से चलने वाले अन्य उपकरण भी ई-कचरे में शामिल हैं। आज धरती पर ई-कचरे की मात्रा लगातार बढ़ रही है और यह पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। कहना गलत नहीं होगा कि यदि इन उपकरणों का समय पर सही तरीके से निपटान नहीं किया जाए, तो ये मिट्टी, पानी, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि पुराने और बेकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के सुरक्षित निपटान, पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 14 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय ई-कचरा दिवस मनाया जाता है। वास्तव में, इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि पुराने मोबाइल, छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, केबल और बैटरी को सामान्य कूड़े में फेंकने के बजाय उचित संग्रह केंद्रों तक पहुँचाना चाहिए, ताकि उनका सुरक्षित पुनर्चक्रण किया जा सके। इस दिवस की शुरूआत वर्ष 2018 में हुई थी। इसकी शुरूआत अपशिष्ट विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण फोरम ने की थी। वास्तव में, यह एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है, जो विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उचित प्रबंधन और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस संगठन की स्थापना वर्ष 2002 में बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में हुई थी।

हाल फिलहाल, इसमें कोई संदेह या दोराय नहीं है कि विज्ञान और तकनीक ने हमारे जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इनसे जुड़े उपकरणों का गलत तरीके से निपटान पर्यावरण के लिए गंभीर समस्या बन सकता है। इलेक्ट्रॉनिक कचरे में सीसा और पारा जैसे हानिकारक पदार्थ हो सकते हैं, जो मिट्टी और पानी को दूषित कर सकते हैं। दूसरी ओर, इसी कचरे में सोना, तांबा और एल्युमीनियम जैसी कीमती धातुएँ तथा कई उपयोगी पदार्थ भी पाए जाते हैं, लेकिन इन पदार्थों को पुनर्चक्रण के माध्यम से दोबारा प्राप्त किया जा सकता है। इससे जहां एक ओर प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है, वहीं पर नए कच्चे माल(रा-मैटिरियल) की आवश्यकता कम होती है। ई-कचरे को खुले में जलाने या असुरक्षित तरीके से तोड़ने से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचता है। इसलिए देश के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अधिकृत संग्रह केंद्रों या पंजीकृत पुनर्चक्रणकताओं तक पहुँचाए और मनुष्यों, अन्य जीवों तथा प्रकृति के स्वास्थ्य की रक्षा में योगदान दे।

ई-कचरे की स्थितिः- विश्व और भारत-

संयुक्त राष्ट्र की ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर रिपोर्ट-2024 के अनुसार, वर्ष 2022 में दुनिया भर में लगभग 62 मिलियन टन यानी 6.2 करोड़ टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ। वैश्विक स्तर पर प्रति व्यक्ति औसतन 7.8 किलोग्राम ई-कचरा पैदा हुआ। चिंताजनक बात यह है कि कुल ई-कचरे में से केवल 22.3 प्रतिशत का ही औपचारिक रूप से संग्रह और पुनर्चक्रण किया गया। शेष लगभग 77.7 प्रतिशत ई-कचरे का उचित प्रबंधन नहीं हो सका और उसका बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्रों या कचरा भराव स्थलों तक पहुँच गया। इतना ही नहीं, आज हमारा देश भारत भी ई-कचरे की समस्या से गंभीर रूप से प्रभावित है। दुनिया में चीन और अमेरिका के बाद भारत को ई-कचरा उत्पन्न करने वाले प्रमुख देशों में तीसरे स्थान पर बताया जाता है। भारत में ई-कचरे की मात्रा के संबंध में लगभग 4.5 मिलियन टन यानी 45 लाख टन प्रतिवर्ष का आँकड़ा सामने आया है। उल्लेखनीय है कि हमारे देश में ई-कचरे का एक बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले कबाड़ी और अन्य लोगों द्वारा संसाधित किया जाता है। उपलब्ध अनुमानों में यह हिस्सा लगभग 80 से 90 प्रतिशत तक बताया गया है। इस काम में सुरक्षा के उचित उपाय नहीं अपनाए जाने पर काम करने वाले लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुँच सकता है। ई-कचरे की बढ़ती मात्रा इस समस्या को और गंभीर बना रही है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2010 से 2022 के बीच ई-कचरे में हुई वृद्धि की दर उसके औपचारिक संग्रह और पुनर्चक्रण की वृद्धि दर से लगभग पाँच गुना अधिक रही। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर-2024 के अनुमान के अनुसार, यदि यही स्थिति बनी रही, तो वर्ष 2030 तक दुनिया में ई-कचरे की मात्रा बढ़कर लगभग 82 मिलियन टन यानी 8.2 करोड़ टन प्रतिवर्ष हो सकती है।

ई-कचरा कम करने के लिए क्या करें?

भारत जैसे तेजी से डिजिटल होते देश में मोबाइल फोन, कंप्यूटर, घरेलू उपकरणों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इसलिए ई-कचरे को केवल सफाई की समस्या मानना उचित नहीं है। यह पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की बचत, जनस्वास्थ्य और जिम्मेदारी के साथ उपभोग करने से जुड़ा विषय है। वास्तव में, ई-कचरे को कम करने के लिए हमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए।

वोट चोरी के आरोपःराजनीतिक अस्थिरता फैलाने का षडयंत्र

मनोज कुमार अग्रवाल

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देश भर में और दिल्ली में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का दौर अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है।मतदाता सूचियों के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और कथित तौर पर योग्य मतदाताओं के नाम सूची से हटाने को लेकर विवाद है।सोमवार को इंडिया ब्लाक ने कनाटपलेस से सुप्रीम कोर्ट तक एक विरोध मार्च भी निकाला और चीफ जस्टिस से मिलने का प्रयास किया चीफ जस्टिस ने मामला अदालत में विचाराधीन होने का हवाला देते हुए इस पर अदालत से बाहर मिलना चर्चा करना न्यायिक मयार्दा के खिलाफ बताया।

चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी द्वारा पिछले कुछ महीनों में एसआइआर प्रक्रिया से जुड़े फैसलों पर आपत्ति जताए जाने की खबरें सामने आई थीं।विपक्ष और विभिन्न संगठन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं।

इंडिया ब्लॉक द्वारा संसद से सुप्रीम कोर्ट तक विरोध मार्च निकाला गया है, जिसमें राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेता शामिल हुए हैं।

दिल्ली में संसद भवन और जंतर-मंतर के पास ठरवक तथा अन्य संगठनों ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद कई कार्यकताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। मुंबई के शिवाजी पार्क और अन्य हिस्सों में भी आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे सहित विभिन्न राजनीतिक दलों और समूहों ने प्रदर्शन किया है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया और नए कानून को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में को वारंटो याचिका भी दायर की गई है।

बढ़ते विरोध के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कुछ चुनावी दौरे स्थगित किए गए हैं और चुनाव आयोग के अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाई गई है। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर जिस तरह आक्रामकता दिखा रहा है वह लोकतांत्रिक मयार्दाओं का उल्लंघन करने जैसा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के त्यागपत्र की मांग को लेकर धरना व रोष प्रदर्शन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी और इससे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विभिन्न दलों के नेताओं द्वारा एसआईआर के विरोध में निकाला रोष प्रदर्शन और वोट चोरी का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति से मिलकर ज्ञानेश कुमार विरुद्ध कारवाई की मांग करने के बीच देश के 124 पूर्व आई.ए.एस., आई.एफ.एस. व आई.पी.एस. तथा अन्य सेवाओं से जुड़े अधिकारियों ने भी देश के जनसाधारण के नाम एक खुला पत्र लिखा है जिस में चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन निरीक्षण का समर्थन किया गया है। पत्र में उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं का आकलन राजनीतिक जुड़ाव के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी चुनाव आयोग के तहत केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों में हार का सामना किया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा अपना पूर्ण बहुमत खो बैठी थी। उस समय चुनावी प्रक्रिया पर जीतने वाले पक्ष ने कोई शिकायत नहीं की थी। भारत सरकार के पूर्व सचिवों, राजदूतों, पुलिस महानिदेशकों, राज्य के मुख्य सचिवों और आयकर विभाग के पूर्व महानिदेशकों समेत इन उच्च पदस्थ रहे अधिकारियों ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में गलतियों को सुधारा जाना चाहिए लेकिन इससे एसआइआर की वैधता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। एसआइआर का उद्देश्य अपात्र मतदाताओं को हटाना है। इस प्रक्रिया में कुछ असुविधा हो सकती है, लेकिन यह भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।

बूथों पर कब्जे, मतपेटियों में अपने पक्ष में मतपत्र ठूंसने और चुनावी हिंसा के दौर से भारत के बदलाव का जिक्र करते हुए अधिकारियों ने कहा कि आज की चुनावी व्यवस्था में कई स्तरों पर जांच और सुरक्षा उपाय हैं। इनमें मतदान एजेंट, ईवीएम को सील करना, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा और वीवीपैट से सत्यापन शामिल हैं। उन्होंने पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव का हवाला दिया, जिसमें दोबारा मतदान की नौबत नहीं आई और 1951 के बाद सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया।

पूर्व अधिकारियों ने एसआइआर को मतदाता सूची को दुरुस्त करने और अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने की आवश्यक प्रक्रिया बताया। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान लगभग 22 लाख मृत मतदाताओं और सात लाख दोहरी प्रविष्टियों की पहचान की गई।

पूर्व अधिकारियों ने कहा- हम किसी दल से नहीं जुड़े हैं। हम इसलिए पत्र लिख रहे हैं, क्योंकि बिना पर्याप्त सुबूतों के चुनावों को बार-बार धांधलीपूर्ण बताने से लोकतंत्र के प्रति जनता का विश्वास कमजोर होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एसआइआर किसी को मतदाता सूची से बाहर करने का हथियार नहीं है। मसौदा मतदाता सूची अस्थायी होती है और इसमें नाम न होने का मतलब नाम काटा जाना नहीं है। नोटिस और सुनवाई के बिना किसी का नाम नहीं हटाया जाता। पूर्व अधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र उन लोगों से कमजोर होता है, जो बिना सुबूत के पॉलीटिकल नैरेटिव गढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि यह साफ तौर पर चुनावी व्यवस्था के जरिये लोगों द्वारा खारिज किए जाने के बाद प्रासंगिक बने रहने की कोशिश है।

गौरतलब है कि इससे पूर्व 42 पूर्व न्यायाधीशों ने चुनाव आयोग के समर्थन में खुला पत्र लिखा था। सीजेपी और विपक्षी दलों के नेता देश की व्यवस्था को कमजोर करने व देश की साख व छवि को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, यह देश हित में नहीं है। एक लोकतांत्रिक सरकार जो देश के संविधान अनुसार काम कर रही है उसके प्रति भ्रम व भ्रांतिया पैदा करना लोकतंत्र के हित में नहीं है। विपक्षी दलों को जहां अपनी कमजोरियों के लेकर आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है, वहीं भाजपा व मोदी सरकार की नीतियों से भी सीखने की आवश्यकता है। विपक्षी दल जिस तरह देश में एक नकारात्मक राजनीति माहौल बनाकर स्थापित सरकार व व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है, उससे देश में अराजकता का माहौल बनेगा जो आम आदमी सहित किसी के भी हित में नहीं होगा।

सरकार की नीतियों का विरोध करना विपक्षी दलों का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करना जिसके वह स्वयं एक महत्वपूर्ण अंश हैं, अनुचित है। धरने व प्रदर्शन विपक्षी दलों की हताशा को दशार्ते ही हैं, साथ में जन साधारण की रोजमर्रा की जिंदगी में भी अनेक प्रकार की बाधाएं पैदा करते हैं। भीड़तंत्र को लोकतंत्र पर हावी नहीं होने दिया जा सकता। अगर ऐसा होता है तो यह स्थिति अराजकता वाली ही होगी तथा जिस की लाठी उसकी भैंस वाली जंगल राज स्थापित होगा, भारत विरोधी शायद यही चाहते हैं। सवाल यह है कि काकरोच पार्टी को आगे कर क्या विदेशों से संचालित भारत विरोधी ताकतें भारत में राजनीतिक अस्थिरता फैला कर भारत को कमजोर करने के मंसूबे को कामयाब करने की कोशिश कर रहे हैं और विपक्षी दल इस मे सहयोगी बन कर अपने हाथ धोने की कोशिश कर रहा है। यह बेहद शर्मनाक और खतरनाक अजेंडा है इस को हर कीमत पर नकारना होगा।

उत्तर और दक्षिण कोरिया में बढ़ा तनावः किम जोंग उन ने दागीं बैलिस्टिक मिसाइले

सिओल , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने सोमवार को अपने पूर्वी समुद्री इलाके की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह जानकारी दक्षिण कोरिया की सेना ने दिया। यह हाल के दिनों में हथियारों के प्रदर्शन का एक और मामला है, जिससे कूटनीतिक बातचीत लंबे समय से रुकी होने के बीच तनाव और बढ़ गया है।

जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने क्या बताया? – दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के आस-पास के इलाके से दागी गईं। हाल के वर्षों में देश ने अपने हवाई अड्डे का इस्तेमाल एक मुख्य लॉन्च साइट के तौर पर किया है। जॉइंट चीफ्स ने तुरंत यह नहीं बताया कि कितनी मिसाइलें देखी गई या वे कितनी दूर तक गईं। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने कम से कम दो मिसाइलें देखीं और अनुमान लगाया कि ये हथियार देश के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन के बाहर समुद्र में गिरे।

दक्षिण कोरिया ने किया हथियार के उड़ान परीक्षण– यह लॉन्च दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को अपने पहले घरेलू स्तर पर विकसित हाइपरसोनिक हथियार के उड़ान परीक्षण के कुछ दिनों बाद किया। इस हथियार को ध्वनि की गति से कम से कम पांच गुना तेज उड़ने और मिसाइल डिफेंस सिस्टम से बचने के लिए डिजाइन किया गया है। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने इसे दक्षिण कोरिया की पारंपरिक रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

उत्तर कोरिया क्यों कर रहा इतने परीक्षण?– सियोल के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए, उत्तर कोरिया अपने परमाणु-सक्षम हथियारों के जखीरे को बढ़ाने के लिए लगातार हथियारों का परीक्षण कर रहा है। इसमें 3 अक्तूबर को किया गया वह परीक्षण भी शामिल है, जिसे उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक इंटरमीडिएट-रेंज मिसाइल बताया था। इसे दक्षिण कोरिया और जापान की मिसाइल सुरक्षा प्रणालियों से बचने के लिए डिजाइन किया गया है।

उत्तर कोरिया ने मिसाइल के और भी टेस्ट किए हैं, लाइव-फायर ड्रिल की हैं और एक नया युद्धपोत भी शामिल किया है। नेता किम जोंग-उन अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लंबे समय से रुके हुए कूटनीतिक बातचीत को फिर से शुरू करने के प्रस्तावों को भी ठुकरा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक कैसे घायल हुए? – पिछले महीने भारी हथियारों से लैस अंतर-कोरियाई सीमा के पास लैंड माइन धमाकों में दक्षिण कोरिया के तीन सैनिकों के घायल होने के बाद तनाव और बढ़ गया। दक्षिण कोरिया की सेना और अमेरिका के नेतृत्व वाली यूनाइटेड नेशंस कमांड ने निष्कर्ष निकाला कि ये धमाके उत्तर कोरिया की ओर से लगाए गए उपकरणों के कारण हुए थे। हालांकि, उत्तर कोरिया ने इसकी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया है और माफी की दक्षिण कोरिया की मांग का मजाक उड़ाया है।

हाल के वर्षों में, वॉशिंगटन के साथ परमाणु बातचीत में लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध के बीच, किम ने दक्षिण कोरिया के साथ सभी तरह की कूटनीति और सहयोग रोक दिया है और पड़ोसी देश को अपना पक्का दुश्मन बताया है। उन्होंने अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत फिर से शुरू करने की अपील को ठुकरा दिया है। 2019 में यह बातचीत टूट गई थी। उनकी सरकार की मांग है कि वॉशिंगटन प्योंगयांग के प्रति अपनी दुश्मनी वाली नीति छोड़े और बातचीत के लिए शर्त के तौर पर उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार खत्म करने की मांग को हटाए।

संक्षिप्त समाचार

भावनाओं को समझने में महिलाएं आगे, पर यही खूबी बन जाती है उनके लिए बड़ा बोझ

ज्यूरिख, एजेंसी। किसी बैठक में सहकर्मी का अचानक चुप हो जाना, किसी दोस्त के चेहरे से उसकी परेशानी भांप लेना या तनाव के बीच सही बात कहकर माहौल संभाल लेना। ये ऐसे कौशल हैं, जो रिश्तों को बेहतर बनाने के साथ कामकाज को भी आसान करते हैं।

लेकिन जब इन्हें किसी की स्वाभाविक खूबी मान लिया जाता है, तो यही क्षमता उसके लिए अतिरिक्त जिम्मेदारी बन सकती है। महिलाओं के साथ अक्सर ऐसा ही होता है।

लिमरिक विश्वविद्यालय की मैरी एम हाउसफेल्ड और ज्यूरिख विश्वविद्यालय के योखेन मेंगेस ने 1995 से 2023 तक प्रकाशित शोधों की समीक्षा की। इसमें 76 देशों के छह लाख से अधिक लोग शामिल थे।

अध्ययन में औसतन महिलाओं का भावनात्मक बुद्धिमत्ता में प्रदर्शन पुरुषों से बेहतर पाया गया। यह बढ़त खास तौर पर दूसरों की भावनाओं को पहचानने, उनके कारण समझने और उनसे निपटने में मदद करने के मामले में दिखी। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं कि हर महिला इस मामले में हर पुरुष से बेहतर होती है।

बचपन से मिलता है ज्यादा अभ्यास– भावनात्मक बुद्धिमत्ता का मतलब अपनी और दूसरों की भावनाओं को पहचानने, समझने और संभालने की क्षमता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इसकी एक वजह बचपन में लड़के-लड़कियों की परवरिश का अंतर हो सकता है। माता-पिता अक्सर बेटियों को भावनाओं पर बात करने और उन्हें शब्दों में व्यक्त करने के लिए ज्यादा प्रोत्साहित करते हैं, जबकि बेटों को कई बार भावनाएं दबाने की सीख मिलती है।

इस तरह लड़कियों को दूसरों की भावनाएं समझने और उनके अनुरूप प्रतिक्रिया देने का अधिक अभ्यास मिलता है। जैसे कोई भाषा या वाद्य यंत्र सीखने से उसमें दक्षता बढ़ती है, वैसे ही भावनात्मक कौशल भी अभ्यास से निखरते हैं। वर्ष 2019 में 58 अध्ययनों के मेटा-विश्लेषण में भी पाया गया कि प्रशिक्षण से भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित की जा सकती है। समस्या तब शुरू होती है, जब महिलाओं की इस क्षमता को कौशल मानने के बजाय उनकी स्वाभाविक जिम्मेदारी समझ लिया जाता है। दफ्तर में टीम का तनाव संभालना, परेशान सहकर्मी को सहारा देना और विवाद शांत करना अक्सर उन्हीं के हिस्से आता है। इससे कामकाज सुचारु रहता है, लेकिन प्रदर्शन के आकलन और पुरस्कारों में इस योगदान को जगह नहीं मिलती।

फिलीपीन में बच्चों के यौन शोषण का खौफनाक नेटवर्क, कैमरे के सामने परोसा जा रहा बचपन

मनीला/वॉशिंगटन, एजेंसी। डिजिटल क्रांति के दौर में जहां दुनिया एक-दूसरे के करीब आई है, वहीं तकनीक का एक ऐसा घिनौना और खौफनाक चेहरा भी सामने आ रहा है जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। द्वीपीय देश फिलीपीन में गरीबी का फायदा उठा मासूमों को बाल यौन शोषण सामग्री में बदला जा रहा है। उन्हें अपने देश में यौन शोषण का शिकार होना पड़ता है और अमीरों का शौक पूरा करने के लिए मीलों दूर स्थित शहरों में सीधे प्रसारित किया जाता है। सीएनएन की एक खोजी रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका और यूरोप जैसे अमीर देशों में बैठे लोग इसके बदले में बड़ी रकम खर्च करते हैं।

फिलीपीन इस अवैध और खौफनाक ऑनलाइन नेटवर्क का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। 13 वर्ष की केट (बदला नाम) की कहानी इस भयावह सच्चाई को बयां करती है। कोविड-19 के दौरान जब केट के पिता की नौकरी चली गई और परिवार पाई-पाई को मोहताज हो गया तो परिवार को भुखमरी से बचाने के नाम पर उसकी गोद ली गई बड़ी बहन ने ही उसे कैमरे के सामने खड़ा कर दिया। शुरुआती दिनों में केट से केवल विदेशी ग्राहकों के साथ बातचीत बातचीत का नाटक करने को कहा गया। लेकिन धीरे-धीरे मांगें बदलती गईं और ऐसे खौफनाक और हिंसक कृत्यों की मांग की जाने लगी, जिनकी कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

अपने ही कर रहे सौदा...एन्क्रिप्टेड एप्स से मिला बढ़ावा

बच्चों का सौदा करने वाले कोई और नहीं बल्कि उनके अपने परिवार वाले ही होते हैं। फिलिपिनो पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार दलालों में बड़ी संख्या उन माताओं की है, जिन्होंने आर्थिक तंगी के आगे अपने बच्चों का सौदा कर दिया। बच्चों का शोषण करने वाले खरीदार समाज के हर वर्ग से आते हैं। इनमें कॉलेज के छात्र, बिजनेसमैन, रेस्टोरेंट कर्मचारी से लेकर जलवायु सलाहकार और पढ़े-लिखे पेशेवर तक शामिल हैं। कई आरोपी तो ऐसे हैं जो खुद शादीशुदा हैं और जिनके घर में बच्चे व नाती-पोते हैं। पहले यह धंधा डार्क वेब तक सीमित था लेकिन अब टेलीग्राम, व्हाट्सएप और वाइबर जैसे एन्क्रिप्टेड एप्स तक फैल चुका है। द्वटेलीग्राम पर तो खुलेआम ऐसे प्राइवेट ग्रुप चलते हैं जहां कैंडी, किड्डी जैसे सांकेतिक शब्दों का इस्तेमाल करके सामग्री की नुमाइश की जाती है।

हर 100 में एक बच्चा झेल रहा प्रताड़ना

इंटरनेशनल जस्टिस मिशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिलीपीन में करीब 5 लाख बच्चों को ऑनलाइन यौन सामग्री बनने को मजबूर किया जाता है। हर 100 में से एक बच्चा ऐसे अवैध तस्करी नेटवर्क के जाल में फंसा है। 2020 से 2022 के बीच अमेरिकी नागरिकों ने फिलीपीन से इस तरह की अवैध और हिंसक सामग्री खरीदने के लिए 70 लाख डॉलर (लगभग 58 करोड़ रुपये) से अधिक की राशि खर्च कर डाली।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने कई तरह की चुनौतियां

अपराधी रिकॉर्डेड वीडियो की जगह लाइव स्ट्रीमिंग इस्तेमाल कर रहे हैं। लाइव प्रसारण खत्म होते ही कोई डिजिटल सबूत पीछे नहीं छूटता, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए ठोस सबूत जुटाना बेहद मुश्किल हो जाता है। एप्स की एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन तकनीक अपराधियों को एक मजबूत सुरक्षा घेरा प्रदान करती है। यही नहीं, प्रशासनिक और आंतरिक प्राथमिकताओं के चलते कई बार जांच धीमी पड़ने की वजह से भी अपराधियों के हौसले बुलंद होते हैं।

पाकिस्तान को विश्व बैंक का झटकाः दक्षिण एशिया की सूची से नाम बाहर, भारत से तुलना खत्म होने पर मचा बवाल

न्यूयार्क, एजेंसी। विश्व बैंक के क्षेत्रीय वर्गीकरण में बदलाव को लेकर पाकिस्तान में बहस छिड़ गई है। पाकिस्तानी पत्रकार शहबाज राणा के मुताबिक, पाकिस्तान को दक्षिण एशिया समूह से हटाकर मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान वाले स्थ्रह्क समूह में शामिल किया गया है। हालांकि, इसे भारत की जीत या पाकिस्तान को दंडित करने का फैसला बताने के लिए ठोस प्रमाण सामने नहीं हैं। यह बदलाव विश्व बैंक की प्रशासनिक और क्षेत्रीय व्यवस्था से जुड़ा है।

विश्व बैंक के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान को 1 जुलाई 2025 से दक्षिण एशिया की श्रेणी से हटाकर मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान क्षेत्र में शामिल किया गया। इस बदलाव की पुष्टि विश्व बैंक के आँकड़ा पोर्टल और उसके दिसंबर 2025 के लेख में भी की गई है। दक्षिण एशिया के इस नए वर्गीकरण में अब भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान और मालदीव शामिल हैं।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान को अलग क्षेत्रीय समूह में रखा गया है। पाकिस्तानी पत्रकार शहबाज राणा ने अपने कार्यक्रम में इस बदलाव को भारत-पाकिस्तान तनाव और विश्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय से जुड़ी परिस्थितियों से जोड़कर चर्चा की। उनके अनुसार, नई दिल्ली में कार्यालय होने की स्थिति में पाकिस्तानी अधिकारियों को वीजा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता था। क्षेत्रीय वर्गीकरण बदलने से पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति या उसकी आय के आधार पर तय होने वाली आर्थिक श्रेणी अपने आप नहीं बदलती।

सरकारी खजाने से ट्रंप का प्रचार पड़ा भारी

जनता के पैसों से चल रहे विज्ञापनों पर कोर्ट ने लगाई रोक

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने राजनीतिक संदेश के प्रचार के लिए सरकारी खजाने से चलाए जा रहे टीवी विज्ञापनों पर रोक लगानी होगी। न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत ने रविवार रात प्रशासन को आदेश दिया कि ऐसे सभी विज्ञापन तुरंत बंद किए जाएं, जो अब भी प्रसारित होने बाकी हैं। खास बात यह है कि प्रशासन पहले ही कह चुका था कि विज्ञापन अभियान जल्द खत्म होने वाला है। इसके बावजूद अदालत ने साफ कर दिया कि रविवार रात प्रसारित होने वाले विज्ञापनों समेत बाकी सभी विज्ञापनों को भी रद्द करना होगा।

जनता के पैसे से राजनीतिक प्रचार पर उठे सवाल– यह पूरा मामला उन टीवी विज्ञापनों से जुड़ा है, जिन पर करदाताओं के लाखों डॉलर खर्च किए गए। इन विज्ञापनों के जरिए ट्रंप के राजनीतिक संदेश को लोगों तक पहुंचाया जा रहा था। इस खर्च पर सवाल उठाते हुए एक गठबंधन ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। इस गठबंधन में गैर-दलीय निगरानी संगठन कॉमन कॉज भी शामिल था। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि सरकारी धन का इस तरह इस्तेमाल करना नियमों के खिलाफ है और इसे सार्वजनिक धन का अनुचित इस्तेमाल माना जाना चाहिए। न्यूयॉर्क की अमेरिकी जिला अदालत की जज जेनिफर एल. रोचोन ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर विचार करते हुए प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाया। उन्होंने अस्थायी रोक लगाने का आदेश जारी किया, जिसके तहत प्रशासन को बचे हुए सभी टीवी विज्ञापन रद्द करने होंगे। इस आदेश में उन विज्ञापनों को भी शामिल किया गया, जिनका प्रसारण रविवार रात होना था। यानी प्रशासन की ओर से विज्ञापन अभियान खत्म करने की घोषणा के बावजूद अदालत ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाया कि कोई भी बाकी विज्ञापन प्रसारित न हो।

अब सरकारी खर्च और राजनीतिक संदेश के इस्तेमाल पर नजर

इस मामले ने सरकारी धन के इस्तेमाल और राजनीतिक प्रचार के बीच की सीमा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकायत करने वाले संगठनों का कहना है कि जनता के पैसे का इस्तेमाल इस तरह नहीं किया जा सकता, जिसे वे किसी राजनीतिक संदेश को बढ़ावा देने का अनुचित तरीका मानते हैं। अदालत के आदेश का तत्काल असर यह है कि प्रशासन को बचे हुए विज्ञापनों को रोकना होगा। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, यह आदेश अस्थायी रोक के तौर पर जारी किया गया है। मामले में आगे क्या होता है, यह न्यायिक प्रक्रिया के अगले चरणों पर निर्भर करेगा।

अमेरिका-ब्रिटेन में पढ़ा रहे पाकिस्तानी शिक्षाविदों ने उठाई आवाज, इमान मजारी और उनके पति को रिहा करे पाकिस्तान

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान में वकील इमान ज़ैनब मजारी-हाज़िर और हादी अली चट्ठा की हिरासत को लेकर अमेरिका और ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में कार्यरत पाकिस्तानी मूल के शिक्षाविदों ने आवाज उठाई है। उन्होंने दोनों वकीलों के खिलाफ आरोप वापस लेने और उन्हें तत्काल रिहा करने की मांग की है। शिक्षाविदों ने इसे अभिव्यक्ति की आजादी और कानून के शासन से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। लाहौर में जारी संयुक्त बयान में शिक्षाविदों ने पाकिस्तान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के शासन की स्थिति पर चिंता जताई। यह बयान जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के आकिल शाह की पहल पर जारी किया गया। बयान के मुताबिक, जनवरी 2026 में इमान मजारी और हादी चट्ठा को सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम कानून (पीईसीए) के तहत 17 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। इन पोस्ट में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों की आलोचना की गई थी। शिक्षाविदों के अनुसार, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर 2026 को दोनों की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें जमानत दे दी थी। हालांकि, कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस ने एक अन्य मामले में उन्हें हिरासत में ले लिया। संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों अब भी हिरासत में हैं। हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा कि इमान मजारी जबरन गुमशुदगी के मामलों पर आवाज उठाती रही हैं और पीड़ितों तथा उनके परिवारों का प्रतिनिधित्व करती रही हैं। उन्होंने पाकिस्तान के ताकतवर संस्थानों की सार्वजनिक रूप से आलोचना भी की है। वहीं, हादी चट्ठा ने ईशनिंदा के आरोपों का सामना कर रहे लोगों और मृत्युदंड पाए कैदियों का बचाव किया है। बयान में कहा गया कि आपराधिक कानून का इस्तेमाल असहमति की आवाज दबाने या वकीलों को उनकी पैरवी के कारण डराने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

अमेरिका में राजनीतिक ताकत दिखाने की तैयारी, मिडटर्म चुनाव में क्यों बदला भारतीय-अमेरिकियों का प्लान?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की भारत और प्रवासी भारतीयों के खिलाफ नीतियों ने राजनीतिक दमखम रखने वाले भारतीय प्रवासियों को नए सिरे से अमेरिकी सत्ता में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के पुरजोर प्रयासों के लिए प्रेरित किया है।

इसलिए अब भारतीय-अमेरिकी केवल सांसद बनकर अमेरिकी सत्ता में हिस्सेदारी हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव में अपने मुद्दों के प्रति सहानुभूति रखने वाले अन्य उम्मीदवारों का भी समर्थन कर रहे हैं।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेताओं ने कहा कि कैलिफोर्निया और टेक्सास जैसे राज्यों में मजबूत मौजूदगी के बावजूद समुदाय के भीतर की प्रतिस्पर्धा के कारण निर्वाचित पदों पर भारतीय प्रवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व कम रहा है। प्रवासी समुदाय के एक नेता ने कहा,ऐसे मौके आए हैं जब कई भारतीय-अमेरिकी एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़े हैं। इससे समुदाय के उम्मीदवारों की कम संख्या में जीत हुई।

उन्होंने राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के लिए एकजुटता पर जोर दिया। कार्यकाल पूरा कर रही अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के छह सदस्य हैं, लेकिन यह संख्या घटकर चार रह सकती है। इलिनोइस से राजा कृष्णमूर्ति और मिशिगन से श्री थानेदार प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके।

भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना (कैलिफोर्निया-17), प्रमिला जयपाल (वाशिंगटन-7), एमी बेरा (कैलिफोर्निया-3) और सुहास सुब्रमण्यम (वर्जीनिया-10) फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। रिपब्लिकन विवेक रामास्वामी ओहायो के गवर्नर पद के चुनाव में मैदान में हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति के चार साल के कार्यकाल के बीच में होने वाले मध्यावधि चुनाव में कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सभी 435 सदस्यों और ऊपरी सदन सीनेट के 100 सदस्यों में से करीब एक-तिहाई का चुनाव होता है। इन चुनावों में कई राज्यों के गवर्नर व विधानसभाओं के साथ कुछ शहरों के मेयर और अन्य स्थानीय अधिकारियों के चुनाव भी शामिल होते हैं। नतीजे तय करते हैं कि कांग्रेस पर किस दल का नियंत्रण होगा और राष्ट्रपति की विधेयक पारित कराने की क्षमता पर भी उनका असर पड़ सकता है।

बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता के रास्ते पर

हर बच्चे को स्नेह, प्रोत्साहन और सहारे की जरूरत होती है। खासतौर से जिन बच्चों के विकास में थोड़ी देरी हो रही है, उनके लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस तरह के सकारात्मक सहयोग के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसे बच्चे भी बड़े होकर आत्मविश्वास से भरपूर होंगे, उनके भीतर खुद की क्षमताओं को समझने की ताकत होगी और विषम परिस्थितियों के बाद भी उनके अंदर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा। बालपन की शुरुआत में ही बच्चे के बोलने, चलने, खुद का ख्याल रखने, खेलने जैसी कुछ क्रियात्मक बातों पर ध्यान देकर पैरेंट्स यह नोटिस कर सकते हैं कि बच्चे का विकास मानकों के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। इसके अलावा इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी भी एक ऐसी स्थिति है, जिसकी शुरुआत बालपन में होती है और जिसमें बच्चे के सीखने ओर समझने की सीमित क्षमताओं को पहचाना जा सकता है। ज्यादा गंभीर स्थिति वाले मामलों की पहचान बच्चे के जन्म के पहले साल के अंदर ही हो जाती है। कम गंभीर मामलों में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास पर पड़ रहे असर का पहला लक्षण स्कूल की शुरुआत में हो रही दिक्कतों के जरिए पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को पढ़ने में या गणित के सवालों को हल करने में दिक्कत हो रही है, तो इस बात को नोटिस किया जा सकता है। कुछ पैरेंट्स यह भी नोटिस कर सकते हैं कि उनके एक बच्चे का डिवेलपमेंट दूसरे बच्चे के मुकाबले धीमे हो रहा है। एक तरह से देखा जाए, तो पहले बच्चे के व्यवहार को देखकर यह पता चलता है कि उसका विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है और फिर अंततः वह स्थिति आती है, जिसमें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाद में बच्चे के विकास में और किस किस तरह की अड़चनें आ सकती है। पैरेंट्स होने के नाते आपको सबसे पहला काम यह पता लगाने का है कि आपका बच्चा किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर ढंग से सीखता है।

विजुअल लर्नर

इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि क्या बच्चा चीजों को देखकर, पढ़कर या डाइग्राम, मैप्स, ड्रॉइंग आदि के जरिए पिक्चराइज करके चीजों को सीखता है और तब ज्यादा अच्छा काम करता है, जब मटीरियल उसके सामने रखा जाए और जिसे वह देखकर महसूस कर सके, न कि सुनकर।

ऑडिटरी लर्नर: इसमें बच्चा सुनकर ज्यादा बेहतर काम करता है, लेक्चर बेस्ड माहौल में जल्दी सीखता है। क्लासरूम डिस्कशन, मौखिक निर्देश और स्टडी ग्रुप्स के जरिए उसे फायदा मिलता है।

काइनेस्थेटिक लर्नर: इसमें बच्चा मूव करके ओर खुद से काम करके सीखता है, खुद अपने हाथों से की जाने वाली एक्टिविटीज, लैब क्लासेज, प्रॉप, स्किट्स और फील्ड ट्रिप्स से उसे लाभ मिलता है।

बच्चों को आगे बढ़ने में मदद

ऐसे में जल्द से जल्द हस्तक्षेप करने और सही समय पर बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने की जरुरत होती है, ताकि बच्चे के इंटेलेक्चुअल लेवल में सुधार हो और वह अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ सके। जिन बच्चों को जल्द सीखने में किसी तरह की दिक्कत आती है, ऐसे बच्चों को मजबूती से उभारने और उनके अंदर लचीलापन लाने के लिए उनकी मदद के रास्ते तलाशना जरूरी है। लर्निंग डिसेबलिटी से जुड़ी समस्याएं केवल अच्छे बर्ताव से हल नहीं होगी, लेकिन इससे आपके बच्चे के अंदर एक नई उम्मीद जगेगी और उसका भरोसा बड़ेगा, जिससे उसे आगे बड़ने में मदद मिलेगी और भविष्य में वह भी सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। संज्ञानात्मक विकलांगता यानी कॉग्नेटिव डिसेबलिटी की वजह आमतौर पर प्रसव के पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद के कारकों पर निर्भर करती है। प्रसव पूर्व के कारणों में जेनेटिक विषमता, इन्फैक्शंस, सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गढ़बड़ी, डाउन सिंड्रोम और ऐसे तत्वों के संपर्क में आना, जो बच्चे के जन्म पर प्रभाव डालते हैं, शामिल है। बच्चे के अंदर इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी पैदा होने के ये सबसे प्रमुख जेनेटिक कारण हैं। प्रसवकालीन कारणों में जानलेवा कुपोषण, प्रीमैच्योरिटी और ब्रेन में ऑक्सिजन की सप्लाई में कमी जैसी वजहें प्रमुख हैं,

कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने के लिए थैरेपीज

प्रसव बाद के कारणों में कई तरह के इन्फैक्शंस, घुटन, एक्सिडेंटल और नॉन एक्सिडेंटल ट्रॉमा, ब्रेन डैमेज, सीएनएस ट्यूमर आदि प्रमुख हैं। इन कारकों की वजह से बच्चे के अंदर पैदा हुई कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने में कई तरह की थैरेपीज और सर्विसेज मददगार साबित हो सकती हैं। इनमें नर्सिंग सर्विसेज, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजिकल थैरेपी, एडाप्टिव उपकरण, स्पीच और लैंग्वेज थैरेपी, न्यूट्रिशनल काउंसिलिंग, ऑडियोलॉजी सर्विसेज, साइकोलॉजिकल हस्तक्षेप, रीक्रिएशन थैरेपी और सोशल वर्क सर्विसेज जैसी थैरेपीज और सर्विसेज शामिल है। इनके अलावा स्पेशल एजुकेशन टीचर्स भी बच्चे को एजुकेशनल सर्विसेज मुहैया करा सकते हैं। कई बार सतर्कता में कमी, सीखने में दिक्कत, बोलने में दित या व्यापक विकासशील विकारों को इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी समझ लिया जाता है, जबकि केवल 5 पर्सेंट आबादी में ही संज्ञानात्मक कमी देखी जाती है और इनमें से ज्यादातर लोग माइल्ड रेंज डेफिसिट कैटिगरी यानी ऐसी कैटिगरी में आते हैं, जिनमें डिसेबिलिटी बेहद गंभीर नहीं होती।

डॉ. नूपुर गुप्ता, कंसलेंट ऑब्स्टट्रिशन एंड गाइनोकोलोजिस्ट

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2616

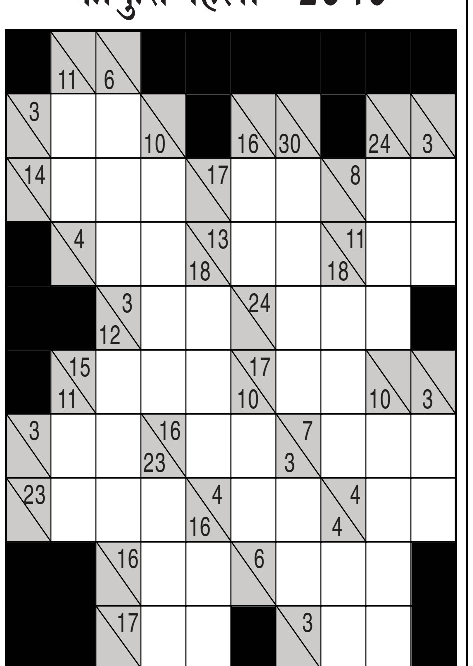

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

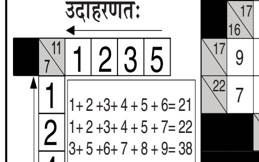

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2615 का हल

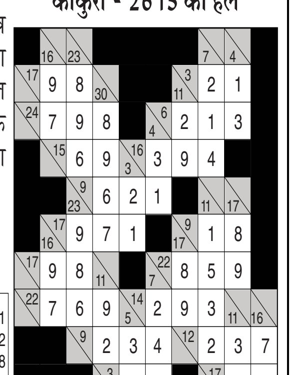

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 2616

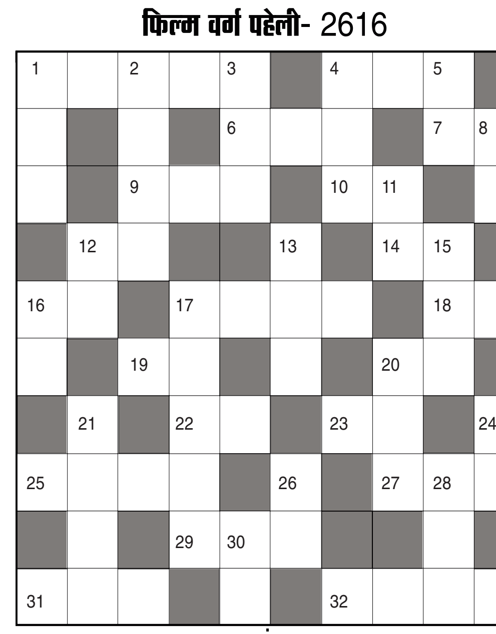

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचेः-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-2615

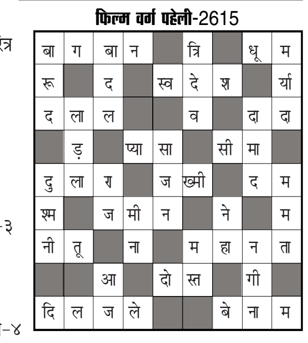

सूडोकु -2616

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2617 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली -2616

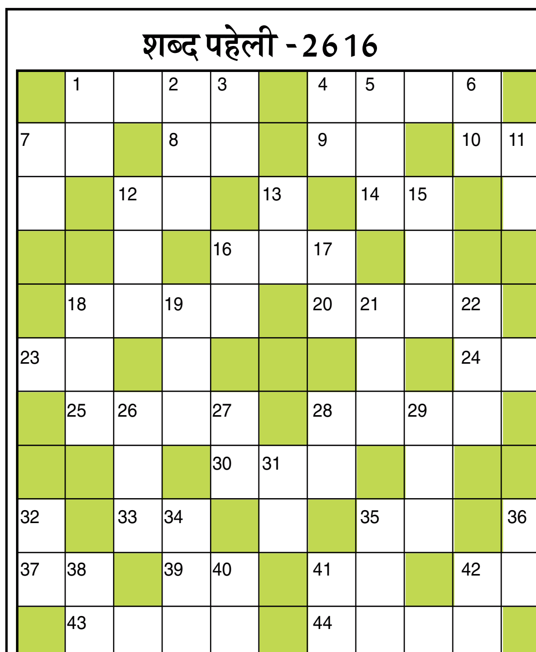

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -2615 का हल

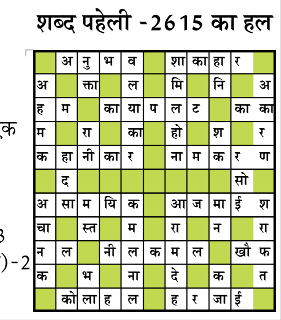

सीएम रेखा गुप्ता ने लॉन्च किया दुर्गा ई-ऑटो योजना का पोर्टल, महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को मिलेंगे 1300 पिंक ई-ऑटो

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में दुर्गा (ड्राइविंग, अपलिफ्टमेंट एंड रोजगार फॉर वुमेन/ट्रांसजेंडर ई-ऑटो) योजना का डिजिटल पोर्टल लॉन्च किया। योजना के पहले चरण में महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को कुल 1,300 गुलाबी इलेक्ट्रिक ऑटो आवंटित किए जाएंगे। इनमें 1,170 ई-ऑटो महिलाओं और 130 ई-ऑटो ट्रांसजेंडर्स के लिए निर्धारित हैं। सरकार का उद्देश्य इन वर्गों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ दिल्ली में सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा उन्हें सुरक्षित परिवहन व्यवस्था से जोड़ना दिल्ली सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। दुर्गा ई-ऑटो योजना के माध्यम से लाभार्थी इलेक्ट्रिक ऑटो के मालिक और चालक बनकर सम्मानजनक रोजगार हासिल कर सकेंगे। इस अवसर पर परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में बड़े नक्सली डंप से 13 हथियार, 208 डेटोनेटर और विस्फोटक बरामद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों द्वारा लगातार चलाये जा रहे सर्चिंग अभियान के तहत किस्टाराम थाना क्षेत्र के ग्राम पालाचलमा के दुर्गम पहाड़ी-जंगल क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गए नक्सली डम्प का पता चला। सुरक्षाबलों ने डम्प से कुल 13 हथियार, 46 जिंदा राउंड, बीजीएल लॉन्चर, 208 नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर तथा विस्फोटक सामग्री और अन्य नक्सली उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई है। इसकी पुष्टि सुकमा एसपी मयंक गुर्जर ने आज करते हुए कहा कि जिले में शांति, सुरक्षा और विकास का वातावरण मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से दुर्गम जंगलों एवं पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार एरिया डोमिनेशन और सर्चिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गए हथियारों, गोला-बारूद, विस्फोटकों और अन्य सामग्री के डम्प की तलाश जारी है।

मप्र कैबिनेट में वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत और विकसित मप्र के निर्माण में सरकार की प्रतिबद्धता का संकल्प सर्वसम्मति से पारित

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की विशेष बैठक हुई। सुशासन, विकास एवं राष्ट्र-कल्याण को समर्पित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के गौरवशाली, ऐतिहासिक एवं असाधारण 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ से अधिक जनता की ओर से मंत्रि-परिषद ने कृतज्ञतापूर्वक अभिनन्दन करते हुए संकल्प पारित किया। मंत्रि-परिषद ने वर्ष 2047 तक 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित मध्य प्रदेश' के निर्माण के महायज्ञ में, प्रधानमंत्री मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में कंधे से कंधा और कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का संकल्प सर्वसम्मति से पारित किया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की विशेष बैठक में पारित संकल्प के बारे में मीडिया को जानकारी दी। इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने लोक सेवा के 25 वर्षों में अनथक एवं अहर्निश पुरुषार्थ के बल पर केवल संकल्प ही नहीं लिए बल्कि उन्हें सिद्ध करके भी दिखाया है।

मप्र में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 55 लाख रुपये की साइबर ठगी का खुलासा, तीन आरोपित गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश में साइबर अपराधों के विरुद्ध पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रतलाम पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 55 लाख रुपये की साइबर ठगी के प्रकरण का खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से ठगी की राशि में से लगभग 20 लाख रुपये होल्ड कराने में सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपितों में से दो आरोपितों को हैदराबाद और एक आरोपित को धारवाड़, कर्नाटक से गिरफ्तार किया गया। पुलिस मुख्यालय भोपाल के अनुसार, प्रकरण में फरियादी, जो कुवैत में मोटर पार्ट्स का व्यवसाय करते हैं और वर्तमान में रतलाम में रह रहे थे, उनको 15 सितंबर को अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कर स्वयं को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताया गया। कॉल करने वाले ने मोबाइल नंबर के कथित आपराधिक उपयोग तथा पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े व्यक्ति से बातचीत जैसे गंभीर आरोप लगाकर फरियादी को भयभीत किया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने छह राज्यों में राज्यपालों की नियुक्ति और स्थानांतरण को दी मंजूरी

हरियाणा की वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न राज्यों के राज्यपालों की नियुक्ति और स्थानांतरण को मंजूरी दे दी है। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चार नए राज्यपाल नियुक्त किए गए हैं, जबकि दो मौजूदा राज्यपालों को स्थान्तरित किया गया है। नई नियुक्तियों के तहत ओम प्रकाश माथुर (जो वर्तमान में सिक्किम के राज्यपाल हैं) को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को तमिलनाडु का राज्यपाल बनाया गया है। इसके अलावा बृज मोहन राम को ओडिशा, डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक, डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड और दुष्यंत कुमार गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। ये नियुक्तियां संबंधित पदों का कार्यभार संभालने की तिथि से प्रभावी होंगी।

हरियाणा की वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह कारगिल युद्ध में शहीद हुए बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट सुखबीर सिंह यादव की पत्नी हैं। डॉ. यादव महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र का

प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और भाजपा संसदीय बोर्ड की सदस्य भी रही हैं। रसायन विज्ञान में आईआईटी रुड़की से एमएससी और पीएचडी करने वाली डॉ. यादव 2019 से 2022 तक राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य भी रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति को ओबीसी समाज और शहीद सैनिकों के परिवारों के सम्मान से जोड़कर देखा जा रहा है। दिल्ली से आने वाले दलित नेता दुष्यंत कुमार गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बनाया गया है। उन्होंने आरएसएस और भाजपा में करीब पांच दशक तक संगठनात्मक कार्य किया है। वह भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं। नगर निगम पार्षद से लेकर राज्यसभा सदस्य तक का सफर तय करने वाले गौतम की नियुक्ति को जमीनी स्तर से उभरे दलित नेतृत्व के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। ओबीसी समुदाय से आने वाले बिसेन चार बार विधायक और बालाघाट से सांसद रह चुके हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार में स्कूल शिक्षा, वन, परिवहन और खनन जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाली है। आयुर्वेद चिकित्सक के रूप में भी उनकी पहचान रही है और भारतीय चिकित्सा पद्धति के प्रति उनकी विशेष रुचि रही है। झारखंड के वरिष्ठ दलित नेता बृज मोहन राम को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। किसान परिवार से आने वाले राम अविभाजित बिहार में विधायक रह चुके हैं और पलामू से तीन बार लोकसभा सदस्य चुने गए थे। उन्होंने अनुसूचित जाति मोर्चा और धोबी महासंघ में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई तथा शिक्षा के क्षेत्र में भी योगदान दिया।

भारत को शक्तिशाली बनाना लक्ष्य, लेकिन किसी पर प्रभुत्व नहीं: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

एजेंसी

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) के 66वें पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को 'भारत के मूल मूल्य, राष्ट्रीय हित और राष्ट्रीय उद्देश्य' विषय पर संबोधित किया। उपराष्ट्रपति ने भारतीय सशस्त्र बलों, सिविल सेवाओं, पुलिस और अन्य सरकारी संगठनों के अधिकारियों के साथ-साथ मित्र देशों के 41 अधिकारियों सहित 122 प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए समकालीन सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में रणनीतिक सोच, एकीकृत नीति निर्माण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि देश के मूल मूल्य ही उसकी पहचान की नींव होते हैं। उन्होंने बताया कि भारत हमेशा 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी 'पूरी दुनिया एक परिवार है' की भावना में विश्वास करता है। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान दूसरे देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराने, आपदा के समय मदद पहुंचाने और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में

भारत की सक्रिय भूमिका को इसका उदाहरण बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के राष्ट्रीय हित संप्रभुता, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता जैसे संवैधानिक मूल्यों से प्रेरित हैं। उन्होंने भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना, इसके लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और संघीय स्वरूप को बनाए रखना, इसके रणनीतिक, राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य उद्देश्यों को आगे बढ़ाना, विकास और मानव विकास के लिए एक स्थिर और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना और अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं स्थिरता में योगदान देना जैसी पांच व्यापक प्राथमिकताओं पर बल दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा के बढ़ते परस्पर जुड़ाव का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने आतंकवाद, साइबर खतरों, महामारियों, जलवायु परिवर्तन और अंतरराष्ट्रीय अपराध जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हितों की रक्षा और साझा वैश्विक हितों को आगे बढ़ाना अक्सर परस्पर सहायक उद्देश्य होते हैं, जिनके लिए समन्वित कार्रवाई, सूचना साझाकरण और राष्ट्रों के बीच आपसी विश्वास की आवश्यकता होती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय लक्ष्य बताते हुए उपराष्ट्रपति ने उपलब्ध संसाधनों, सुदृढ़ नीतिगत विकल्पों और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ दीर्घकालिक दृष्टिकोण को संरेखित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कूनो में मादा चीता आशा के 8 माह के शावक की मौत, वन विभाग की टीम को मिला शव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबियाई मादा चीता आशा के एक शावक की मौत हो गई। करीब आठ माह के इस शावक का शव वन विभाग की टीम को मिला है। फिलहाल शावक की मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। वन

विभाग के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह का पता चल सकेगा। चीता परियोजना के फील्ड डायरेक्टर की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी दी गई कि कूनो उद्यान के जंगल में सोमवार सुबह निगरानी के दौरान मादा चीता आशा अपने पांच शावकों में से चार के साथ दिखी। एक शावक के गायब होने के बाद वन विभाग की टीम ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद शावक मृत अवस्था में मिला। इस शावक की मौत के बाद कूनो नेशनल पार्क में चीतों की संख्या 53 रह गई है, जिनमें 40 भारत में जन्मे हैं। देश में अब कुल 59 चीते हैं। कूनो में 15 चीते खुले जंगल में हैं, जबकि गांधी सागर अभयारण्य में चार और वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में दो चीते हैं।

राहुल गांधी बताएं, क्या कांग्रेस शासन में मोदी वोट चोरी कर गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे: मुख्यमंत्री सरमा

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने चुनाव में कथित वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें चुनौती दी कि वह पहले अपने राजनीतिक पदों को लेकर सवालों का जवाब दें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष के नेता के पद से इस्तीफा देना चाहिए और केरल तथा कर्नाटक की कांग्रेस सरकारों को भी इस्तीफा देने के लिए कहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि जब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे, तब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की थी। ऐसे में राहुल गांधी को बताना चाहिए कि क्या मोदी भी वोट चोरी करके गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। डॉ. सरमा ने कहा कि जिस चुनाव में नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे, उसी चुनाव में राहुल गांधी भी लोकसभा में विपक्ष के नेता बने। उन्होंने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी भी वोट चोरी करके विपक्ष के नेता बने हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह असम में मतपत्रों के जरिए चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पिछले दो-तीन दिनों से दिल्ली में राजनीतिक तमाशा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी विदेशी ताकतों के प्रभाव में काम कर रहे हैं तथा उन्हें देश का चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और संसद पसंद नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव आयोग के बाद अब सुप्रीम कोर्ट को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। डॉ. सरमा ने कहा कि कांग्रेस की ओर से इस तरह की कथित ब्लैकमेलिंग को कोई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने राहुल गांधी की राजनीतिक गतिविधियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें देश की युवा पीढ़ी की भी चिंता नहीं है।

भाजपा का राहुल गांधी पर महिला पत्रकार के साथ धक्का-मुक्की का आरोप

'सार्वजनिक जीवन में महिलाओं के सम्मान तथा पत्रकारों की सुरक्षा को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर एक महिला पत्रकार के साथ कथित धक्का-मुक्की करने का आरोप लगाया है। भंडारी के मुताबिक, विरोध प्रदर्शन की कवरेज कर रही महिला पत्रकार ऋचा को राहुल गांधी ने कथित तौर पर पकड़कर खींचा और जमीन पर गिरा दिया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी और कांग्रेस की सोशल मीडिया पर आलोचना की। उन्होंने

कहा कि महिला पत्रकार केवल विरोध प्रदर्शन की रिपोर्टिंग कर रही थीं और वह राहुल गांधी से कोई सवाल भी नहीं पूछ रही थीं। इसके बावजूद उनके साथ इस तरह का व्यवहार किए जाने का आरोप गंभीर है। भंडारी ने कहा कि भाजपा नेताओं ने अस्पताल जाकर महिला पत्रकार से मुलाकात की। उनके अनुसार, पत्रकार ने बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने उनका कंधा पकड़कर खींचा, जिससे वह जमीन पर गिर गईं। भंडारी ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के समय कांग्रेस के किसी कार्यकर्ता ने पत्रकार की मदद नहीं की, बल्कि उनके खिलाफ ही सवाल उठाने की कोशिश की। भाजपा नेता ने राहुल गांधी के महिला सम्मान और पितृसत्ता के खिलाफ दिए जाने वाले बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके सार्वजनिक नारों और कथित व्यवहार के बीच विरोधाभास दिखाई देता है।

'आज डेटा, ज्ञान और इनोवेशन ही शक्ति है'

ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में बोले पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में कहा, 'आप सभी का भारत में बहुत-बहुत स्वागत है। कुछ देर पहले मिस्टर ब्लूमबर्ग ने यहां अपने विचार रखे। उनका तीस साल का लंबा सफर रहा है और वे मुझसे कह रहे थे कि मैं उनका दोस्त हूं। वे मीडिया के क्षेत्र में एक वरिष्ठ हस्ती, बेहद सफल पेशेवर और एक समर्पित व्यक्ति भी हैं। मैंने भारत के प्रति उनके प्रेम को गहराई से महसूस किया है।' उन्होंने कहा, 'हर बार ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम दुनिया के बेहतरीन माइंड्स को एक साथ लाता है। यहां इकोनॉमी पर चर्चा

होती है। टेक्नोलॉजी, एनर्जी और ग्लोबल अफेयर्स पर विमर्श होता है। इस बार पहली बार यह आयोजन भारत में हो रहा है। मैं मिस्टर ब्लूमबर्ग और उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आपने सही समय पर सही जगह चुनी है।' पीएम मोदी ने कहा, 'इस साल ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम की थीम दुनिया में उभरती नई पावर पर केंद्रित है। हर युग में पावर के अपने स्रोत और अपनी परिभाषा रही है, लेकिन 21वीं सदी में, खासकर इस तीसरे दशक में, बड़ा बदलाव हो रहा है। आज, डेटा ही शक्ति है, ज्ञान ही शक्ति है, इनोवेशन ही शक्ति है। असली सवाल यह नहीं है कि पावर किसके पास है, बल्कि सवाल यह है कि इसका इस्तेमाल कैसे हो रहा है। क्या टेक्नोलॉजी कुछ लोगों को आगे बढ़ाएगी या करोड़ों लोगों के लिए नए अवसर बनाएगी? क्या नॉलेज केवल कुछ लोगों की ताकत बनी रहेगी या सबकी क्षमता बढ़ाएगी? यहीं से एक नया विचार जन्म लेता है और यह विचार है- पावर टू एंपावर।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'पावर टू एंपावर करने वाला यह जो मानवीय भाव है, यह सिर्फ दूसरों को उपदेश देने के लिए नहीं है। यह हजारों वर्षों की परंपरा ने हमें सिखाया है। भारत में हमने इसे अपनी गवर्नेंस में, अपनी कार्य संस्कृति में लागू करके दिखाया है।' उन्होंने कहा कि दोस्तों, यह विचार भारत के लिए नया नहीं है।

जनरल धीरज सेठ ने एशियन गेम्स 2026 में मेडल जीतने वाले भारतीय सेना के खिलाड़ियों को किया सम्मानित

बोले- देश इनकी उपलब्धियों को रखेगा याद

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने एशियन गेम्स 2026 में देश के लिए मेडल लाने वाले सेना के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि देश इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों को याद रखेगा। इसके साथ ही सेना प्रमुख ने उम्मीद जताई कि भविष्य में यह एथलीट और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों को सम्मानित करने के बाद धीरज सेठ ने कहा, 'आज का दिन मेरे लिए बहुत खुशी का दिन रहा है, क्योंकि मैंने पिछले आधे घंटे हमारे बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ बिताए हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस तरह सेना उसी जज्बे के साथ देश की रक्षा करती है, उसी तरह इन खिलाड़ियों ने दिखाया है कि लगन, कड़ी मेहनत और उसी जज्बे से क्या कुछ हासिल किया जा सकता है। देश उनकी उपलब्धियों को याद रखेगा, और मुझे यकीन है कि आने वाले वर्षों

में उनके प्रदर्शन का स्तर और भी बेहतर होगा। मैं आज यहां मौजूद खिलाड़ियों को उनकी लगन और कड़ी मेहनत के लिए बधाई देना चाहता हूं। चाहे एशियाई स्तर हो या कॉमनवेल्थ गेम्स, इस स्तर पर मेडल जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, और उन्होंने इसे हासिल किया है।' एशियन गेम्स में शूटिंग में तीन मेडल जीतने वाली नीरू ढांडा ने आईएएनएस के साथ बात करते हुए कहा कि यह मेडल जीतना उनके लिए सौभाग्य की बात है। नीरू ने अपनी सफलता का श्रेय भारतीय सेना के अनुशासन को दिया। उन्होंने कहा कि इसी अनुशासन के चलते ही वह यहां तक पहुंच सकी हैं। नीरू ने कहा कि शूटिंग के खेल में खुद को शांत और एकाग्र रखना होता है। उन्होंने यह चीजें सेना में रहते हुए सीखी हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक पहुंचने के लिए वर्षों की मेहनत लगी है। नीरू ने कहा, 'मैं भारतीय सेना में यह तीन मेडल जीतकर छोटा सा ही योगदान दे सकी हूं।' नीरू ने बताया कि सेना प्रमुख धीरज सेठ हमेशा ही खिलाड़ियों को मोटिवेट करते हैं और खेल में अपना 110 प्रतिशत देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। सेना प्रमुख ने खेल का आनंद लेने की सलाह दी और मेडल जीतकर देश के लिए योगदान देने की बात कही। एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले भारतीय रेसलर दीपक पूनिया ने माना कि एशियन गेम्स में खेलना और मेडल जीतना बिल्कुल भी आसान नहीं होता है।

तबादले की अफवाह पर तुकराम मुंढे ने लगाया विराम: कहा- न ट्रांसफर हुआ, न एफडीए से हटा, मिलावट के खिलाफ जंग जारी

सोशल मीडिया पर मुंढे ने दूर किया भ्रम

एजेंसी

मुंबई। मुंढे के तबादले की चर्चा उस समय तेज हुई, जब राज्य सरकार ने महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) की परीक्षाओं में पेपर लीक और कथित गड़बड़ियों की जांच के लिए गठित पांच सदस्यीय समिति में उन्हें सचिव बनाया। इसके बाद उनके एफडीए से हटने की अटकलें लगने लगीं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुंढे ने इन चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा, 'नहीं, मेरा एफडीए से तबादला नहीं हुआ है।' उन्होंने आगे कहा कि वह महाराष्ट्र एफडीए के कमिश्नर के तौर पर काम कर रहे हैं और असुरक्षित व मिलावटी खाद्य पदार्थों के साथ नकली और घटिया दवाओं के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।

खाने-पीने की दुकानों पर बढ़ी सख्ती

एफडीए में मुंढे के कार्यकाल के दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज हुई है।

विभाग ने होटल, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य कारोबारों में निरीक्षण और छापेमारी बढ़ाई है। असुरक्षित या मिलावटी खाद्य सामग्री के इस्तेमाल और बिक्री के साथ लाइसेंस तथा दूसरे जरूरी नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई की गई है।

ग्राहकों ने सराहा, कारोबारियों ने जताया विरोध

विभाग की सख्ती को लेकर लोगों के बीच मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। जहां कई उपभोक्ताओं ने खाने की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का स्वागत किया है, वहीं कुछ रेस्टोरेंट संचालकों और खाद्य कारोबारियों ने कार्रवाई पर आपत्ति जताई है। विभाग के कुछ फैसलों को अदालतों में चुनौती भी दी गई है, जिससे एफडीए की कार्रवाई के कानूनी पहलुओं पर चर्चा तेज हुई है।

एमपीएससी की गड़बड़ियों की जांच करेंगे मुंढे

मुंढे को जांच समिति में शामिल करने का फैसला एमपीएससी की कार्यप्रणाली को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद आया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिछले सप्ताह समिति के गठन की घोषणा की थी। यह समिति आयोग के मौजूदा और पूर्व अध्यक्षों के साथ-साथ सदस्यों के कार्यकाल की भी जांच करेगी। ऐसे में मुंढे की एफडीए में जिम्मेदारी जारी रहने के साथ एमपीएससी से जुड़े मामले में उनकी नई भूमिका पर भी नजर रहेगी।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच आज खेला जाएगा चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय

हैदराबाद (एजेंसी)। यहां हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बुधवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। भारतीय टीम अभी सीरीज में 2-1 से बढ़त पर है ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना रहेगा। वहीं मेहमान टीम वेस्टइंडीज भी इसे जीतकर वापसी करना चाहेगी। भारतीय टीम ने लखनऊ में खेले गए पहले टी20 में जीत दर्ज की थी जबकि रांची में खेले गए दूसरे मैच में वेस्टइंडीज ने जीत दर्ज की थी। उस मैच में वेस्टइंडीज ने 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की। वहीं तीसरे टी20 में भारतीय टीम ने 14 रनों से जीत हासिल की। अब चौथा टी20 हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

गौरतलब है कि राजीव गांधी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रहती है। पिच सपाट है, जहां गेंद बल्ले पर अच्छे से आती है। ऐसे में चौथा टी20 भी बड़े स्कोर वाला होने के संकेत है। यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को चाहिए कि 210-220 रन बनाए जाए।

वहीं अगर रिकार्ड की बात करें तो इस स्टेडियम में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। यहां कुल 3 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले गए हैं। इसमें भारतीय टीम ने तीनों में जीत दर्ज की है। ऐसे में इस बार भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है।

दोनों टीमों के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिकॉर्ड भी काफी दिलचस्प रहा है, जिसमें भी टीम इंडिया का पलड़ा भारी नजर आता है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच इस फॉर्मेट में अब तक कुल 35 बार भिड़ंत हुई है। इन 35 मुकाबलों में से 22 में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है, जो उनकी श्रेष्ठता को दर्शाता है। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम ने 11 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि एक मैच का कोई परिणाम नहीं निकला था। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय टीम वेस्टइंडीज पर टी20 में ऐतिहासिक रूप से हावी रही है, लेकिन हाली के प्रदर्शन ने मेहमान टीम के आत्मविश्वास को काफी बढ़ाया है। ऐसे में वह कोई कसर नहीं रखेगी।

टीम इस प्रकार है

भारतीय टीम- श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, मयंक यादव और नमन धीर

वेस्टइंडीज टीम- शाई होप (कप्तान, विकेटकीपर), ज्वेल एंड्रयू (विकेटकीपर), आमिर जांगू (विकेटकीपर), रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, शिमरन हेटमायर, अकील हुसैन, शमार जोसेफ, गुडाकेश मोती, कीमो पॉल, कामिल पूरन, रोवमैन पॉवेल, शरफेन रदरफोर्ड, क्वेंटिन सैम्पसन, रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर

शुभमन सबसे अधिक पांच बार प्लेयर ऑफ द मंथ जीतने वाले भारतीय बने

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल ने को पांचवीं बार महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मंगलवार, 13 अक्टूबर को उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा, जिसके साथ वह इस अवार्ड को सबसे ज्यादा बार जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

शुभमन की यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेटरों के बीच उन्हें एक अलग ही मुकाम पर स्थापित करती है। जहां वह अकेले पांच खिताब के साथ शीर्ष पर काबिज हैं, वहीं दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से जसप्रीत बुमराह और श्रेयस अय्यर दो-दो खिताब के साथ मौजूद हैं। वहीं हैरानी की बात है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल विराट कोहली ने यह सम्मान सिर्फ एक बार ही हासिल किया है। कोहली के अलावा, ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन, भुवनेश्वर कुमार, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन जैसे भारतीय खिलाड़ियों ने भी एक-एक बार इस प्रतिष्ठित खिताब को अपने नाम किया है।

शुभमन गिल के पांच प्लेयर ऑफ द मंथ खिताबों में जनवरी 2023, सितंबर 2023, फरवरी 2025, जुलाई 2025 और सितंबर 2026 के अवार्ड शामिल हैं, जो उनकी अद्भुत निरंतरता और भविष्य की क्रिकेट में उनके संभावित दबदबे की ओर इशारा करते हैं।

गंभीर टीम में जरुरत से अधिक बदलाव कर रहे : वॉटसन

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर जिस प्रकार से टीम में लगातार बदलाव कर रहे हैं। वह सही नहीं है। वॉटसन के अनुसार हद से ज्यादा बदलाव होने से खिलाड़ी अपनी भूमिका ठीक से समझ नहीं पाते हैं इससे एक बार फिर गंभीर के कामकाज के तरीके पर सवाल उठे हैं। वॉटसन के अनुसार कि इसी कारण भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी नजर आती है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ कारण बल्लेबाजी क्रम के साथ ही खिलाड़ियों में बार-बार बदलाव किया जाना है। इस पूर्व ऑलराउंडर ने हालांकि माना है कि कुछ उभरते खिलाड़ियों का समर्थन करने से लाभ भी मिला है। इन खिलाड़ियों ने बेहतर परिणाम दिये हैं।

गौरतलब है कि गंभीर के भारतीय टीम का में भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के बाद से ही टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप का खिताब जीता है। इन सफलताओं के बावजूद, भारतीय टीम का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन कमजोर रहा है। उसे घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, इसी साल भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में भी हार मिली। पिछले एक साल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ भी टीम को हार झेलनी पड़ी है। इस साल जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी भारतीय टीम हारी है। वॉटसन ने कहा कि टीम में लगातार बदलाव होने से खिलाड़ियों के लिए अपनी भूमिका समझना और एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाना कठिन होता है। साथ ही कहा कि जब बल्लेबाजी क्रम में बार-बार बदलाव होता है और खिलाड़ी लगातार टीम में आते-जाते रहते हैं, तो टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित होता है। वॉटसन के अनुसार भारतीय टीम के हालिया उतार-चढ़ाव के पीछे भी यही कारण है। वॉटसन ने गंभीर के काम की सराहना भी की है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में गंभीर ने कई अच्छी चीजें भी जोड़ी हैं। खिलाड़ियों पर भरोसा जताना उनकी सकारात्मक रणनीतियों में से एक है। वॉटसन के अनुसार, गंभीर ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का लगातार समर्थन किया और सैमसन ने टी20 विश्व कप के अहम मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करके इस भरोसे को सही साबित किया। इससे पता चलता है कि खिलाड़ियों को अवसर देना और उन पर भरोसा बनाए रखना टीम के लिए लाभकारी हो सकता है।

जोसेफिन की कप्तानी में भारत का दौरा करेगी जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम अनुभवी ऑलराउंडर जोसेफिन नकोमो की कप्तानी में भारत दौरे पर पहुंचेगी। 15 सदस्यीय जिम्बाब्वे की टीम 16 अक्टूबर से भरत दौर पर रहेगी। ये उसकी महिला टीम का पहला भारत दौरा होग। यह दौरा जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट के लिए एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। इससे वह वे विश्व की शीर्ष टीमों में से एक भारत के खिलाफ खेलकर अपनी क्षमताओं का आंकलन कर सकेगी। करेंगी। जोसेफिन अपनी ऑलराउंड क्षमता और नेतृत्व कौशल के लिए जानी जाती हैं के ऊपर अपनी टीम को इस चुनौतीपूर्ण अभियान में मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी होगी।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने इस दौरे के लिए अपनी टीम में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में शामिल रहीं मुख्य खिलाड़ियों को ही बनाये रखा है। बरकरार जिससे की टीम में निरंतरता बनी रहे। जिम्बाब्वे ने हरारे में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए दूसरे एकदिवसीय में चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की थी। इस जीत में अहम भूमिका निभाने वाली युवा तेज गेंदबाज न्याशा ग्वांजुरा और मिशेल मावुंगा को भी भारतीय दौरे के लिए रखा गया है। 15 सदस्यीय टीम में शामिल इन दोनों गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मिलकर सात विकेट लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था, और उनसे भारतीय पिचों पर भी अपनी स्विंग और गति से प्रभावित करने की उम्मीद होगी। उनका प्रदर्शन इस दौरे पर जिम्बाब्वे के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

इस दौरे की शुरुआत तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ होगी, जो 16, 18 और 20 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में खेले जाएंगे। इसके बाद, टीम गुजरात के बड़ौदा का रुख करेगी, जहाँ 23, 25 और 28 अक्टूबर को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच निर्धारित हैं। यह कार्यक्रम खिलाड़ियों को दोनों प्रारूपों में खुद को ढालने और विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करने का अवसर देगा।

वनडे मैच विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा हैं। यह चैंपियनशिप दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमों को एक-दूसरे के खिलाफ नियमित रूप से प्रतिस्पर्धा करने और सीधे महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का अवसर प्रदान करती है, जिससे प्रत्येक मैच का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत का यह दौरा जिम्बाब्वे की युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलने का अमूल्य अनुभव प्रदान करेगा। यह उनके कौशल को निखारने, अंतरराष्ट्रीय दबाव को संभालने और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने का एक सुनहरा अवसर है। इस दौरे से जिम्बाब्वे में महिला क्रिकेट के विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो युवा लड़कियों को खेल में भाग लेने और अपने देश का

प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा।

जिम्बाब्वे की टीम

जोसेफिन नकोमो (कप्तान), बीलव्ड बिज़ा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, केलिस नधलोवु, मिशेल मावुंगा, फ्रांसिस्का चिपारे, ओलिन्दर चारे, कुदज़ई चिगोरा, न्याशा ग्वांजुरा, नोमवेलो सिबांडा, लोरिन फिरी, चियेद्ज़ा धुरुरू, मोडेस्टर मुपाचिकवा, तेंदई मकुशा, शार्ने मेयर्स।

अल्कराज की हार के बाद ज्वेरेव ने रचा इतिहास, पहली बार ATP Year End नंबर-1 रैंकिंग हासिल की

शंघाई। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 2026 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने पहली बार ATP Year-End नंबर-1 रैंकिंग हासिल करना सुनिश्चित किया। स्पेन के कार्लोस अल्कराज को शंघाई मास्टर्स में मिली चौंकाने वाली हार के बाद ज्वेरेव का साल का शीर्ष रैंकिंग वाला खिलाड़ी बनना तय हो गया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले जर्मन खिलाड़ी बनेंगे।

29 वर्षीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के लिए यह उपलब्धि उनके शानदार 2026 सीजन में एक और बड़ी कामयाबी है। साल के अंत की ATP रैंकिंग की तारीख 23 नवंबर 2026 को उनकी उम्र 29 साल और 217 दिन होगी। इस तरह वह पहली बार वर्ष के नंबर-1 खिलाड़ी बनने वाले सबसे उम्रदराज टेनिस खिलाड़ी भी बन जाएंगे।

ज्वेरेव पहली बार साल के नंबर-1 खिलाड़ी बनने के मामले में अमेरिका के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी से तीन दिन बड़े होंगे। अगासी ने 1999 में 29 साल और 214 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। ज्वेरेव की यह कामयाबी उन्हें टेनिस इतिहास में एक खास स्थान दिलाएगी।

स्मिथ के हेलमेट पर लगी नोर्त्जे की बाउंसर, कनकशन जांच जारी

डरबन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन में जारी टेस्ट मैच के दौरान हेलमेट पर पर गेंद लगने के बाद से ही कनकशन जांच चल रही है। सिर में चोट लगने पर ये जांच होती है जिससे खिलाड़ी एक तय समय तक मैदान से दूर रहता है। स्मिथ के हेलमेट पर दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे की एक तेज बाउंसर लग गयी थी। जिससे वह कनकशन जांच के दायरे में आये। अब उनके बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

धोनी का आईपीएल में खेलना उन्हीं पर निर्भर : काशी

चेन्नई। आईपीएल फेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा है कि टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है। उन्होंने संकेत दिया है कि धोनी 2027 में टीम के लिए एक बार फिर उतर सकते हैं। धोनी को आईपीएल 2026 में चोटिल होने के कारण एक भी मैच नहीं खेलने की वजह से लीग से बाहर रहना पड़ा था, जिससे उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। इसी को लेकर काशी ने साफ किया कि धोनी का खेलना पूरी तरह से उन्हीं के फैसले पर निर्भर करेगा। साथ ही कहा कि फेंचाइजी प्रबंधन ने यह फैसला पूरी तरह से उन पर छोड़ दिया है। विश्वनाथन ने कहा, यह एक ऐसा सवाल है जो आपको उनसे पूछना चाहिए। मुझे भी उनसे पूछना होगा। जब वह चेन्नई आते हैं तो वह हमें अपने फैसले के बारे में बताते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि उनके सीएसके के लिए खेलते रहने के अवसर हैं। गौरतलब है कि 45 साल के हो चुके धोनी की अनुपस्थिति ने उनके आगामी आईपीएल सीजन में खेलने पर लगातार सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, टीम के पूर्व खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुरेश रैना ने धोनी को एक और आईपीएल सीजन के लिए वापसी करते देखने की अपनी प्रबल इच्छा व्यक्त की है। रैना ने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से धोनी से आईपीएल 2027 के लिए वापसी करने की गुजारिश की थी। रैना ने कहा, मैंने उनसे कहा कि आपने आईपीएल 2026 मिस कर दिया है। इसे गिना नहीं जाएगा। आपको अगले साल वापस आना होगा। रैना का मानना है कि धोनी ने वापसी के दरवाजे पूरी तरह से बंद नहीं किए हैं। यह उनका निजी फैसला होगा, लेकिन रैना को लगता है कि धोनी सकारात्मक हैं और वापसी के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। उन्होंने कहा, टीम भी फिर से अच्छी तरह से घुल-मिल रही है। फैंस भी चाहते हैं कि वह आएं।

भारतीय टीम की फील्डिंग को बेहतर बनाने काम करने के तरीके में बदलाव लाना होगा : श्रीधर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर का मानना है कि टीम की फील्डिंग को और बेहतर बनाने के लिए खिलाड़ियों की तैयारी के साथ ही उनके काम करने के तरीके में बदलाव लाना होगा। उन्होंने कहा कि जहां भारतीय टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शीर्ष स्तर हासिल किया है। वहीं फील्डिंग के क्षेत्र में वह अभी भी उस स्तर पर नहीं पहुंची है जैसी उससे अपेक्षा है। श्रीधर ने कहा, फील्डिंग में खिलाड़ियों की जवाबदेही बढ़ाने के साथ ही नियमित और केंद्रित अभ्यास तथा प्रदर्शन के स्पष्ट मानक तय करने होंगे।

श्रीधर ने माना है कि पिछले कुछ महीनों में भारतीय टीम की फील्डिंग का स्तर उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। उनके मुताबिक, भले ही हाल ही में टीम ने एक टी20 विश्व कप जीता हो, लेकिन फिर भी मैदान पर कई मौकों पर फील्डिंग में कमियां दिखी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक क्रिकेट, विशेषकर टी20 प्रारूप में, फील्डिंग को बल्लेबाजी और गेंदबाजी जितनी ही

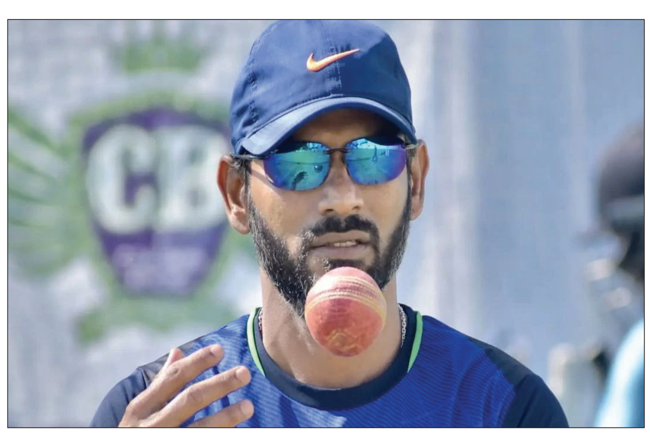

प्राथमिकता मिलनी चाहिए, क्योंकि एक बेहतरीन कैच या सटीक रनआउट मैच का रुख बदल सकता है।

श्रीधर ने कहा कि हाल के टी20 मुकाबलों के दौरान भारतीय टीम ने कुल 58 कैच छोड़े हैं। टीम की कैच पकड़ने की सफलता दर महज 73.4 प्रतिशत रही है, जो शीर्ष 10 टीमों में दूसरे सबसे निचले स्थान पर आती है। इन गंभीर गलतियों का टीम पर सीधा असर पड़ा है। जहां भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी अच्छी फील्डिंग से 129 रन बचाए, वहीं कैच छोड़ने और मैदानी फील्डिंग की गलतियों के कारण 226 अतिरिक्त रन विपक्षी टीम को मिले, जिससे टीम को कुल 97 रनों का नुकसान हुआ। इसके अतिरिक्त, भारतीय खिलाड़ियों ने 19 रनआउट के सुनहरे अवसर गंवाए, जबकि केवल 14 बार ही विपक्षी बल्लेबाजों को रनआउट किया जा सका।

श्रीधर ने घरेलू क्रिकेट व्यवस्था से भी इस दिशा में गंभीरता से काम करने की अपील की, जिससे टीम में शामिल होने वाले नए खिलाड़ियों को बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ-फील्डिंग में भी मजबूत बनाया जा सके।

न्यूजीलैंड दौरे को भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती बताते हुए श्रीधर ने कहा कि वहां का ठंडा मौसम और तेज हवाएं फील्डिंग पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। ऐसे में खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप खुद को जल्द ढालना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आधुनिक क्रिकेट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन गेंद तक पहुंचने की गति, रिएक्शन टाइम, कैच पकड़ने की सफलता दर और थ्रो की सटीकता जैसे आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए।

जाफर ने अपनी पसंदीदा भारत-पाक अंतिम ग्यारह में 6 भारतीय व 5 पाक खिलाड़ी रखे

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने भारत-पाकिस्तान को मिलाकर अपनी एक पसंदीदा सर्वकालिक एकदश घोषित की है। इसमें जाफर ने 11 में 6 खिलाड़ी भारत के जबकि 5 खिलाड़ी पाकिस्तान के रखे हैं। जाफर ने कहा कि, दोनों ही देशों में कई दिग्गज खिलाड़ी हुए हैं। इसलिए इस टीम का चयन करना उनके लिए बेहद कठिन रहा है। इस टीम में जाफर ने पारी की शुरुआत के लिए सचिन तेंदुलकर और सईद अनवर का रखा है जबकि नंबर 3 पर विराट कोहली है। जबकि नंबर चार पर पाक के इंजमाम उल हक को जगह मिल है। वहीं नंबर 5 पर जाफर ने युवराज सिंह को शामिल किया है जबकि नंबर 6 पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को जगह मिली है। धोनी को जाफर ने भारत-पाकिस्तान एकदिवसीय टीम की कप्तानी दी है। नंबर 7 पर वसीम जाफर ने पाक ऑराउडर अब्दुल रज्जाक जबकि नंबर 8 पर वसीम अकरम को रखा है। 9 पर पाक स्पिनर सकलैन मुश्ताक जबकि नंबर 10 पर वसीम जाफर को और नंबर 11 पर जाफर ने अनिल कुंबले को शामिल किया है।

वसीम जाफर की भारत-पाकिस्तान एकदिवसीय अंतिम ग्यारह - सचिन तेंदुलकर- सईद अनवर, विराट कोहली, इंजमाम उल हक, युवराज सिंह, धोनी (कप्तान), अब्दुल रज्जाक, वसीम अकरम, सकलैन मुश्ताक, जसप्रीत बुमराह, अनील कुंबले।

डायमंड लीग 2027 : 7 मई से दोहा में होगा आगाज, ज्यूरिख में खेला जाएगा फाइनल

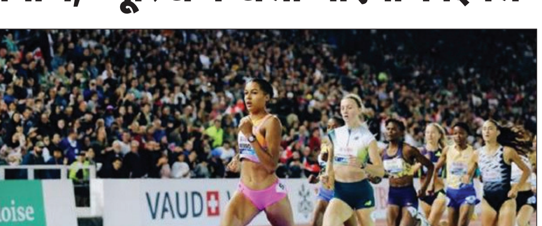

दोहा। 2027 डायमंड लीग सीजन की शुरुआत 7 मई को कतर की राजधानी दोहा में होगी। विश्व एथलेटिक्स की इस प्रतिष्ठित ट्रैक एंड फील्ड सीरीज का 18वां संस्करण लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 से लगभग एक साल पहले आयोजित किया जाएगा। दुनिया के शीर्ष एथलीट इस सीजन में अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ डायमंड लीग ट्रॉफी जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। 2027 डायमंड लीग का पहला मुकाबला 7 मई को दोहा में आयोजित होगा। इसके बाद सीरीज एशिया के अन्य शहरों की ओर बढ़ेगी, जहां शंघाई/केकियाओ और शियामेन में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। शुरुआती मुकाबलों में एथलीटों को नए सीजन में अपनी लय और फॉर्म साबित करने का मौका मिलेगा। डायमंड लीग का रोमांच 3 जुलाई को अमेरिका पहुंचेगा, जहां यूजीन, ओरेगन में प्रतिष्ठित प्रीफॉन्टेन क्लासिक आयोजित होगा। यह मुकाबला सीजन के अहम पड़ावों में से एक होगा। इसके बाद सीरीज एक बार फिर यूरोप लौटेगी, जहां कई महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। अमेरिका में मुकाबले के बाद डायमंड लीग का आयोजन मोनाको, लुसाने, लंदन, सिलेसिया और ब्रुसेल्स में होगा। इन प्रतियोगिताओं में एथलीटों के पास अंक जुटाकर फाइनल के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका रहेगा। सीजन के दौरान लगातार अच्छा प्रदर्शन करना खिताबी मुकाबले तक पहुंचने के लिए अहम होगा। 2027 डायमंड लीग का फाइनल 25 और 26 अगस्त को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस मुकाबले में सीजन के शीर्ष एथलीट डायमंड लीग ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। फाइनल के साथ ही इस प्रतिष्ठित सीरीज के विजेताओं का फैसला होगा। डायमंड लीग का फाइनल बीजिंग में 10 से 19 सितंबर तक होने वाली 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से कुछ सप्ताह पहले आयोजित किया जाएगा। ऐसे में एथलीटों के लिए यह सीजन बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की तैयारी का महत्वपूर्ण अवसर होगा। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 से पहले भी यह सीरीज खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर रखने का अहम मंच बनेगी।

शमी ने रणजी में शानदार प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं पर भी निशाना साधा

मुम्बई (एजेंसी)। बंगाल की ओर से खेलते हुए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने दिल्ली के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं पर निशान साधा है। शमी ने न केवल अपनी घातक गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान किया, बल्कि अपनी फिटनेस और टीम इंडिया में वापसी को लेकर दिए गए बयानों से भी सुर्खियां बटोरीं, जिनमें इशारों-इशारों में चयनकर्ताओं पर भी तंज कसा। दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में, शमी ने अपनी पुरानी लय में लौटते हुए 17.3 ओवर में सिर्फ 30 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। इस दौरान उन्होंने 9 मेडन ओवर भी फेंके, जिससे दिल्ली की पूरी टीम महज 240 रनों पर सिमट गई। शमी की यह धारदार गेंदबाजी उनकी फिटनेस और फॉर्म का स्पष्ट प्रमाण थी, जिससे

उनके अनुभव और कौशल की झलक साफ दिखाई दी।

दिन का खेल समाप्त होने के बाद जब शमी से उनकी फिटनेस को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने जवाब दिया। शमी ने कहा, 'आप मेरी फिटनेस देख रहे हैं, लिख दीजिए। आप मुझे देख रहे हैं, मेरे कहने से क्या होगा? मैं मैदान पर हूं, खेल रहा हूं और जहां भी मौका मिल रहा है, वहां खेल रहा हूं।' उनके इस जवाब से साफ था कि वह अपनी बातों से नहीं, बल्कि मैदान पर अपने प्रदर्शन से अपनी फिटनेस साबित करना चाहते हैं। फिटनेस के अलावा, शमी से यह भी पूछा गया कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उन्हें भारतीय टीम में क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है। इसके जवाब में शमी ने चयनकर्ताओं पर तंज कसते हुए कहा, ÷मैं अच्छा गेंदबाज नहीं हूं। शायद ये वजह रही होगी।÷ शमी के इस कटाक्ष भरे बयान से उनकी निराशा और टीम में नहीं चुने जाने की पीड़ा साफ झलक रही थी। यह बयान स्पष्ट रूप से उन चयनकर्ताओं को संबोधित था जो उनके शानदार घरेलू प्रदर्शन के बावजूद उन्हें नजरअंदाज कर रहे हैं। वहीं शमी ने चार साल बाद टीम इंडिया में वापसी करने वाले तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के लिए भी खुशी जाहिर की। शमी ने भुवनेश्वर को लेकर कहा, 'भुवी की पहले ही वापसी हो जानी चाहिए थी। दिक्कत ये है कि वह ज्यादा किसी से बात नहीं करता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उनकी प्रतिभा को लंबे समय तक रोका जाए। यह उनके लिए अच्छा है। उन्होंने आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इसके हकदार हैं।' शमी का यह बयान न केवल साथी खिलाड़ी के प्रति सम्मान दर्शाता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से यह भी संकेत देता है कि कभी-कभी मुखर न होना भी चयन प्रक्रिया में बाधा बन सकता है।

रियाद में मिसाइल हमले के कारण मैच में आई बाधा, रोनाल्डो की अल नासर जीती

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मिसाइल हमले के कारण अल नासर और नफ्तची फरगाना के बीच होने वाला एशियन चैंपियंस लीग फुटबॉल मैच एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। इस मैच में स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी खेल रहे थे। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागे गए इस मिसाइल हमले के कारण मैच में बाधा आई। सऊदी रक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई से मिसाइल को सफलतापूर्वक हवा में ही नष्ट कर दिया गया, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई और मैच आखिरकार खेला जा सका। इस मुकाबले में अल नासर ने 3-1 से शानदार जीत दर्ज की, जिसमें स्वयं क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी एक गोल दागकर अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया। स्थानीय समयानुसार अल-अव्वल पार्क में रात 9:15 बजे शुरू होने वाले इस मैच से ठीक पहले, रियाद में धमाकों की तेज आवाजें सुनाई दीं, जिसने स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों और खिलाड़ियों को चिंता में डाल दिया। इस दौरान, लोगों के मोबाइल फोन पर हवाई हमले के खतरे का अलर्ट जारी किया गया, जिसमें उन्हें शांत रहने, अपने घरों में रहने या सुरक्षित स्थानों पर जाने, नागरिक सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और खिड़कियों व दरवाजों से दूर रहने की सलाह दी गई। इस अप्रत्याशित और तनावपूर्ण स्थिति के कारण मैच को तुरंत रोक दिया गया।

मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूं

अवस्थी परिवार में आपका स्वागत है; जहां ड्रामा है, मस्ती है और सबसे बढ़कर एक डायन का राज है! अमेज़न स्टूडियोज़ और कलर येलो की फिल्म 'नई नवेली' की कहानी एक जाने-पहचाने भारतीय परिवार की झलक देती है। कहानी में एक आम परिवार की दुनिया बेहद दिलचस्प तरीके से बदल जाती है, और फिर इसमें लार्जर देन लाइफ किरदारों, परिवार में होने वाले मजाक और ढेर सारे ट्विस्ट और टर्न के अलावा फैमिली डॉग के भी उस उथल पुथल में शामिल हो जाने की झलक मिलती है। फैमिली, कॉमेडी, फंटेसी, मिस्ट्री और एक्शन को एक साथ मिलाते हुए फिल्म दर्शकों के सामने एक साथ मस्ती, ह्यूमर, इमोशन और बहुत सारे दिलचस्प सरप्राइज़ लेकर आती है। फिल्म की कहानी भारतीय परिवार के जड़ों से जुड़ी हुई है, और इस तरह से ये दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में लेकर जा रही है जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा है। हर नई परत के खुलने के साथ नई नवेली फिल्म अपनी तरह की इकलौती लार्जर देन लाइफ बिग स्क्रीन एडवेंचर बनकर इस दशहरा के मौके पर कुछ अलग देने का वादा करती है। कहानी के केंद्र में नेशनल अवॉर्ड विनर यामी गौतम धर मोहिनी के किरदार के साथ एक बेहद अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। जबरदस्त लुक से लेकर बॉडी लैंग्वेज तक, उनकी कॉमिक बिट्स और एक्शन किरदार में सेंस ऑफ सरप्राइज़ लेकर आ रहे हैं। एक इवेंट में यामी ने अपने रोल के बारे में और उसकी तैयारी करने के प्रोसेस पर बात की कि कैसे उन्होंने मोहिनी को एक पूरी तरह से नई पर्सनालिटी बनाई है। उन्होंने साझा करते हुए कहा, हर रोल अपने साथ एक नए चैलेंज और डिमांड लाता है। जब भी कोई मुझसे किसी रोल की तैयारी के बारे में पूछता है, तब मैं उस याद में चली जाती हूं, जब मैने पहली बार उस रोल के बारे में सुना या पढ़ा था। यामी ने कहा, तब आपको एहसास होता है कि मज़ा तो बहुत आ रहा है, लेकिन आपको बहुत सी चीज़ें भी सीखनी पड़ती हैं, जैसे स्किल्स, एक्शन, और बॉडी लैंग्वेज। यह ऐसा है जैसे आपको अपने सामने एक पैरेलल पर्सनैलिटी बनानी है और फिर उसे अपनी स्किन की तरह पहनना है, वही इंसान बनना है। आगे बात करते हुए वे कहती हैं, मैं ऐसी स्टूडेंट हूं जो हमेशा सोचती रहती हूं कि तैयारी में कहीं कुछ कमी तो नहीं रह गई। मेरा मानना है कि आप जितनी बार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, उतना ही आपको अपने किरदार या कहानी में कुछ नया जोड़ने का मौका मिलता है। फिल्म की नब्ज समझना बहुत जरूरी है। मोहिनी उसी तरह नहीं हंसेगी, जैसे मैंने अपनी दूसरी फिल्मों में निभाए किरदारों में हंसी है। मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट, कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूं, ताकि ऑडियंस को भी उसे देखने में मजा आए। यामी गौतम धर स्टारर इस फिल्म को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अड्डिनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

आईटी सर्च में नाम आने पर रकुल प्रीत सिंह ने दी सफाई

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने इनकम टैक्स छापों से अपना नाम जुड़ने की खबरों पर रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, 28 सितंबर को आयकर विभाग ने अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह और फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। 28 सितंबर 2026 को मुंबई में आयकर विभाग ने रकुलप्रीत सिंह, वासु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज के परिसरों की तलाशी ली थी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मीडिया द्वारा गलत अफवाहों को फैलाने पर अफसोस जताया। उन्होंने लिखा, 'यह देखकर बहुत दुख होता है कि आजकल कुछ खुद को रिपोर्टर कहने वाले लोग और कुछ बड़े मीडिया पत्रकार बिना सच्चाई जाने खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं। इसलिए, मैं एक बार फिर सब कुछ साफ कर देती हूं।' उन्होंने आगे लिखा, 'अभी हाल ही में हमारे घर में जो तलाशी हुई है, उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। इस बात हर कोई वाकिफ है कि मैं एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखती हूं और इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। मैं अपनी कड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची हूं और 20 साल की उम्र से एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपना पूरा टैक्स भी भरती आ रही हूं।' अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका नाम किसी भी गैरकानूनी कामों से जुड़ा नहीं है। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी भी तरह के गैरकानूनी विदेशी लेनदेन में शामिल नहीं हूं, न तो खुद के लिए और न ही किसी प्रोडक्शन हाउस के लिए। मैं यह भी साफ कर दूं कि मेरे नाम पर देश या विदेश में कहीं भी गैरकानूनी प्रॉपर्टी नहीं है। न ही कभी किसी ने मुझे प्रॉपर्टी गिफ्ट की और न ही मैं इस तरह से तोहफे स्वीकार करती हूं।' अभिनेत्री ने अफवाह फैलाने वाले मीडिया संस्थानों से अपील कि की वे इस तरह की खबरें न फैलाएं। उन्होंने लिखा, 'जिन्होंने मेरे खिलाफ मनगढ़ंत खबरें छापी हैं। मैं उनसे उस खबर को वापस लेने की अपील करती हूं, साथ ही सच्चाई बताने के लिए कहती हूं। मैं समझती हूं कि मीडिया पर भी अपना बिजनेस चलाने का दबाव होता है लेकिन यह दबाव सच्चाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए और बिल्कुल भी किसी की इज्जत और रोजी-रोटी की कीमत पर तो नहीं होना चाहिए।'

हनुमान अंश की सफलता पर ऋचा चड्ढा ने तोड़ी चुप्पी

'हनुमान अंश' को सिनेमाघरों में दो महीने होने वाले हैं। यह फिल्म भारत में 300 करोड़ से ज्यादा और वर्ल्डवाइड 400 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है। अब इसकी सफलता पर एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपनी राय दी है। बॉलीवुड की बेबाक और संजीदा अभिनेत्री ऋचा चड्ढा का मानना है साल 2026 को कंटेंट आधारित सिनेमा के लिए बड़ा साल कहना अभी जल्दबाजी होगी। ये निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में दर्शकों की पसंद में कोई बड़ा बदलाव आया है।

'हनुमान अंश' की सफलता पर ऋचा का बेबाक विश्लेषण

2026 को 'कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा' का लैंडमार्क साल कहे जाने पर असहमति जताते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, अगर बात सिर्फ 'हनुमान अंश' के संदर्भ में है, तो वह एक अलग मामला है। इसके अलावा इस साल और क्या चला है? हमारी तुलना हॉलीवुड से नहीं की जा सकती। पौराणिक और धार्मिक फिल्में भारतीय दर्शकों के बीच हमेशा से सुरक्षित और लोकप्रिय रही हैं। ये फिल्में तो लोग देखते ही हैं। इसलिए यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगा कि इंडस्ट्री में अचानक कुछ बहुत बेहतरीन होने लगा है। ऋचा का मानना है कि धार्मिक या पौराणिक विषयों पर बनी फिल्मों का एक स्थापित दर्शक वर्ग है, जो बिना किसी झिझक के थिएटर तक आता है। इसे पूरे सिनेमा उद्योग में आए वैचारिक या रचनात्मक बदलाव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

राइटर्स को मिले बेहतर पैसे, तभी बदलेगा सिनेमा

भारतीय फिल्म उद्योग को वास्तव में कंटेंट-संचालित बनाने के उपाय पर बात करते हुए ऋचा ने सबसे अहम मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि जब तक पटकथा लेखकों को सही सम्मान और बेहतर पारिश्रमिक नहीं मिलेगा, तब तक बड़े बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है।

'हनुमान अंश' का 2 करोड़ के बजट से 423 करोड़ तक का ऐतिहासिक सफर विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' आध्यात्मिक गुरु नीम करोली बाबा के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। बेहद शांत शुरुआत करने वाली इस फिल्म को 'वर्ड ऑफ माउथ' का ऐसा जबरदस्त सहारा मिला कि यह 2026 की सबसे बड़ी सरप्राइज हिट बन गई।

शाहरुख की फिल्म में करीना की भी हुई एंट्री

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। मगर इस फिल्म का गाना 'डैडी कूल' और भी ज्यादा खास होने वाला है। खबर है कि इस गाने में बादशाह के साथ करीना कपूर भी दिखाई देगीं।

'डैडी कूल' में क्या है खास

शाहरुख खान और करीना कपूर खान आगामी एक्शन फिल्म 'किंग' के एक महत्वपूर्ण गाने में एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार करीना ने 'डैडी कूल' नामक इस गाने में विशेष भूमिका निभाने के लिए हामी भरी है, जिसकी शूटिंग इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में एक भव्य तरीके से होगी।

पहले भी साथ काम कर चुके शाहरुख-करीना

फिल्म 'किंग' का गाना डैडी कूल ऐसा पहला प्रोजेक्ट नहीं है, जिसके लिए शाहरुख और करीना साथ काम कर रहे हों। इससे पहले करीना और शाहरुख 'अशोका', 'कभी खुशी कभी गम' और 'रा.वन' जैसी बड़ी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा करीना शाहरुख की कई फिल्मों में कैमियो या स्पेशल गाना भी कर चुकी हैं। कविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक 'डैडी कूल' को इस एक्शन फिल्म के मुख्य गानों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाना है। प्रोडक्शन शेड्यूल के अनुसार, करीना को दक्षिण अफ्रीका में शाहरुख के साथ अपने हिस्से की शूटिंग के लिए लगभग पांच दिन दिए गए हैं। क्रॉस-कल्चरल देखने को मिलेगा रिपोर्ट्स के मुताबिक इन दो बॉलीवुड सितारों को एक साथ लाने के अलावा, इस सीक्वेंस में एक बड़ा क्रॉस-कल्चरल सहयोग भी देखने को मिलेगा। इस गाने में एक भारतीय कलाकार एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार के साथ नजर आएंगे।

रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे तेजा सज्जा

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा अब एक बिल्कुल नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे। शो का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज किया गया, जिसमें तेजा सज्जा की होस्ट के तौर पर झलक देखने को मिली। शो में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं और इनके बीच भरोसे, झूठ, रणनीति और दिमागी खेल का मुकाबला देखने को मिलेगा। 'द ट्रेटर्स तेलुगु' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर फॉर्मेट का पहला तेलुगु एडिशन है। शो में चिन्मयी श्रीपदा, हर्ष वर्धन, प्रगति महावाड़ी, श्रीदेवी चौधरी, निखिल विजयेंद्र सिम्हा, विद्या रमन, विष्णु ओई, श्राव्या वर्मा, डॉ. मेघनाथ रेड्डी, मौनीषा चौधरी, स्वीकर अगस्ती, आशिका पादुकोण, वर्षा डी'सूजा, प्रणव उर्फ अभिनवकवि, एसएस वर्धन, राहत अचंता, गौरव सुनील, साई रोनक, पुप्पला धनंजय और फल्गुनी बांगेड़ा नजर आएंगे। शो का हिस्सा बनने और इसे होस्ट करने को लेकर तेजा सज्जा ने कहा, ''मेरे लिए यह बिल्कुल नया अनुभव है। मैं इस तरह के फॉर्मेट का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हूं, क्योंकि यह मेरे अब तक के काम से बिल्कुल अलग है। मुझे ऐसे फॉर्मेट वाले तेलुगु एडिशन का हिस्सा बनने का मौका पहली बार मिला है, जो दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हो चुका है।'' तेजा ने कहा, ''तेलुगु एंटरटेनमेंट के लिए यह एक बड़ा मौका है। शो सिर्फ एक लोकप्रिय इंटरनेशनल फॉर्मेट को तेलुगु दर्शकों के सामने नहीं ला रहा, बल्कि इसे स्थानीय दर्शकों के हिसाब से अपनी अलग पहचान और अंदाज भी दिया गया है। बतौर होस्ट भी मेरे लिए यह खेल उतना ही अनप्रेडिक्टेबल है, जितना इसमें हिस्सा लेने वाले कंटेस्टेंट्स के लिए।'' तेजा ने आगे कहा, ''शो में कंटेस्टेंट्स के बीच झूठ, माइंड गेम्स, अचानक बनने वाले गठजोड़ और लगातार एक-दूसरे पर शक करने का सिलसिला देखने को मिलेगा। हर कदम पर गेम बदल सकता है और किसी भी कंटेस्टेंट को यह भरोसा नहीं रहेगा कि सामने वाला वास्तव में उसके साथ है या उसके खिलाफ। अब मुझे इस बात का इंतजार है कि दर्शक इसमें शामिल कंटेस्टेंट्स से जुड़ें और गेम के आगे बढ़ने के साथ खुद भी अंदाजा लगाते रहें कि आखिर कौन किसके साथ है।'' 'द ट्रेटर्स तेलुगु' जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है।

बाथ टब में नहाओ

जब बच्चे बाथ टब में नहाते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। आप भी अपने बच्चों को बाथ टब में नहलाइये फिर देखिए कितना आनंद आता है।

बच्चों को अगर पानी मिल जाए तो बात ही क्या है। ऐसा कोई बच्चा नहीं होता जिसे पानी में छई-छप-छई करना अच्छा नहीं लगता। समय के अभाव में हम सभी को रोज-रोज बच्चों को वॉटर पार्क ले जाने का भी समय नहीं निकलता। ऐसे में बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर में अगर पानी के बड़े-बड़े टब मिल जाएं तो क्या कहने। इससे खेलने का खेलना भी हो जाता है और बाहर भी नहीं निकलना पड़ता। यह बाथिंग टब आपको कहीं भी मिल जाएंगे। इन दिनों बच्चों के रंगीन बाथिंग टब को आप सड़क किनारे कहीं भी देख सकते हैं। इन रंगीन टब को देखते ही बच्चों के चेहरे खिल जाते हैं।

बाथ टब के फायदे

बाथ टब में नहाने से एक तो बच्चों को पानी में छपा-छई करने का मौका मिलता है वहीं दूसरी ओर अपने फेवरेट कार्टून केरेक्टर के साथ खेलने का भी। एक तरह से यह मिनी स्विमिंग पुल होता है। बाथ टब में नहाकर छोटे बच्चे घर में ही वॉटरपार्क का लुत्फ उठा सकते हैं। बाजार में आपको बाथ टब 400 रुपए के शुरुआती दाम से 1500 रुपए तक की कीमत में आसानी से मिल जाएगा। घर में यह टब होने से आपके बच्चे मनभर कर पानी खेल सकते हैं। इन टब को आप अपने घर के स्पेस के अनुसार खरीद सकते हैं। साथ ही फोल्डेबल होने पर इन्हें आप उठा कर रख भी सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियां हो सकती हैं।

चंदबरदाई को हिन्दी का पहला कवि और उनकी रचना पृथ्वीराज रासो को हिन्दी की पहली रचना होने का गौरव प्राप्त है।

दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना ज्यादा।

नील नदी की लंबाई (650 किलोमीटर) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 किलोमीटर) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एमडीएच का पूरा नाम महाशियां दी हट्टी है।

संयुक्त अरब अमीरात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।

तेनाली राम के किस्से

जासूस सेवक

राजा कृष्णदेव की सेना ने कई राज्यों को अपने अधीन कर लिया था। उनके वर्चस्व से घबराकर बीजापुर के सुल्तान ने अपने एक सेवक को जासूस बनाकर विजयनगर भेजा। उस जासूस की योजना थी कि राजमहल में ही राजा की हत्या कर दी जाए। इसके लिए ब्राह्मण का भेष धरा। राजमहल में दरबार लगा था। तिलकधारी ब्राह्मण धारा-प्रवाह संस्कृत के श्लोकों से सभी को प्रभावित कर रहा था। कृष्णदेव तो इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्राह्मण को अपने महल में ही ठहरने का स्थान दे दिया। तेनाली को यह सब उचित नहीं लगा। वे उस समय तो कुछ नहीं बोला मगर उस ब्राह्मण पर नजर रखने लगा। कुछ ही दिनों में तेनाली को ऐसा संकेत मिल गया कि वह ब्राह्मण राजा के विषय में व्यक्तिगत जानकारियां ले रहा है। तेनाली ने राजा को सचेत किया। एक बार ब्राह्मण की अनुपस्थिति में उसके कमरे की सफाई करते समय तेनाली भी वहां मौजूद था। उसने देखा और पूरा विश्वास हो गया कि यह ब्राह्मण के भेष में कोई जासूस है। तेनाली ने राजा से कहा-महाराज! ब्राह्मण, ब्राह्मण नहीं है।' राजा ने पूछा- 'क्या मतलब?' 'यही कि महाराज यह कोई अन्य धर्म का मानने वाला है। यह आपसे छल कर रहा है,' तेनाली बोला। 'यदि तुम यह सिद्ध कर दो तो तुम्हें पुरस्कार मिलेगा', राजा ने कहा। उसी दिन तेनाली और राजा ने रात के समय उस ब्राह्मण के कमरे में प्रवेश किया। एक सैनिक भी उनके साथ था जिसके हाथ में गरम पानी की बाल्टी थी। तेनाली के आदेश पर सैनिक ने गरम पानी की बाल्टी को ब्राह्मण पर उड़ेल दिया। वह लगा उछलने और 'अल्लाह-अल्लाह' चिल्लाने लगा। राजा समझ गए यह बीजापुर के सुल्तान का जासूस है जो भेष बदलकर यहां छिपा हुआ था। राजा को देखते ही जासूस ने उन पर वार किया जिसे राजा के सैनिक ने अपनी तलवार पर रोक लिया। राजा ने एक ही वार से जासूस का वध कर दिया। अगली प्रातः पूरे नगर में चर्चा थी कि तेनाली के कारण राजा की जान बच गयी।

मिक्की और डोनाल्ड सिखाएंगे अंग्रेजी

डिजनी के फेमस कार्टून कैरेक्टर मिक्की माउस और डोनाल्ड डक अब सिर्फ बच्चों का मनोरंजन ही नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें शिक्षा भी देंगे। मिक्की माउस और डोनाल्ड डक को चीन के बच्चों को अंग्रेजी सीखाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के जरिए हर साल तकरीबन डेढ़ लाख बच्चों को अंग्रेजी सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। डिजनी पब्लिशिंग वर्ल्डवाइड के रसेल हैम्पटन ने बताया कि कार्टून कैरेक्टर से अंग्रेजी सिखाने का फंडा काफी लाभदायक साबित हो रहा है। दुनिया भर में चीन में सबसे अधिक अंग्रेजी शिक्षण के प्राइवेट सेक्टर खुल रहे हैं। इसलिए प्रारंभिक तौर पर चीन के बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के माध्यम से अंग्रेजी सिखाने का प्रोजक्ट शुरू किया गया है। अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण बच्चों को इसका ज्ञान देना पैरेंट्स के लिए जरूरी हो गया। आमतौर पर अंग्रेजी के ट्यूशन पर काफी खर्चा आता है और इसके साथ ही बच्चों को घर से बाहर भी जाना पड़ता है, लेकिन अब कार्टून कैरेक्टर के जरिए बच्चे बिना किसी खर्च के घर बैठे अंग्रेजी सीख पाएंगे। इससे बच्चों और उनके पैरेंट्स दोनों को काफी सहूलियत होगी।

इन बातों का रखो ध्यान

तुम किसी के भी घर जाते हो तो सबसे पहले वहां के लोग तुम्हारी एक्टिविटीज से तुम्हारे बेसिक मैनर्स को समझ जाते हैं। तभी तो कई लोगों को तुमने कहते सुना होगा कि वह बच्चा कितना समझदार है, उसके पेरेंट्स ने उसे कितने अच्छे मैनर्स सिखाएं हैं। इसलिए यह जरूरी है कि तुम्हें भी सभी बेसिक मैनर्स आएं, जिससे सब तुम्हारी और तुम्हारे मम्मी-पापा की तारीफ करें। तो कहीं भी जाओ, इन बातों का ध्यान रखो-

अगर किसी के कमरे का दरवाजा बंद है तो पहले दरवाजे पर नॉक करो और जवाब आने का इंतजार करो, फिर ही कमरे में घुसो।

अगर तुम्हें किसी से कुछ लेना है तो पहले सामने वाले से पूछो। खुद से उस वस्तु को मत उठा लो। हां, उसे वह चीज वापस करने का वादा भी करो। इस बात का भी ध्यान रखना कि टाइम पर चीज को वापस कर दो।

किसी की परमिशन के बिना उसकी पर्सनल चीजों को मत छेड़ो या खोलकर देखो। ये बहुत ही बुरी आदत मानी जाती है।

किसी की डायरी या खत मत पढ़ो।

घर की बातों को घर में ही रखो। अगर मम्मी-पापा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई है या घर का बिजनेस ठीक नहीं चल रहा है या आपका भाई पढ़ने में अच्छा नहीं है, इस तरह की बातों को दूसरे के सामने मत बोलो।

सबसे जरूरी है कि अपना काम खुद ही करो। बाथरूम, टॉयलेट, किचन और टीवी रूम से निकलने से पहले उसे पहले की तरह साफ करके निकलो। पूरे घर में जूठे बर्तन मत फैलाओ। अपनी भीगी तौलिया खुद धूप में डालो।

पब्लिक प्लेस पर किसी का मजाक मत उड़ाओ। इससे सामने वाले को बहुत दुख होता है। मजाक उड़ाने से पहले ये जरूर सोचो कि अगर कोई तुम्हारा मजाक बनाएगा तो तुम्हें कैसा लगेगा।

कृत्रिम पत्ती बनाएगी बिजली

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के दल ने सिलिकॉन, इलेक्ट्रॉनिक्स, निकल और कोबाल्ट जैसे विभिन्न उत्प्रेरकों की सहायता से एक ऐसी कृत्रिम पत्ती का निर्माण किया है, जो सूरज की रोशनी और पानी से ऊर्जा पैदा करती है।

दरअसल, यह पत्ती सूरज की रोशनी का इस्तेमाल करके पानी को उसके घटकों हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ देती है, जिनका इस्तेमाल बिजली पैदा करने में किया जा सकता है। इन पत्तियों की सहायता से भारत जैसे विकासशील देश में एक घर की प्राथमिकता जरूरत भर की बिजली पैदा की जा सकती है।

जरूरत की बिजली

इस दल का लक्ष्य अब कम से कम कीमत वाला एक ऐसा उपकरण बनाने का है, जिसे कोई भी अपने घर की छत पर या आसपास लगाकर प्राथमिक जरूरत की बिजली प्राप्त कर सके। जापान में सुनामी आने के बाद जिस तरह परमाणु विकिरण फैला, उससे सभी देशों में परमाणु संयंत्रों के खतरे को लेकर चीख पुकार मची हुई है और जर्मनी जैसे देशों ने तो परमाणु संयंत्रों की स्थापना को लेकर अपने कान पकड़ लिए है। इस पृष्ठभूमि में नई खोज एक वरदान की तरह सामने आई है।

खतरा भी ज्यादा

कोयले के भंडारों के कम होने और जल विद्युत के उत्पादन से होने वाले नुकसान, बल्कि पर्यावरणीय खतरे को ध्यान में रखते हुए दुनिया परमाणु ऊर्जा के विकल्प की ओर गई है, जो अपेक्षा स्वच्छ मानी जाती है, लेकिन इसका खतरा सभी तरह से ऊर्जा के मुकाबले कहीं ज्यादा है। ऐसे में सौर ऊर्जा ओर पवन ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्त्रोतों पर दुनिया भर में ध्यान दिया जा रहा है।

बदल जाएगी किस्मत

कृत्रिम पत्ती के जरिए इस तरह वैकल्पिक ऊर्जा तैयार करने से दुनिया की किस्मत बदल जाएगी और तेज गति से आर्थिक विकास कर रहे भारत और चीन को तो सुदूर बसे अपने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से खास फायदा होगा। तब गांव-कस्बे के हर घर का अपना पावर-हाउस होगा। आकाश में बिजली के तड़कने से ही इतनी बिजली पैदा होती है कि दुनिया को उसका संरक्षण करना आ जाए तो वर्षों तक बिजली की कमी नहीं रहेगी।